गुरुवार
04 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बोले सीएम नीतीश कुमार... 2025 से पहले जमीनी झगड़ा बंद होना चाहिए
2

हादसे के जिम्मेदार सभी लोगों पर होगा एफआईआर, कोई दोषी बचेगा नहीं: योगी

हाथरस भगदड़ कांड

- सीएम योगी ने रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में घटना की न्यायिक जांच के दिए आदेश
- एडीजी आगरा की अध्यक्षता में गठित एसआईटी को घटना के तह में जाने का निर्देश

केटी न्यूज/हाथरस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि हाथरस हादसे में जो भी लोग जिम्मेदार हैं उन्हें उनकी सजा दिलाई जाएगी। कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा। इसके लिए सीएम योगी ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के भी आदेश दे दिए हैं। हाथरस में घटनास्थल का मुआयना और समीक्षा करने के साथ-साथ घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी ने प्रेस वार्ता के माध्यम से इस पूरी घटना की तह में जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस पूरे आयोजन में अंदर की व्यवस्था आयोजन से जुड़े सेवादारों की थी, जबकि प्रशासन द्वारा बाहर पुलिस की व्यवस्था की गई थी, लेकिन हादसा होने के तुरंत बाद सेवादार वहां से भाग निकले। यहां तक कि उन्होंने हादसे के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की। सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए हमने एडीजी आगरा की अध्यक्षता में एक एसआईटी गठित की है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। उन्हें इस घटना के तह में जाने के लिए कहा गया है। बहुत सारे ऐसे पहलू हैं, जिन पर जांच होना बहुत आवश्यक है। जो लोग भी इस घटना के जिम्मेदार होंगे वो सभी इसके दायरे में आएंगे।

बोले सीएम... ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बनेगी एसओपी

सेवादारों ने मामले को दबाने का किया प्रयास

सीएम योगी ने कहा कि गंभीर रूप से घायल लोगों ने बातचीत में बताया कि हादसा उस समय हुआ जब कार्यक्रम के उपरांत कथावाचक का काफिला जीटी रोड पर आया तो उन्हें छूने के लिए महिलाओं का एक दल उधर बढ़ गया। उनके पीछे-पीछे भीड़ गई और इसी के बाद वो एक-दूसरे के ऊपर चढ़ते गए। सेवादार भी लोगों को धक्का देते गए, जिसके चलते जीटी रोड के दोनों ओर ये हादसा घटित हुआ। इसका सबसे दुखद पहलू ये था कि इस तरह के कार्यक्रम के दौरान जो सेवादार प्रशासन को अंदर घुसने नहीं देते, दुर्घटना होने के तत्काल बाद उन्होंने मामले को दबाने का प्रयास किया। लेकिन जब प्रशासन ने घायलों को अस्पताल ले जाने की कार्यवाही शुरू की तो उनमें से ज्यादातर सेवादार वहां से भाग गए।

लापरवाही और जिम्मेदारों की तय की जाएगी जवाबदेही

सीएम योगी ने कहा कि राहत और बचाव के कार्य को आगे बढ़ाने के बाद आयोजकों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। घटना के कारणों के बारे में उनसे बात की जाएगी और घटना में लापरवाही और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी। हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते कि इस प्रकार की घटना केवल एक हादसा है। अगर हादसा भी है तो उसके पीछे कौन जिम्मेदार है और अगर हादसा नहीं तो साजिश किसकी है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए राज्य सरकार ने तय किया है हम इस पर एक न्यायिक जांच भी करवाएंगे। न्यायिक जांच हाईकोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में होगी, जिसमें प्रशासन और पुलिस के भी रिटायर्ड सीनियर अधिकारियों को रखा जाएगा और इस पूरी घटना के तह में जाकर जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें इसकी सजा दिलाई जाएगी।

लोग मर रहे थे और सेवादार मौके से भाग चुके थे

सीएम योगी ने कहा कि प्रशासन प्रथम दृष्टया ये मानकर चलता है कि धार्मिक आयोजन है और उनके सेवादार इस प्रकार के आयोजनों की अंदर से जिम्मेदारी स्वयं निभाएंगे। बड़े-बड़े आयोजन होते हैं और सावधानीवश वहां पर फोर्स प्रशासन तैनात करता है, लेकिन फोर्स आउटर रिंग में होती है। यदि आप अंदर देखेंगे तो उनके स्वयंसेवक या सेवादार ही व्यवस्था का संचालन करते हैं। इस तरह के आयोजनों में धार्मिक और आध्यात्मिक श्रद्धाभाव से लोग आते हैं तो वहां भीड़ अनुशासित ही रहती है। लेकिन जब वही कार्यक्रम निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों का खिलौना बन जाता है तो अनुशासनहीनता का नजारा देखने को मिलता है। इसका शिकार अंततः वो निर्दोष व्यक्ति होता है जो धार्मिक श्रद्धा के साथ उस आयोजन में भागीदार होता है।

अलग-अलग जनपदों में भेजी जाएंगी विशेष टीमें

सीएम योगी ने कहा कि आज स्वयं हाथरस में और सिकंदराराऊ के घटनास्थल का भी दौरा किया। यद्यपि वहां काफी बारिश थी, लेकिन इसके बावजूद वहां जाकर के हादसे के कारणों की प्रारंभिक व्यवस्था को देखने का प्रयास किया। हमारे तीन मंत्री और मुख्य सचिव व डीजीपी यहां हादसे के बाद से ही कैंप कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के सीनियर अधिकारीगण भी यहां पर कैंप करते हुए इस घटना के लिए जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए कुछ विशेष दल बनाए गए हैं,जिनके माध्यम से अलग-अलग जनपदों में कार्यवाही प्रारंभ होगी। प्रारंभिक जांच के बाद आगे की कार्यवाही को हम आगे बढ़ाने का काम करेंगे। घटना के जो भी जिम्मेदार होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी। कोई बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर रखे विचार

हमने एजेंसियों को भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट दे रखी है: मोदी

- बोले पीएम- संविधान की प्रति लेकर कूदने वालों ने किया था संविधान दिवस का विरोध, मोदी के वार से तिलमिलाए विपक्ष ने किया वॉकआउट

एजेंसी/नई दिल्ली

राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब लोकसभा में जब हमारी सरकार की तरफ से कहा गया कि हम 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाएंगे तो मैं हैरान हूं कि जो आज संविधान की प्रति लेकर घूमते रहते हैं, दुनिया में लहराते रहते हैं, उन्होंने विरोध किया था कि 26 जनवरी तो है, फिर संविधान दिवस क्यों लाएं? आज संविधान दिवस के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों को संविधान की भावना को, संविधान की रचना में क्या भूमिका रही है, देश के गणमान्य महापुरुषों ने संविधान के निर्माण में किन कारणों से कुछ चीजों को छोड़ने का निर्णय किया और किन कारणों से कुछ चीजों को स्वीकार करने का निर्णय किया इसके विषय में विस्तार से चर्चा हो। एक व्यापक रूप से संविधान के प्रति आस्था का भाव जगे और संविधान के प्रति समझ विकसित हो। संविधान हमारी प्रेरणा रहे इसके लिए हम कोशिश करते रहे हैं। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया।

पीएम मोदी ने विपक्ष के वॉकआउट पर कहा है कि देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती है। खुद के उठाए गए सवालों के जवाब सुनने की हिम्मत तक नहीं है। विपक्ष उच्च सदन को अपमानित कर रहा है। देश की जनता ने हर प्रकार से उन्हें (विपक्ष) को पराजित कर दिया है कि उनके पास गली मोहल्ले में चीखने के सिवाय कुछ बचा नहीं है। नारेबाजी, होहल्ला और मैदान छोड़कर भाग जाना यही उनके नसीब में लिखा हुआ है।

नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को मिलेगी सजा

पीएम मोदी ने राज्यसभा में कहा, 'मैं बिना लाग-लपेट के कह रहा हूं, हमने एजेंसियों को भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट दे रखी है। हां, वो ईमानदारी से ईमानदारी के लिए काम करे। कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा, ये मोदी की गारंटी है। हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है। मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिले, इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं।

खरगे ने बताया... विपक्ष ने क्यों किया वॉकआउट?

राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हम इसलिए बाहर आ गए क्योंकि प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन को संबोधित कर रहे थे और उन्होंने सदन को कुछ गलत बातें बताईं। झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें कहना उनकी आदत है। मैंने उनसे सिर्फ यही पूछा था, जब वह संविधान के बारे में बोल रहे थे आज जो संविधान को बचाने के लिए ढिंढोरा पीट रहे हैं, तब मैंने कहा कि आपने संविधान नहीं बनाया, आप लोग इसके खिलाफ थे। मैं सिर्फ यह स्पष्ट कर रहा था कि कौन लोग संविधान के पक्ष में थे और कौन संविधान के खिलाफ थे। उन्होंने (आरएसएस) संविधान का विरोध किया है, उन्होंने बीआर अंबेडकर और पंडित नेहरू का पुतला जलाया। वह बार-बार कहते हैं कि हमने बीआर अंबेडकर का अपमान किया, उन्होंने वहां (लोकसभा में) यह कहा था और वह आज भी यही कह रहे हैं। मैं बताना चाहता था कि बाबा साहब ने संविधान सभा में क्या कहा है और आरएसएस ने क्या कहा है और ऑर्गनाइजर में उनके लोग क्या बोले हैं वो सब बताना चाहता था।'

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दिया इस्तीफा
हेमंत सोरेन एक बार फिर संभालेंगे राज्य की कमान

एजेंसी/रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार पद से इस्तीफा दे दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ़्तार कर लिया था। उसके बाद चंपई सोरेन को झारखंड का सीएम बनाया गया था। बता दें कि फरवरी में चंपई सोरेन ने ये पद संभाला था।

हेमंत सोरेन को बेल मिल गई है। वो बाहर आ गए हैं और तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन अपनी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के विधायकों के बीच सर्वसम्मति के बाद तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी कर सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बुधवार को चंपई सोरेन के आवास पर सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों के बीच एक मीटिंग हुई। इसमें कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर थे। इनके अलावा हेमंत सोरेन के भाई बसंत और पत्नी कल्पना भी मौजूद थीं। इसमें ये सहमति बनी कि हेमंत सोरेन को वापस मुख्यमंत्री बन जाना चाहिए।

पटना में अपराधियों ने दो युवकों को मारी गोली

पटना। पटना के दीघा में अपराधियों ने दिनदहाड़े बुधवार को दो युवकों को गोली मार दी। गोली लगते ही दोनों जमीन पर बेहोश होकर गिर गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने फौरन दोनों युवकों को पटना के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यहां दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इधर, घटना से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए और हंगामा करने लगे।

दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास की बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी/नई दिल्ली

दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा अशांति फैलाये जाने संबंधी खुफिया सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। हिंदू और भाजपा के खिलाफ गांधी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को लोकसभा में हंगामा के बाद बवाल बढ़ गया है।

सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली कि दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्य अशांति फैला सकते हैं जिसके बाद मध्य दिल्ली में कांग्रेस नेता के आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस को संदेह है कि लोग तख्तियां या होर्डिंग लेकर उनके घर के बाहर इकट्ठा हो सकते हैं। स्थानीय पुलिस को 24 घंटे गांधी के आवास के आसपास निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। गांधी को जेड प्लस की सुरक्षा प्राप्त है।

विचाराधीन कैदी को अस्पताल नहीं ले जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर की जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी को इलाज के लिए अस्पताल न ले जाने पर नाराजगी जताई है। मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। इस दौरान शीर्ष अदालत ने टिप्पणी कि उसे राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की पीठ ने लुनखोंगम हाओकिप की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। लुनखोंगम हाओकिप ने कहा था कि वह बवासीर और टीबी से पीड़ित है। उसे पीठ में तेज दर्द होने के बावजूद जेल अधिकारी उसे अस्पताल लेकर नहीं गए। पीड़ित हाओकिप के वकील ने दावा किया कि जेल अधिकारियों ने मेडिकल हेल्प के लिए लगातार अनुरोध करने पर भी ध्यान नहीं दिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने लगाया आरोप... नीट के मुद्दे पर झूठ फैलाकर छात्रों को भ्रमित कर रहा विपक्ष

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नीट के मुद्दे पर झूठ फैलाकर छात्रों को भ्रमित कर रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेगी। विपक्ष राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों पर चर्चा की मांग कर रहा है। प्रधान ने एक्स' पर लिखा, कांग्रेस का अतीत और वर्तमान मुद्दों पर देश के साथ धोखाधड़ी करने का रहा है। नीट मामले में भी इनकी मंशा यही खुलकर आई है। झूठ और अफवाह के सहारे मुद्दों से भटकाकर अस्थिरता पैदा करने की इंडिया' गठबंधन की मंशा देश और छात्र विरोधी है। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में अपने वक्तव्य के दौरान आज फिर देश के युवाओं को बताया है कि युवा शक्ति और उनका उज्ज्वल भविष्य सरकार की पहली प्राथमिकता है और यह सरकार देश के हर नौजवान विद्यार्थी के साथ है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रधान ने कहा, सरकार इसके लिए कानून लाकर कड़े कदम उठा रही है। देश को भरोसा है कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वाला कोई दोषी बच नहीं पाएगा। अब कांग्रेस पार्टी और इंडिया' गठबंधन को नीट के मुद्दे पर अपनी गुमराह करने वाली चीट पॉलिसी' बंद करनी चाहिए।

टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम सम्मान में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा कार्यक्रम

टीम इंडिया की विश्व कप जीत के जश्न में होगा विक्ट्री परेड

एजेंसी/मुंबई

टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को खुली बस में रोड शो के बाद यहां वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा। भारतीय टीम के गुरुवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर नयी दिल्ली पहुंचेगी। भारतीय टीम श्रेणी चार के तूफान के कारण तीन दिन बारबाडोस में फंसे रहने के बाद अंततः बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गई। विमान में भारतीय टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और कुछ बीसीसीआई के अधिकारी तथा भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य सवार हैं। इस विशेष उड़ान का इंतजाम बीसीसीआई ने किया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पीटीआई से कहा, टीम बीसीसीआई द्वारा मुहैया करायी गयी एयर इंडिया के विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हो गयी।

शुक्ला ने कहा, नरीमन प्वाइंट से खुली बस में रोड शो कराया जायेगा और फिर खिलाड़ियों को घोषित 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जायेगा। बीसीसीआई सचिव शाह ने सभी खेल प्रेमियों का गुरुवार की शाम विक्ट्री परेड (जीत के जश्न में परेड) में जुड़ने का स्वागत किया। शाह ने एक्स' पर लिखा, टीम इंडिया की विश्व कप जीत के जश्न में आयोजित विक्ट्री परेड' में हमारे साथ जुड़िये। चार जुलाई को शाम पांच बजे मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक पहुंच कर हमारे साथ जश्न मनाईये। तारीख याद रखिये। इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा, हम इस विशेष पल का आनंद आप सभी के साथ लेना चाहते हैं। चलिये इस जीत का जश्न चार जुलाई को शाम पांच बजे के बाद मरीन ड्राइव और वानखेड़े पर विक्ट्री परेड' के साथ मनाते हैं। '' रोहित ने एक्स' पर लिखा, घर आ रहे हैं। '' भारतीय टीम के सदस्यों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह की भी योजना बनाई गई है। इसी तरह का रोड शो 14 साल पहले भी कराया गया था जब महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम ने 2007 में विश्व टी20 के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

बिहार में बाढ़ की समस्या होगी खत्म, केंद्र ने बनाई हाई लेबल कमिटी

केटी न्यूज/पटना

हर साल बाढ़ की विभिषिका झेलने वाले बिहार में अब जल्द ही यह समस्या समाप्त हो जाएगी। केंद्र की डबल इंजन सरकार ने बिहार में बाढ़ से निबटने के लिए पांच सदस्सीय कमेटी का गठन किया है, जो कल यानी 4 जुलाई को अपनी रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को सौंप देगी। कमेटी के सुझाव पर सरकार जल्द ही इस दिशा में ठोस पहल करेगी।दरअसल, जेडीयू के राज्य सभा सांसद संजय कुमार झा ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर इस समस्या को उनके समक्ष रखा था। जिसके बाद वित्त मंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और पांच सदस्ययी कमेटी का गठन किया। यह कमेटी नेपाल में भारी बारिश के कारण बिहार में आने वाली बाढ़ के पानी के प्रबंधन का सुझाव केंद्र सरकार को देगी। राज्यसभा सांसद और बिहार के पूर्व जल संसाधन मंत्री संजय झा ने एक्स पर लिखा, ह्यउत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में एक बड़ी पहल! मुझे साझा करते हुए खुशी है कि बिहार के विकास तथा उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक

समाधान से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर माननीय मुख्यमंत्रीनीतीश कुमार जी से विस्तृत चर्चा के बाद मैंने केंद्रीय वित्त मंत्रीनिर्मला सीतारमण से संसद भवन स्थित उनके कक्ष में मुलाकात की थी, जो काफी सार्थक रही है।उन्होंने लिखा, मैं हृदय से धन्यवाद देना चाहूंगा माननीया वित्त मंत्री जी को, कि उन्होंने उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने से संबंधित मेरे सुझावों को काफी गंभीरता से सुना; और उसी दिन शाम में एक और उच्चस्तरीय मीटिंग बुलाई, जिसमें मुझे भी शामिल होने के लिए कहा। शाम की मीटिंग में केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देबश्री मुखर्जी के अलावा वित्त, विदेश और जलशक्ति मंत्रालय के कुछ वरीय अधिकारी भी शामिल हुए। जेडीयू सांसद ने लिखा, इस महत्वपूर्ण मीटिंग में उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से बेहतर जल प्रबंधन का एक विस्तृत खाका तैयार करने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। मैंने विस्तार से बताया कि नेपाल से आने वाली नदियों की बाढ़ उत्तर बिहार के विकास की राह में कितनी बड़ी बाधा है। साथ ही, बाढ़ से जानमाल की सुरक्षा के कार्यों, राहत एवं पुनर्वास के उपायों में बिहार सरकार को हर साल बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है, जिससे राज्य का विकास प्रभावित होता है। बिहार के जल संसाधन मंत्री के रूप में काम करने के अपने अनुभवों के आधार पर मैंने इसके समाधान के लिए कई सुझाव भी दिये और सभी ने मेरे सुझावों को गंभीरता से सुना। संजय झा ने लिखा कि मैं आभारी हूं वित्त मंत्री का, कि उनकी व्यक्तिगत अभिरुचि के कारण मीटिंग में तय किया गया कि एक उच्चस्तरीय समिति उत्तर बिहार की विभिन्न नदियों के जल के बेहतर प्रबंधन के लिए नये बराज एवं अन्य संरचनाओं के निर्माण की संभावनाओं का पता लगाएगी। पांच सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया। समिति में लोअर गंगा बेसिन ऑर्गेनाइजेशन पटना के मुख्य अभियंता अंबरीश नायक को चेयरमैन बनाया गया है। उन्हीं की देखरेख में होगा।

3 साल की मासूम को घर से उठा ले गया दरिंदा, नदी किनारे किया रेप, हालत गंभीर

केटी न्यूज/पटना

तीन साल के मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। दरिंदे ने घटना को अंजाम तब दिया जब मासूम बच्ची घर में सो रही थी। उसे उठाकर सुनसान जगह लेकर गये और मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना के बाद गांव में सनसनी मच गई। यह घटना नावादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है। परिजनों के अनुसार रात में सभी सोए हुए थे। जब अचानक रात में आंख खुली बेटी को पास न देखकर हड़बड़ा गये। जिसके बाद घरवालों ने लड़की गायब होने की सूचना नारदीगंज पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने परिजनों की सूचना दी। लड़की बेहोशी की हालत में नदी किनारे पड़ी है। वह खून से लथपथ है। परिजन सदर अस्पताल लेकर गये। जहां डॉक्टरों टीम ने जांच शुरू कर दी है। डाक्टरों ने बताया मासूम के प्राइवेट पार्ट से भारी मात्रा में खुन निकल रहा है। जिसके कारण उसे महिला वार्ड में बेहत इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। मासूम की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

75 अभ्यर्थियों को हाथों हाथ सौंपा नियोजन-पत्र, 9888 को ऑनलाईन से दिया गया

बोले सीएम नीतीश कुमार... 2025 से पहले जमीनी झगड़ा बंद होना चाहिए

- अमीन और कानूनगो समेत अन्य पदों पर नियुक्त हुए कर्मियों को मिला नियुक्ति पत्र
- विभाग के अधिकारी को कहा कि जल्दी से सब काम कीजिए, हम आपको हाथ जोड़ते हैं...कहिएगा तो पैर छू लें

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के समापन के बाद अब बिहार की नीतीश सरकार एक्शन में आ गयी है लिहाजा एकबार फिर नौकरी का पिटारा खुल गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत 9 हजार 8 सौ 88 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। जिसमें 353 विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 758 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 742 विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं 8,035 विशेष सर्वेक्षण अमीन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 20 तथा राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया।

सीएम अधिकारियों से बोले-हाथ जोड़ते हैं, आपलोग करिये काम शुरू

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जमीन का झगड़ा आपस में होता रहता है और ये लंबे समय से चलता आ रहा है। साल 2005 से हमने करीब से देखा है, इस झगड़े में कई लोगों की जानें गई हैं, ये झगड़ा खत्म हो, इसके लिए हम शुरू से काम करते रहे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि सबलोग लगे हुए हैं लेकिन हम इनसे आग्रह करते हैं कि 2025 के चुनाव से पहले ये झगड़ा बंद होना चाहिए। सारा काम पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को टास्क दिया कि सब काम जल्द से जल्द पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने डेडलाइन देते हुए कहा कि जुलाई 2025 तक सारा काम पूरा हो जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि ये बहाली हम बहुत पहले ही करना चाहते थे लेकिन देर आए दुरुस्त आए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभाग के अधिकारी को कहा कि जल्दी से सब काम कीजिए, हम आपको हाथ जोड़ते हैं...कहिएगा तो पैर छू लें। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत आज जो नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है, यह बहुत अच्छा है। यह नियुक्ति पत्र वितरण का काम हमलोगों ने बहुत पहले सोचा था।

सूबे में 2013 में एरियल फोटोग्राफी का काम शुरू

बिहार में भूमि सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया। वर्ष 2013 में एरियल फोटोग्राफी का काम शुरू किया गया। हमारी इच्छा है कि जमीन विवाद समाप्त हो और समाज में शांति का माहौल रहे। आप सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों से उम्मीद है कि मन लगाकर सर्वेक्षण कार्य को तेजी से पूर्ण करेंगे। अपर मुख्य सचिव और मंत्री जी से मैं कहूंगा कि जुलाई 2025 तक कार्य को पूर्ण करें। भूमि सर्वेक्षण संबंधी कार्य जितना जल्दी पूर्ण हो जाएगा तो भूमि विवाद समाप्त हो जायेगा और आपस में सभी प्रेम और भाईचारे के साथ सभी रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज के इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी एवं जिलों के प्रभारी मंत्री भी जुड़े हुए हैं। सभी कार्यों की निगरानी करते रहें। नवनियुक्त कर्मियों को मैं अपनी शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि अपने कार्यों का निष्पादन बेहतर ढंग से करते हुए तेजी से पूर्ण करेंगे।

दो करोड़ की चरस के साथ तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

वाहन जांच के दौरान पुलिस टीम ने दो करोड़ की चरस के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है। कुचायकोट थाने की पुलिस को यह सफलता हाथ लगी है। दरअसल, बिहार में शराबबंदी के बाद दूसरे नशो का चलन बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ शराब पीने के शौकीन लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं तो दूसरी तरफ जिन लोगों को शराब नहीं मिल रही है वह विकल्प के तौर पर दूसरे नशीले पदार्थों का इस्तेमाल कर रहे हैं। गुप्त सूचना के आधार पर कुचायकोट थाने की पुलिस ने साढ़े चार किलो चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त चरस की कीमत बाजार में दो करोड़ रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्करों में दो उत्तर प्रदेश के देवरिया के रहने वाले हैं जबकि तीसरा कुचायकोट के माधोपुर का रहने वाला है। जहां एक महिला और दो पुरुष से पूछताछ किया गया और उसकी जब तलाशी ली गई, तब उसके पास से एक थैला में रखे 4.582 केजी चरस बरामद किया गया। इसके बाद तीनों को हिरासत में ले लिया गया। वहीं, नए का कानून के तहत अधिकारियों के निगरानी में बरामद चरस को मौके पर ही नाप तौल किया गया। इसके बाद चरस को जब्त करते हुए तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, गिरफ्तार किए गए तस्करों से पूछ ताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया हैं। बताया जता है की बुजुर्ग होने के कारण कोई शक न कर सके इसको लेकर दोनों पति पत्नी चरस की तस्करी करते है। इसके पहले भी गोपालगंज के रामपुर माधो से चरस लेकर यूपी गए थे।

पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारीः सीवान के गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल गिरा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में फिर से पुल हादसा हुआ है। सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त हो गए। लगातार बारिश के कारण कुछ ही घंटों में तीन पुल गिरने से कई गांवों के बीच संपर्क टूट गया है। पहली घटना महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा गांव और देवरिया गांव के बीच की है। यहां गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल का का एक पाया धंसने लगा। देखते ही देखते पुल गंडक नदी में समा गया। हादसा, सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त; कई गांव के लोग परेशानदूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के तेवथा पंचायत की है। नौतन और सिकंदरपुर गांव के गंडक नदी पर बना पुल गिर गया। वहीं तीसरा पुल धीमही गांव में गंडक नदी में बना था। यह भी धाराशायी हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस पुल की मरमत भी हुई थी। उसके बाद भी यह पुल टूट गया

है। पानी के तेज बहाव के कारण बताया जा रहा है। हादसे के बाद कई गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है यह पुल 35 से 40 साल पुरानी थी। हजारों लोगों के आने-जाने का मात्र एक यही साधन था। जो अब पूरी तरह से टूट गया है। गनीमत रही कि इस हादसे में जानमाल की कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस हादसे के पहले 22 जून को महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर पुल अचानक गिर गया था। हादसे के बाद दो गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवायाा। कुछ दिन पहले ही विभाग नहर की सफाई करवाई गई थी। साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी। गार्डर के लिए शटरिंग का काम चल रहा था। तभी भूतही बालन नदी में अचानक जलस्तर बढ़ गया जिस वजह से पानी के तेज बहाव में गार्डर बह गया।

जेडीयू एमएलसी राधाचरण सेठ को पटना हाईकोर्ट से मिली जमानत

पटना। 77 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति अर्जित करने के मामले में जेल में बंद जेडीयू के एमएलसी राधाचरण सेठ को हाई कोर्ट से जमानत मिली है। जस्टिस डॉ. अंशूमान की कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के बाद उन्हें बेल दे दिया। बता दें कि राधाचरण सेठ सितंबर 2023 से जेल में बंद थे। बता दें कि आय से अधिक संपत्ति मामले में जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह को ईडी ने पिछले साल 13 सितंबर को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी आरा के उनके फार्म हाउस से हुई थी। जहां ईडी ने उनसे कई घंटो तक पूछताछ भी की थी। इसके दो दिन बाद ईडी ने उनके बेटे कन्हैया प्रसाद को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने पूछताछ के बाद कन्हैया को अरेस्ट किया था। राधाचरण साह पर बालू के अवैध कारोबार और टैक्स चोरी से लेकर गलत तरीके से संपत्ति अर्जित करने के कई आरोप हैं। जिसको लेकर केंद्रीय ऐंजियों ने कई बार जेडीयू एमएलसी के ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है।

बिजली कंपनी ने विद्युत आपूर्ति ठप कर दी है जिस कारण सैलून में बिजली बंद

एक सैलून वाले को लगा बिजली बिल का झटका, स्मार्ट मीटर लगाने के बाद आया 27 लाख का बिल

- पीड़ित ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को दिया आवेदन, इसके बावजूद कोई नहीं आया जांच करने

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर जिले में एक सैलून वाले लाखों रुपए का बिजली बिल विभाग ने भेजा है। बिजली बिल को देखकर वो तो दंग रह गया। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि अब वो क्या करे। फिर लोगों ने उसे बिजली विभाग जाने को कहा तब वो वहां जाकर इस बात की शिकायत की लेकिन ना तो इस समस्या का समाधान हो पाया है और ना ही बिजली विभाग का कोई अधिकारी मामले की जांच के लिए ही पहुंचा है। लिहाजा बिना बिजली के वो सैलून चला रहा है जिससे उसके काम-काज पर असर पड़ रहा है। बिजली नहीं रहने के कारण कस्टमर भी नहीं आते हैं। इतनी गर्मी में भला कोई बिना बिजली वाले सैलून में क्यों जाए क्यों इतनी परेशानी झेले। फिलहाल इस परेशानी

को सैलून के मालिक विनय झेल रहे हैं। इसमें उसकी क्या गलती है जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद लाखों रुपए का बिजली बिल आने से विनय काफी सदमें है और अधिकारियों से मामले की जांच की मांग कर रहा है। मामला मुजफ्फरपुर के मीनापुर प्रखंड के फरीदपुर का है। जहां पेशे से हजामत बनाने वाले विनय की इस इलाके में सैलून है। वो इनदिनों बिजली विभाग का चक्कर लगाते-लगाते परेशान है। उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन उसके ऊपर लाखों का बिजली बिल बकाया होगा। मुजफ्फरपुर में बिजली उपभोक्ताओं को विभाग द्वारा आए दिन झटके दिए जा रहें हैं। जहां एक तरफ उपभोक्ता स्मार्ट मीटर में रोज आ रहे गड़बड़ी से परेशान हैं। वहीं दूसरी तरफ बिजली बिल से झटके लग रहें हैं। नया मामला मीनापुर प्रखंड के फरीदपुर निवासी विनय कुमार का है। विनय पेशे से नाई है। उनका अपना सैलून है जहां बिजली विभाग द्वारा सैलून संचालक विनय कुमार को 27 लाख 10 हजार 618 रुपए 36 पैसा का बिल भेजा गया है। जिसपर विनय कुमार ने बताया कि उन्होंने इस बारे में बिजली विभाग के अधिकारियों को आवेदन दे दिया है। जहां अधिकारियों द्वारा इस मामले में सुधार का भरोसा दिया गया है। विनय ने बताया कि 27 लाख 10 हजार 618 रुपये का आया है। 26 मई को स्मार्ट मीटर लगा था उसके पहले का बिजली बकाया 3112 रुपया था। स्मार्ट मीटर लगने के बाद रिचार्ज कराया और दस से बारह दिन ठीक से चला फिर बिजली कट गया। उसके बाद बिजली का बकाया 27 लाख 10 हजार 618 रुपया शो करने लगा। बिजली के बिल को देख वो दंग रह गया। इस संबंध में 27 जून को लिखित आवेदन भी दिया लेकिन बिजली विभाग का कोई भी पदाधिकारी जांच के लिए नहीं पहुंचा।

पंचायत को टीबी मुक्त करने के लिए सभी संभावित मरीजों की जांच जरूरी

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में स्थित आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास/एनक्यूएएस) सर्टिफिकेट दिलाने की तैयारी जोरों पर हैं। इस क्रम में यक्ष्मा विभाग के राज्य प्रोग्राम पदाधिकारी डॉ. बाल कृष्ण मिश्र ने सदर प्रखंड अंतर्गत नदांव पंचायत स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने एनक्वास की तैयारियों व प्रधानमंत्री टीबी मुक्त पंचायत के तहत किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया।

समीक्षा के बाद उन्होंने एचडब्ल्यूसी की सीएचओ प्रियंका कुमारी सिंह को निर्देश देते पंचायत

♦ यक्ष्मा विभाग के राज्य प्रोग्राम पदाधिकारी ने नदांव एचडब्ल्यूसी का किया निरीक्षण

अंतर्गत सभी आशा कार्यकताओं के माध्यम से टीबी के लक्षण वाले मरीजों व संभावित मरीजों कह अनिवार्य रूप से जांच कराने पर जोर दिया। कहा कि जब तक पंचायत के सभी संभावित मरीजों की जांच नहीं हो जाती तब तक इसे टीबी मुक्त नहीं बनाया जा सकता। साथ ही, उन्होंने नदांव पंचायत में टीबी के इलाजरत मरीजों का फॉलोअप करने का निर्देश दिया।

स्पूटम कलेक्शन के दौरान ही मरीजों का क्यूआर कोड जेनरेट करें

डॉ. मिश्र ने सीएचओ व आशा कार्यकताओं को बताया कि राज्य में कोविड की तरह टीबी को जड़ से मिटाने के लिए हमें थ्री टी (ट्रेस, टेस्ट और ट्रीटमेंट) की रणनीति पर फोकस किया जा रहा है। इस माध्यम से आसानी से टीबी के लक्षण वाले मरीजों को चिह्नित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जब जांच का दायरा बढ़ेगा, तो मरीजों के मिलने की संभावना भी बढ़ जाएगी। इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा टीबी के लक्षण वाले मरीजों को ट्रेस करते हुए उनका टेस्ट करना होगा। जिसके बाद टीबी के मरीजों का इलाज शुरू किया ट्रीटमेंट जा सकेगा। साथ ही, टीबी मरीजों का स्पूटम कलेक्शन के दौरान ही उनका क्यूआर कोड जनरेट किया जाए। जिससे टीबी की पुष्टि होने के बाद उनका रजिस्ट्रेशन व इलाज आसानी से शुरू हो सके।

इस दौरान पिरामल इंडिया के अविनाश कुमार, कंसल्टेंट विनीता कुमारी, डीसीक्यूए रुचि कुमारी व बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह समेत आशा कार्यकताएं मौजूद रही।

गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य

एसपीओ ने एनक्वास सर्टिफिकेशन की तैयारियों के संबंध पर चर्चा करते हुए बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और लोगों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपालब्ध कराने के लिए सरकार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स को एनक्वास सर्टिफिकेशन के लिए तैयार कर रही है। इससलिए सरकार के उद्देश्य को देखते हुए यहां पर लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसके लिए जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारियों से संपर्क कर एचडब्ल्यूसी में सेवाओं औ सुविधाओं को सुदृढ़ करें। साथ ही, चेकलिस्ट के अनुसार दवाओं का पर्याप्त भंडारण किया जाए। ताकि, किसी भी मरीज को बाहर से दवाएं न खरीदनी पड़े।

एनडीए के नेतृत्व में इस बार विकास की नई गाथा लिखेगा बिहार: सम्राट

केटी न्यूज/बक्सर

एनडीएम के नेतृत्व में इस बार बिहार विकास की नई गाथा लिखेगा। इसके लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। उक्त बातें बुधवार को बक्सर के वैष्णवी क्लार्क होटल में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कही। वे बुधवार को ही अयोध्या के सरयू नदी में अपना मुरेठा खोले तथा मुंडन करवाए। करीब 22-23 महीनों के बाद मुरेठा खोलने वाले सम्राट चौधरी अयोध्या से लौटने के दौरान बक्सर में रूके तथा कार्यकताओं से मुलाकात की। इसके पहले कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया तथा उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं का हाल चाल भी पूछा तथा उनका उत्साह वर्द्धन किया। वही सरकारी कार्यक्रम के तहत बक्सर आए जिले के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन से भी कार्यकताओं ने सर्किट हाउस में मुलाकात की तथा उनका भी स्वागत किया। एक दिन में भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं को अपने बीच पा कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों के स्वागत समारोह में भाग लेंगे भाजपा कार्यकर्ता : दूसरी तरफ भाजपा जिला ईकाई की एक बैठक वैष्णवी क्लार्क होटल बक्सर में आहुत किया गया। जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने तथा संचालन महामंत्री पूनम रविदास ने किया। बैठक में जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने पार्टी कार्यकताओं को बताया कि पांच जुलाई को नव निर्वाचित सांसद और केन्द्र में बने भारतीय जनता पार्टी के मंत्रीमंडल में शामिल बिहार के मंत्रियों का स्वागत कार्यक्रम कृष्ण मेमोरियल हॉल पटना में आयोजित किया जाएगा। ऐसे में हम सब बक्सर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में पांच जुलाई को पटना कृष्ण मेमोरियल हॉल पहुंचकर मंत्रियों के स्वागत कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में बक्सर की भूमिका अग्रणी रही है। सभी मंडल अध्यक्षों द्वारा बारी-बारी से अपने मंडल से जाने वाले कार्यकताओं की संख्या बताई। सभी मंच, मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने भी उक्त कार्यक्रम में जोश खरोस से शामिल होने की बात कही। बैठक में मुख्य रूप से रामकुमार सिंह पुर्व जिला अध्यक्ष, राम विनोद राय, प्रदीप दुबे, इन्द्रलेश पाठक, मीना सिंह कुशवाहा ,मनोज कुमार पांडेय, अनिल कुमार पांडेय, संत कुमार सिंह, जयप्रकाश राय, साबित रोहतास्वी, सौरव तिवारी, राजू यादव, राजीव सिंह राजू,शिला त्रिवेदी, चन्दा पाण्डेय,पिंकी पाठक, ओम ज्योति भगत, दुर्गावती चतुवेर्दी, रेखा देवी, सुधा गुप्ता, इंदु देवी, संध्या पांडेय तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

डीएम ने की 19 मामलों की सुनवाई

बक्सर। बुधवार को डीएम अंशुल अग्रवाल के द्वारा आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 19 आवेदनों पर समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सुनवाई की गई। इस दौरान डीएम ने बारी बारी से सभी लोगों से उनकी समस्याएं पूछी एवं संबंधित पदाधिकारियों के पास आवेदन को अग्रसारित करते हुए उसपर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आवेदन देने के साथ ही डीएम ने अधिकारियों को समय से इन आवेदनों का निष्पादन कर उसका प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होनी चाहिए।

अपहरण मामले में एक गिरफ्तार, जेल

बक्सर। युवती को बहला-फुसला अपहरण किये जाने के मामले में मुफस्सिल पुलिस ने औद्योगिक थाने के अर्जुनपुर गांव के एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक राज कुमार अर्जुनपुर का रहने वाला है। जो विगत जून माह में मुफस्सिल थाने के एक युवती को शादी करने का झांसा दे बहला-फुसलाकर फरार हो गया था। जिसके घरवालों द्वारा उक्त युवक पर अपरहण करने का मामला दर्ज कराया गया था। जिसे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले युवती को पुलिस ने पहले ही बरामद कर लिया था।

प्रभारी मंत्री ने नवनियुक्त 244 विशेष सर्वेक्षण कर्मियों को बांटे नियुक्तिपत्र, कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम आयोजित

बक्सर में विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्त का कार्य जल्द होगा प्रारंभ : प्रभारी मंत्री

♦ बोलें मंत्री... भूमि संबंधी सूचनाओं का एकीकृत प्रबंधन ही विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त का मुख्य लक्ष्य

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा नवनियुक्त विशेष सर्वेक्षण कर्मियों के संवाद भवन, पटना में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के अवसर पर राज्य के नगर विकास विभाग एवं आवास व विधि विभाग के मंत्री सह बक्सर के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन ने नवनियुक्त विशेष सर्वेक्षण कर्मियों को नियुक्ति पत्र नगर भवन बक्सर में वितरण किया गया।

बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अधिनियम 2011 यथा संशोधित 2017 एवं बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त नियमावली 2012 यथा संशोधित 2019 के तहत राज्य के सभी जिलों में विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्य प्रारंभ किया जाना है। उक्त अधिसूचना एवं नियमावली के आलोक में बक्सर जिला में भी बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त का कार्य प्रारंभ किया जाना है। विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त के सफल संचालन के लिए भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय बिहार पटना द्वारा विशेष सर्वेक्षण कर्मियों की नियुक्ति की गई है। बक्सर जिलांतर्गत 204 विशेष सर्वेक्षण अमीन, 18 विशेष सर्वेक्षण लिपिक, 15 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो एवं सात विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इस प्रकार अलग अलग पदों के लिए कल 244 नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। प्रभारी मंत्री ने सभी नवनियुक्त कर्मियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की उन्होंने कहा कि विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अधिनियम का मुख्य उद्देश्य आधुनिक प्रावैधिकी की सहायता से डिजिटाइज्ड ऑनलाइन अधिकार अभिलेखों एवं मानचित्रों का संधारण तथा संरक्षण एवं अद्यतीकरण की प्रक्रिया की निरंतरता को बनाए रखना है। साथ ही, समस्त भूमि संबंधी सूचनाओं का एकीकृत प्रबंधन करते हुए प्रभावशाली तरीके से इसके सभी उपयोगकताओं को एकीकृत, सरल एवं प्रभावित तरीके से सेवाएं प्रदान करना है।

सरकारी सेवा व शिक्षण संस्थानों में आर्थिक आधार पर लागू हो आरक्षण: पुनीत सिंह

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह ने बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री सह प्रभारी मंत्री नीतिन नवीन को मांग पत्र देकर बिहार सरकार से सरकारी सेवा एवं शिक्षण संस्थानों में आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग की। ताकि वास्तविक रूप से कमजोर लोगों को इसका लाभ मिल सके और उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की गहन समीक्षा होनी चाहिए की क्या इसका लाभ उन वर्गों या उन जतियों को मिल रहा है, जिनके लिए यह कानून बनाया गया है। हमें ऐसा लगता है कि आरक्षित वर्ग की बड़ी जातियां ही जातिगत आरक्षण का लाभ ले रही है। गरीब परिवार आज भी इस कानून के द्वारा

मिलने वाले लाभ से वंचित है। बिहार सरकार का जातिगत आरक्षण बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना दुर्भाग्य पूर्ण निर्णय है। इससे सामान्य वर्ग के सामने नौकरी और शिक्षा का संकट उत्पन्न हो सकता है। जिसके कारण सामान्य वर्ग में सरकार के प्रति असंतोष बढेगा। जिसका खमियाजा आने वाले चुनाव में सरकार को भुगतान पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में आरक्षण देने का आधार आर्थिक ही होना चाहिए।

विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्ती से कम होंगे भूमि विवाद के मामले

प्रभारी मंत्री ने बताया कि पूरे बिहार में विशेष सर्वेक्षण के लिए विशेष सेर्वेक्षण कर्मियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त का मुख्य लक्ष्य समस्त भूमि संबंधी सूचनाओं का एकीकृत प्रबंधन करना है। ताकी भविष्य में भूमि विवाद के मामलों को रोका जा सके या कम किया जा सकें। उन्होंने कहा कि हाल के कुछ वर्षों में जमीन विवाद के मामले तेजी से बढ़े है। भूमि विवाद के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। अदालतों पर भी केस के बोझ बढ़े है। इस विशेष सर्वेक्षण के बाद अब जमीन विवाद संबंधित मामलों पर स्थायी रूप से लगाम लगेगा तथा कोई जमीन गैरमजरूआ नहीं रह जाएगी। प्रभारी मंत्री नीतिन ने कहा कि विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्ती से जमीन किसकी है यह तुरंत पता चल जाएगा। जिस कारण अनावश्यक विवाद भी बच जाएगा।

एक नजर

जिलाधिकारी ने बाजार समिति में ईवीएम वीवीपैट गोदाम का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बुधवार को भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार प्रखण्ड परिसर बक्सर स्थित मासिक ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के दिशा-निदेर्शों के आलोक में वेयर हाउस के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा वेयर हाउस की देखरेख में लगे कर्मियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे एवं अग्निशमन यंत्रों की कार्यकारिता की जांच की। उनके ठीक से काम करते देख डीएम ने संतोष जताया। इसके अलावे वेयर हाउस में साफ-सफाई एवं बिजली संचालन आदि के लिए वहां उपस्थित उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर को निदेश दिया गया। डीएम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हर महीने ईवीएम व वीवीपैट गोदाम का निरीक्षण किया जाता है। डीएम के निरीक्षण से वेयर हाउस में कार्यरत कर्मियों की मुश्किलें बढ़ी रही। निरीक्षण के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बत्ती गुल रहने पर कैसे चलेगी फैक्ट्री: उपाध्यक्ष

बक्सर। राकांपा (शरद) के प्रदेश उपाध्यक्ष बिनोधर ओझा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि औद्योगिक क्षेत्र में बिजली की इतनी दयनीय स्थिति है कि दिन भर बिजली गायब रहती है। बिजली कंपनी के पावर सब स्टेशन या अधिकारी के पास फोन करने पर कोई फोन नहीं उठाता है। हल्की बारिस या हवा चलने पर तार टूटने या अन्य लोकल फॉल्टों के कारण बती गुल हो जा रही है। उन्होंने कहा है कि पहले जिन तारों से विद्युत आपूर्ति की जा रही थी वह काफी जर्जर हो चुके थे तथा एलटी तार थे जो आपस में सट जाने से ऐसा होता था। अब तो कवर वायर है फिर भी ऐसा कैसे हो रहा है। उन्होंने पूछा है कि ऐसी स्थिति रहेगी तो फैक्ट्रियां कैसे चलेगी? बियाडा स्ट्रीट लाइट लगवा रहा है, लेकिन इसकी तब आवश्यकता है जब फैक्ट्रिया चलेगी। बिजली विभाग को और बियाडा को इस पर ध्यान देना चाहिए। बक्सर औद्योगिक क्षेत्र के एरिया पदाधिकारी रहते है जो लैजन अफिसर होते है। उनका काम है कि किसी इकाई को जिस विभाग से जो परेशानी हो तो उसे दूर करना होता है। उनको भी फैक्ट्री चले या नहीं चले इससे कोई मतलब नही रहता है।

शिक्षा विभाग के पांच कर्मियों का तबादला

बक्सर। शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर कर्मियों का फेरबदल किया गया है। लंबे समय से जिले में जमे पांच कर्मियों का तबादला दूसरे जिलों में किया गया है। इसको लेकर प्रदेश स्तर पर स्थानांतरण की सूचि जारी किया गया है। स्थानांतरण आदेश क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक पटना ने जारी किया है। जारी सूचि के अनुसार जिले के शिक्षा विभाग के पांच कर्मियों का स्थानांतरण अन्य जिलों में किया गया है। जिसमें डीईओ कार्यालय में पदस्थापित कमलेश कुमार मिश्र का क्षेत्रिय शिक्षा उप निदेशक पटना प्रमंडल पटना, कृष्णानंद सिंह का डीईओ कार्यालय भोजपुर, मुकेश कुमार जिला का डायट पिरौंटा भोजपुर आरा, अनिल कुमार डायट फजलगंज सासाराम रोहतास, कार्यालय उप निरीक्षिका बक्सर से आशीष कुमार का डीईओ भोजपुर में पदस्थापना किया गया है। एक सप्ताह के अंदर स्थानांतरित लिपिकों का सम्पूर्ण प्रभार का आदान-प्रदान कराते हुए विरमित करना सुनिश्चित करेंगे। जिससे स्थानांतरित विद्यालय में निर्धारित समय से योगदान कर सकें। साथ ही नियंत्री पदाधिकारी स्थानान्तरित लिपिकों का प्रभार आदान प्रदान करने के उपरान्त ही अन्तिम वेतन प्रमाण पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे। 7 जुलाई तक विरमित नहीं होने वाले कर्मी 8 जुलाई से स्वतः विरमित समझे जाएंगे। माह जुलाई का वेतन उनके स्थानांतरित कार्यालय से देय होगा।

भूमि संरक्षण पदाधिकारी समेत तीन से डीएम ने पूछा स्पष्टीकरण

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जल जीवन हरियाली अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें डीएम ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा को निर्देश दिया कि शेष तालाबों एवं नव निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आहरों एवं पईनों के जीर्णोद्धार, चापाकल के किनारे सोख्ता निमार्ण, पौधरोपण कराने आदि का निर्देश दिया और कहा कि बरसात के इस सीजन में पौधरोपण व जलाशयों के सौंदीर्यीकरण का लक्ष्य हर हाल में पूरा होना चाहिए।

वहीं सहायक निदेशक, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, सहायक निदेशक शस्य (प्रक्षेत्र) पदाधिकारी एवं सहायक निदेशक रसायन पदाधिकारी के महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित रहने पर डीएम ने नाराजगी जताई। जल जीवन हरियाली के तहत कार्य में कोई प्रगति नहीं होने एवं अपने कार्य में अभिरुचि नहीं लेने के कारण जिला पदाधिकारी द्वारा इन अधिकारियों से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। सहायक परियोजना अभियंता, ब्रेडा को कार्य में प्रगति नहीं प्राप्त करने के कारण स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। सहायक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल बक्सर को सार्वजनिक तालाबों के जीर्णोद्धार एवं चैकडेम निर्माण कार्य में प्रगति नहीं प्राप्त करने के कारण स्पष्टीकरण करते हुए वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया गया।

मुआवजा के लिए आयोजित कैंप का किसान करेंगे बहिष्कार

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निर्माण हो रहे 1320 मेगावाट बक्सर विद्युत तापगृह परियोजना में जरूरी रेल कॉरिडोर व वाटर पाइप लाइन के भू-अधिग्रहण हेतु मुआवजे को लेकर प्रशासन द्वारा 4 व 5 जुलाई को चौसा एमसी कालेज में कैम्प लगाया जा रहा है। इधर, किसान मोर्चा भी कैम्प के बहिष्कार करने के लिए तैयारी की जा रही है। इसी को लेकर मंगलवार को चौसा के न्यायीपुर में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रभावित क्षेत्र के किसानों के साथ बैठक की गई।

जिसमें किसानों ने एकमत हो कैम्प का बहिष्कार करने की ठान ली है। किसान नेता दिनेश सिंह ने कहा कि जिस मुआवजे के हक के लिए लड़ाई लड़ रहे है, जिनपर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक पीटाई की गई। जहा किसानों के साथ अन्याय किया गया। मुआवजे की रकम भी जस की तस है, ऐसे में किस हक से किसान मुआवजा लेंगे? पहले तो प्रशासन किस आधार पर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। अब तो रीजम भी बदल गया है। जहां पहले

आर एन्ड आर में सांसद अश्वनी चौबे थे अब सुधाकर सिंह है, वही, किसानों के ऊपर लाठीचार्ज किये गए अभी तक कई किसान जेल में बंद है तथा दो से ढाई सौ किसानों के ऊपर अज्ञात प्राथमिकी दर्ज है। ऐसे में कौन से किसान मुआवजा लेने आएंगे। उन्होंने कहा कि बेशर्त किसानों को रिहाई किया जाय, अज्ञात प्राथमिकी को हटाया जाए तथा उन अधिकारियों व पुलिस पर केस दर्ज हो।

जबकि, किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कहा बहुत सारे किसान जेल में है व कुछ घर छोड़ भागे हुए है, बचे हुए जो किसान है वे कैम्प में नही जायेंगे, इसके लिए हमलोग घर-घर जाकर किसानों को सचेत करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों को न्याय नही मिलेगा, बेशर्त किसान रिहा नही होगा, पुलिस द्वारा किसानों के घरों में जो क्षति की गई है उसका मुआवजा नही मिलेगा तब तक हम किसी से वार्ता नही करेंगे। उन्होंने कहा कि रेल कॉरिडोर एनएच निर्माण व वाटर पाइप लाइन में जो सरकार का नाजायज पैसा खर्च किया जा रहा इस पर संसद व विधानसभा में ये सवाल खड़ा किये जायेंगे।

सामाजिक सुरक्षा के डाटा एंट्री ऑपरेटर के साथ एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

योजनाओं के कार्यान्वयन में गति लाएं: डीडीसी

केटी न्यूज/बक्सर

डीआरसीसी भवन बक्सर में डीडीसी डॉ महेंद्र पाल की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला के सभी बीडीओ, पंचायत सचिव, विकास मित्र एवं पंचायतों के कार्यपालक सहायक डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा सामाजिक सुरक्षा के डाटा एंट्री ऑपरेटर के साथ एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान सभी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। तथा इन

योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पात्र व्यक्ति तक उपलब्ध कराने में आ रही कठिनाइयों का समाधान किया गया। विशेष रूप से कबीर अंत्येष्टि और टेस्ट अनुदान योजना का लाभ बीपीएल परिवार के किसी भी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को दिया जाता है, इसमें विभाग द्वारा संशोधन कर प्रक्रिया को और सरल बना दिया गया है। संशोधित प्रक्रिया के बारे में जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही सभी योजनाओं में त्वरित गति लाने का सुझाव दिया गया। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा संचालित संबल योजना अंतर्गत वैसे दिव्यांगजन जिनकी चलंत दिव्यांगता 60 प्रतिशत हो परंतु कमर के ऊपर ठीक-ठाक हो उन्हें मोटराइज्ड ट्राई साइकिल देने का प्रावधान है। जिसे जांच प्रतिवेदन पंचायत सचिव द्वारा बीडीओ के माध्यम से जिला दिव्यांग जन कार्यालय में उपलब्ध कराया जाता है। इस संबंध में आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया तथा निष्पादन में गति लाने का सुझाव दिया गया।

मोटर ट्राई साइकिल के लिए 31 लाभुकों का चयन

बक्सर। बुधवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में संबल योजना अंतर्गत मोटर ट्राई साईकिल वितरण के लिए दिव्यांग पात्र लाभुकों का चयन हेतु स्क्रीनिंग समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में प्राप्त कुल 39 आवेदनों पर विचार विमर्श करते हुए 31 लाभुकों का चयन मोटर ट्राई साईकिल के लिए किया गया। बता दें कि वैसे चंलत दिव्यांगजन जिनकी दिव्यांगता 60 प्रतिशत से अधिक है वे समाज कल्याण विभाग की बेवसाईट पर ऑनलाईन आवेदन करके योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। चयनित लाभुकों को मोटर ट्राई साइकिल वितरित करने के लिए जल्दी ही शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पेड़ गिरने से परिचालन व बिजली आपूर्ति बाधित

बक्सर। बुधवार की दोपहर शहर के पीपरपाती रोड रामरेखा घाट के समीप सड़क पर एक पेड़ गिर गया। इससे करीब दो घंटे तक परिचालन बाधित रहा, वही इस इलाके की बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। स्थानीय निवासी युवा नेता विवेक सिंह ने इसकी सूचना सदर सीओ प्रशांत शांडिल्य को दिया। मौके पर पहुंचकर सीओ ने जैसे तैसे पेड़ को हटवा आवागमन चालू कराया। इस दौरान सदर सीओ के द्वारा वन विभाग को पेड़ हटवाने की सूचना फोन के माध्यम से देने का प्रयास किया गया लेकिन वन के अधिकारियों सीओ का फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। खबर लिखने तक पेड़ वन विभाग के द्वारा नहीं हटाया गया था। उससे कभी दुर्घटना हो सकती है। वहीं दो घंटे बाद विद्युत सेवा चालू कर दिया गया।

नगर परिषद क्षेत्र में जगह जगह जलजमाव से बढ़ी लोगों की परेशानी, प्रबंधन मौन

स्टेशन रोड मुख्य सड़क से लेकर आधा दर्जन कॉलोनियों में जलजमाव, रास्ता हुआ अवरूद्ध

♦ **बोली चेयरमैन... रेलवे क्रासिंग से ट्रेनिंग स्कूल तक एनएच-120, इस पर नगर परिषद काम नहीं लगा सकता है**

केटी न्यूज/डुमरांव

मौसम की पहली बारिश ने नगर परिषद की सफाई की पोल खोलकर रख दिया है। कई स्थानों पर कूड़े का अंबार लगा है तो कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। नगर के मुख्य सड़क से लेकर संपर्क सड़कों में बरसात का पानी जमा हो गया है। सबसे अधिक परेशानी मुख्य सड़क स्टेशन रोड में ट्रेनिंग स्कूल से लेकर रेलवे स्टेशन और विष्णु मंदिर से लेकर रेलवे क्रासिंग तक रोड पर जगह-जगह सड़क पर गड्ढा हो जाने से पानी जमा हो गया है। पानी जमा होने से गड्ढे का पता ही नहीं चलता है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि नगर की सड़कों की स्थिति क्या है।

रेलवे क्रासिंग से विष्णु मंदिर तक सड़क गड्ढा में तब्दिल-डुमरांव रेलवे स्टेशन से डुमरांव शहर में आना हो या विष्णु मंदिर से होकर बाईपास रोड से होकर रेलवे क्रासिंग तक जाना हो भयंकर गडढा उभर आए हैं। इन गड्ढो में प्रतिदिन वाहन फंसते हैं या पलट जाते हैं। इसको बनाने के लिए पांच साल से कोई पहल नहीं की जा रही है, जिससे गड्ढों का दायरा बढ़ता जा रहा है।

विष्णु मंदिर से ट्रेनिंग स्कूल तक दर्जनों गड्ढे मौजूद : नगर के विष्णु मंदिर से शहर में आने के लिए भी स्टेशन रोड का सहारा लिया जाता है। इस सड़क में बाइपास रोड मोड़, लालगंज कड़बी, महरौरा मोड़, व्यापार मंडल कार्यालय, शीला सिनेमा से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक रोड पर जलजमाव से पैदल चलना मुश्किल हो गया है। वहीं शरह के भीतर पुराना थाना रोड, लालाटोली रोड, शहीद पार्क के पास जलजमाव से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। नई कॉलोनियों में डीके कॉलेज रोड की सामने वाली गली में भी काफी जलजमाव हो गया है। जलजमाव से पैदल चलने वालों को पानी से होकर ही गुजरना पड़ेगा। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बच्चों के साथ होती है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है जलमाव से नगर की स्थिति कितनी नारकीय बनी हुई है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि रेलवे क्रासिंग से ट्रेनिंग स्कूल तक एनएच-120 रोड पड़ता है। इस पर नगर परिषद काम नहीं लगा सकता है। इसके लिए एनएच एजेंसी को लिखा गया है। शहर में जो जलजमाव की स्थिति है, उसे सर्वे कराया जा रहा है, शीघ्र ही उसे ठीक करा दिया जाएगा।

@केसठ : बारिश के बाद पुराना बाजार रोड झील में तब्दील

केसठ। दो दिन से हो रही लगातार बारिश ने केसठ के सड़को को झील में तब्दील कर दिया है। बुधवार की सुबह से शुरू हुई बारिश प्रखंड के विभिन्न मुहल्ला जलमग्न हो गया है। मुख्य बजार से केसठ पुराना बजार जाने वाला मार्ग बारिश के पानी में डूब गया है। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुरा बाजार क्षेत्र इन दिनों झील सा दिख रहा है। दरअसल, मुख्य बाजार से पुराना बजार के रास्ते के दोनों किनारे नाला बना है। जिसकी लंबे अरसे से उड़ाही नहीं हुई है। इस बीच बारिश होने से पानी सड़क पर पसर गया और अब इसका निकास नहीं हो पा रहा है। जल जमाव से अब दुर्गंध निकलना शुरू हो गया है और बीमारी फैलने का खतरा मंडराने लगा है। खास बात यह है कि प्रत्येक वर्ष राजस्व गावों की साफ-सफाई के लिए दस हजार रुपये की राशि आती है, लेकिन उसका कहीं उपयोग नहीं दिखता। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत निकाय जल निकासी को लेकर जरा भी सजग नहीं है। इसी वजह से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सूचना के बाद मुखिया ने कराई नाली की सफाई : दो दिन से हो रहे झमाझम बारिश के कारण पुराना बाजार के मुख्य सड़क पर जलजमाव से बैंक कर्मी, डाक कर्मी सहित छात्र छात्राएं को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा था। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान से की जिसे बाद मुखिया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय बारी को नाली की सफाई कराने को ले निर्देश दिया। निर्देश के बाद स्वच्छता कर्मियों ने मुख्य नाली का सफाई की, घंटों बाद लोगों जलजमाव से निजात मिली।

एक नजर

सड़क पर उभरे गड्ढे में पलटी ई-रिक्शा

डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज पथ गड्ढों में तब्दील हो गया है। खासकर शहरी क्षेत्र में पश्चिमी रेलवे क्रासिंग से लंगटू महादेव मंदिर तक करीब तीन किलोमीटर तक यह सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिस कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है। बुधवार को भी सुबह में स्टेशन बाईपास रोड में विष्णु मंदिर के पीछे उभरे गड्ढें में एक ई-रिक्शा पलट गया। उक्त ई-रिक्शा पर सब्जी लदा था तथा उस पर चालक के अलावे मात्र दो सब्जी विक्रेता बैठे थे। जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन ई-रिक्शा पलटने से हजारों रूपए मूल्य की सब्जी सड़क पर गिर खराब जरूर हो गई। जानकारी के अनुसार उक्त जगह पर लंबे समय से जलजमाव हो गया है। स्थानीय निवासी सोनू वर्मा ने बताया कि हर घर नल योजना के फटे पाइप के कारण इस जगह पर पिछले तीन चार महीने से जलजमाव हुआ है। जिस कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढें बन आए है। उन गड्ढों में जलजमाव के कारण ई-रिक्शा चालक को इसका पता नहीं चला और दुर्घटना का शिकार हो गया। वही बाईपास रोड के बुलेट यादव की मानें तो यहा अक्सर ऐसी दुर्घटनाएं होती है। हालांकि चालक तथा उसमें सवार लोगों के जख्मी नहीं होने से एक बड़ा हादसा टल गया। गौरतल है कि स्टेशन बाईपास रोड के अलावे मेन रोड में भी जतकुटवा बस्ती के पास फटे पाइप के कारण जलजमाव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फाइनेंस कर्मी से लूट, जांच में जुटी पुलिस

डुमरांव। अनुमंडल इलाके में अपराधियों की सक्रियता बढ़ गई है। मंगलवार की शाम बेखौफ लूटरो ने चक्की डुमरी पथ पर स्थित पेट्रोल पंप के पास से एक फाइनेंस कंपनी के कर्मी से हजारों रुपए की लूट कर ली है। यह घटना भरियार (चक्की) ओपी क्षेत्र की है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। हालांकि पीड़ित फाइनेंस कर्मी द्वारा बुधवार के दोपहर तक एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया था। डुमराव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ऐसी शिकायत मिली है, मामले की जांच की जा रही है। बता दे कि अभी 4 दिन पहले ही उक्त ओपी के नए प्रभारी के रूप में संजय पासवान ने योगदान किया है। नए थानेदार के आते ही अपराधियों ने उन्हें खुली चुनौती दे डाली है। हालाकि डीएसपी ने प्रथम दृष्टया मामले को संदेहास्पद बताते हुए कहा कि अभी जांच की जा रही है। पूरी जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि घटना अगर सही है तो उसमें शामिल लुटेरों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

जर्जर हुआ सुमित्रा कॉलेज पथ, लोग परेशान

डुमरांव। नगर के एकमात्र महिला कॉलेज सुमित्रा महिला कॉलेज जाने वाला रास्ता काफी जर्जर हो गया है। इस पथ पर जलजमाव, कीचड़ तथा गड्ढों से छात्राओं को कॉलेज आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि इसी पथ से इंटर कॉलेज, प्रसिद्ध जंगलीनाथ शिव मंदिर के अलावे कई शिक्षण संस्थान व अस्पताल जुड़े है। इसके अलावे डुमरांव के पूर्वी रेलवे क्रासिंग से बड़ा बाग होते हुए यह सड़क राज हाई स्कूल के पास एनएच 120 को जोड़ती है। जिससे नया भोजपुर तथा उस तरफ के दर्जनों गांव के लोगों के लिए यह सड़क काफी उपयोगी साबित होती है। लेकिन सड़क खराब होने से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी जैनुल होदा, सिपू सिंह, अनिल सिंह आदि ने नगर परिषद के ईओ तथा एसडीओ राकेश कुमार से इस पथ के मरम्मत कराने की मांग की है।

बक्सर में शीघ्र होगी जलनिकासी

बक्सर। पहली बरसात में ही शहर के कई हिस्सों में जलजमाव की समस्या हो गई है। इस समस्या से निजात दिलाने की कवायदे शुरू हो गई है। बुधवार को जल निकासी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार मिश्र, कार्यपालक पदाधिकारी आशुतोष कुमार, चेयरमैन प्रतिनिधि नियमतुला फरीदी और सशक्त समिति के सदस्यों बबन सिंह, राजू राय, वार्ड पार्षद दीपक सिंह और राहुल सिंह आदि ने जलजमाव वाले इलाके का जायजा लिए तथा शीघ्र जलनिकासी कराने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों के इस पहल के बाद उममीद जगी है कि बक्सर में शीघ्र जलनिकासी का काम होगा। गौरतलब है कि पहली बरसात में ही शहर के कई हिस्सों में जलजमाव व कीचड़ से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में बिजली कटौती से बढ़ी परेशानी

बक्सर। पिछले तीन दिनों से हो रही बरसात से ग्रामीण इलाकों की बिजली आपूर्ति बूरी तरह से प्रभावित हुई है। कई गांवों में पूरे दिन या पूरी रात बिजली गुली रह रही है। जिस कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार बारिश के दौरान कई जगहों पर बिजली के उपकरणों तथा ट्रांसफार्मरों में खराबी आ रही है। जिस कारण आपूर्ति ठप हो रही है। सबसे अधिक परेशानी केसठ, नावानगर आदि प्रखंडों में देखने को मिल रही है। अभी बुधवार को ही ब्रेक डाउन के चलते केसठ व नावानगर के कई हिस्सों में पूरे दिन आपूर्ति ठप हो गई थी।

पति से विवाद के बाद विवाहिता ने फांसी लगा की आत्महत्या

केटी न्यूज/बक्सर

औद्योगिक थाना क्षेत्र के पड़री गांव में एक विवाहिता ने अपने पति से विवाद के बाद फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी चौकीदार द्वारा पुलिस को दी गई। जहा पुलिस पहुंच कमरे का दरवाजा खोल पंखे में लगे फंदे से विवाहिता का शव उतारा, मामले की जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। हालांकि, इस मामले में किसी के द्वारा कोई आवेदन नही दिया गया है। बताया जाता है मृतका औद्योगिक थाना क्षेत्र के पड़री निवासी पिंटू शर्मा की पत्नी 24 वर्षीय अनिता देवी है। जिसने फोन पर पति से विवाद के बाद यह कदम उठाया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पिंटू शर्मा की शादी 2020 में धनसोई थाना क्षेत्र के इनापुर गांव निवासी जयराम शर्मा की बेटी अनीता देवी के साथ हुई थी। मायके और ससुराल दोनों पक्ष के लोगों ने कहा कि पति-पत्नी में अक्सर छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ते रहते थे। हालांकि, बड़े बुजुर्ग दोनो को हमेशा समझाते थे। मृतिका अनीता देवी की एक दो साल की छोटी बच्ची भी थी, जिसको वह पीट रही थी। सास तेतरा देवी द्वारा पिटने से मना किया गया तो वह कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद करने के बाद फांसी लगा ली। सास द्वारा बताया गया की कुछ देर बाद दरवाजा खुलवाने के लिए पहुंची तो गेट के दरार से देखी तो अवाक रह गई। वह पंखे से लटक रही थी। इस बात की सूचना उसके मायके वालों को भी दी गई। इस बात की जानकारी होने पर गांव के चौकीदार अक्षय कुमार यादव द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस पहुंच जहा पहले दरवाजा खोला उसके बाद शव को पंखे से उतारा गया। इस सम्बंध में पूछताछ की गई तो बताया गया की फोन पर किसी बात को लेकर अनिता की पति से विवाद हुआ था जिसकी खीज वह अपनी दो साल बेटी को पीट कर निकाल रही थी। जिसको लेकर सास तेतरी देवी ने मना किया तो महिला ने ये कदम उठा लिया।

आत्महत्या की देती रहती थी धमकी : ससुराल वालों के अनुसार विवाहिता पहले भी कई बार परिजनो को फांसी लगा आत्महत्या की धमकी देती रहती थी। विवाहिता के पिता ने बताया की अक्सर पति-पत्नी के बीच झगड़े हुआ करते थे।

जबकि, घटना की जानकारी पर पहुंची विवाहिता की मां उषा देवी द्वारा सास ससुर पर कोई आरोप नही लगा गया लेकिन, उषा देवी ने बताया की बेटी का पति के साथ अक्सर झगड़ा होता था। पति द्वारा गाली देने की बात हमेशा कहती थी। सास ससुर बेटी को मायके भेजने के लिए तैयार थे लेकिन पति नही जाने देता था।

औद्योगिक थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।इस मामले में किसी के द्वारा कोई आवेदन नही दिया गया है।आवेदन मिलने पर आगे की करवाई की जाएगी।

किसानों को मिल रही आधुनिक खेती की जानकारी

केसठ/चौगाई

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वावधान में बुधवार को केसठ प्रखंड अंतर्गत कतिकनार पंचायत के दंगौली गांव में तथा चौगाई प्रखंड के मसर्हिया व नचाप पंचायत में खरीफ किसान चौपाल का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता केसठ में प्रखंड कृषि समन्वयक हरिशचंद्र पासवान व प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ. प्रफुल्ल कुमार द्वारा किया गया।

मौके पर किसान सलाहकार अमरेंद्र प्रसाद, रितेश कुमार आदि मौजूद थे। वही चौगाई प्रखंड अंतर्गत दोनों पंचायत में कार्यक्रम की अध्यक्षता

प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक ब्रजेश शर्मा ने किया। मौके पर प्रखंड कृषि समन्वयक श्याम सुंदर सिंह, लेखपाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार अवधेश सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में किसानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान किसानों को कृषि विभाग से उपस्थित लोगों द्वारा कृषि से संबंधित कई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा खरीफ मौसम में लगाए जाने वाले फसलों में कीट व्याधि का नियंत्रण एवं इसमें लगने वाले प्रकोप को कम करने का उपाय बताया गया। विशेष रूप से किसानों के बीच मोटे अनाज पर जोर दिया गया। साथ ही वैज्ञानिक तरीके से खेती जैसे सब्जी की खेती, मोटे अनाज की खेती करने का सलाह दी गई। साथ ही किसानों को बीज टीकाकरण के बारे में भी अवगत करा गई। बीज हम कैसे उपचारित करें और इससे क्या लाभ है जिसके बारे में विस्तार से बताया गया।

बेटियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलंबन में सहायक

मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना बेटियों के लिए बन रहा वरदान

केटी न्यूज/डुमरांव

राज्य सरकार द्वारा बालिकाओं के संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वालंबन पर अधारित मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, कन्याओं के जन्म निबंधन एवं संपूर्ण टीकाकरण को प्रोत्साहित करना, लिंग अनुपात वृद्धि लाना, बालिका शिशु मृत्यु दर का कम कराना, बालिका शिक्षा का बढ़ावा देना, बाल विवहा पर अंकुश लगाना तथा कुल प्रजनन दर में कमी लाना है। यह योजना बालिकाओं को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने, सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने का अवसर प्रदान करने तथा परिवार एवं समाज में उनके आर्थिक योगदान को बढ़ाने में सहायक होगी।

स्थानीय पीएचसी में सभी एएनएम, आशा और सेविकाओं को यह टास्क दिया गया है कि इस पर निगरानी रखते हुए सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधा को परिवार

के लोगों को जानकारी दें। इस योजना के तहत कन्य के जन्म पर 2 हजार, कन्या के एक वर्ष पूर्ण होने पर और पंजियन कराने पर 1 हजार, कन्या के दो वर्ष पूर्ण होने पर टीकाकरण उपरांत 2 हजार एवं प्रतिवर्ष वर्ग एक से दो के पोषाक के लिए 6 सौ रूपए, वर्ग तीन से पांच के लिए प्रतिवर्ष पोशाक के लिए 1 हजार रुपए, 9 से 12 वर्ग में पढ़ने वाली कन्याओं के लिए पोषाक के लिए 15 सौ रूपए, अविवाहित रहते हुए इंटरमीडियट उत्तीर्ण करने पर 10 हजार रूपए एवं स्नातक उत्तीर्ण करने पर 25 हजार रुपए कन्या उत्थान योजना के तहत देय होता है। इतना ही नहीं वर्ग 7 से 12 में पढ़ने वाली कन्याओं को किशोरी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत सेनेटरी नैपकीन हेतु देय है। इन योजना के लागू होने से बच्चियों को पढ़ने के लिए काफी कारगर साबित हो रहा है। शहर को छोड़ दिया जाए तो गांव-गांव से पगडंडियों के सहारे बच्चियां पढ़ने के लिए स्कूल और कॉलेज में पहुंच रही हैं। बच्चियों को पढ़ाने में अभिभावकों पर भी कोई बोझ नहीं पड़ रहा है। लिहाजा बच्चियों को पढ़ाने में भी परिवार का सहयोग काफी मिल रहा है।

योजना का लाभ लेने के लिए यहां करें आवेदन : बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि योजना का लाभ पाने के लिए आधिकारिक वेबसाइटपर जा कर (https://med-hasoft.bih.nic.in/) ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिसमें उन्हें जरूरी कागजात अपलोड करने के बाद आवेदन को सबमिट करना होगा। जिसके बाद विभाग उक्त आवेदन की जांच कर अग्रेतर कार्यवाही करेगा।

चौसा थर्मल पावर प्लांट के नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने विकास शर्मा

बक्सर। चौसा के निमार्णाधीन 1320 मेगावाट थर्मल पावर प्लांट के नये सीइओ विकास शर्मा होंगे। बुधवार को उन्होंने कंपनी के सीइओ के पद पर पदभार ग्रहण किया। वे सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट है तथा उनके पास 30 वर्षों का गहरा अनुभव है। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं में अलग-अलग कार्य को बखूबी पूरा किये है। वे अपने कैरियर की शुरूआत इटली की एक बहुद्देशीय कंपनी से किये थे। इनका कार्य अनुभव विभिन्न निजी बहुदेशीय तथा सरकारी उपक्रम में रहा है। श्री शर्मा अपने 30 वर्ष के लम्बे कार्य काल में भारत के कई हाईड्रो परियोजना, पम्प स्टोरेज परियोजना, 690 मेगावाट की आइस लैंड व एसजेवीएन के कारपोरेट मुख्यालय का निर्माण कार्य कराया है। 1320 मेगावाट के चौसा थर्मल पावर परियोजना के सीइओ के पद पर नियुक्ति के पूर्व ये एसजेवीएन के ही नेपाल स्थित 900 मेगावाट की अरुन-3 परियोजना में मुख्य अभियन्ता, सिविल के पद पर कार्यरत थे। पूर्व में एसजेवीएन प्रबंधन में अपनी परियोजनाओं के निष्पादन कार्य को गति प्रदान करने के लिए विशेष टास्क फोर्स के प्रमुख की जिम्मेदारी भी सौंपी है।

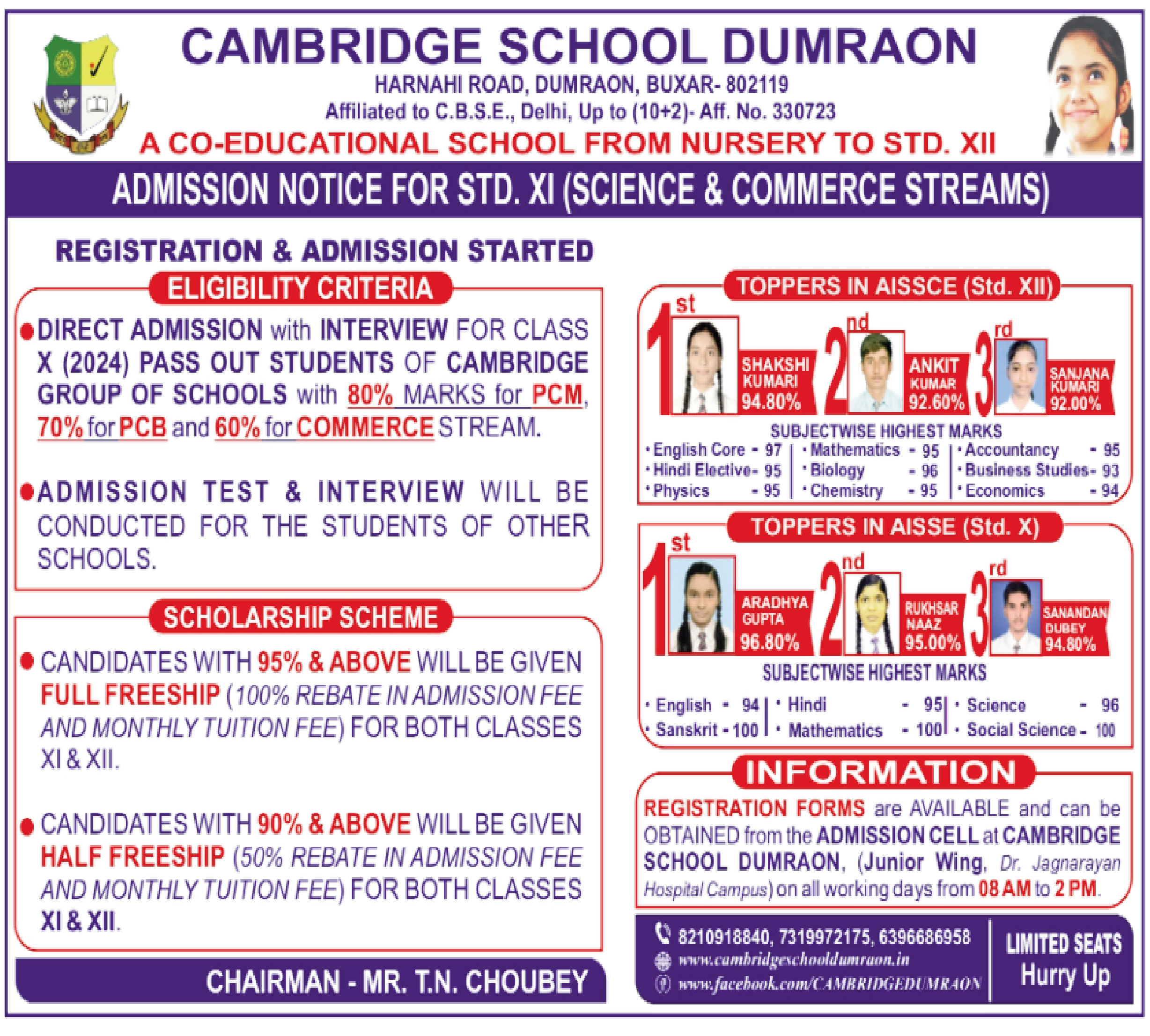

जमीन किसकी है, इसके लिए बिहार में भूमि सर्वेक्षण कार्य हुआ शुरूः अशोक

♦ जमीन को लेकर झगड़ा के चलते विवाद और हत्याएं होती है। लगभग 60 प्रतिशत मामला इससे जुड़ा होता है

केटी न्यूज/जहानाबाद

मुख्यमंत्री, बिहार सरकार नीतीश कुमार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोवस्त पदाधिकारी, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं विशेष सर्वेक्षण अमीन के पदों पर चयनित कुल 9,888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया। जिसका लाईव टेलिकास्ट के माध्यम से पूरे बिहार हेतु शुभारंभ किया गया। सभी जिलों में भी नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार सरकार -सह- प्रभारी मंत्री, जहानाबाद अशोक चौधरी ने जहानाबाद में पदस्थापित पदों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोवस्त पदाधिकारी, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं

विशेष सर्वेक्षण अमीन के पदों पर चयनित कुल 93 में 77 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। जिसमें जहानाबद जिले में विशेष सर्वेक्षण बंदोवस्त पदाधिकारी के पद पर 02 में 01 को, विशेष सर्वेक्षण सहायक कानूनगो के पद पर 09 से 06 को, विशेष सर्वेक्षण सहायक अमीन 82 में 70 को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री अशोक चौधरी, जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे, विधान परिषद प्रमोद कुमार, विधायक, कुमार कृष्ण मोहन एवं बंदोवस्त पदाधिकारी उपेन्द्र प्रसाद ने नगर भवन में दीप प्रज्जवलि कर किया गया। उन्होंने बताया कि सभी जगह जमीन का झगड़ा होता है, जमीन को लेकर झगड़ा के चलते विवाद और हत्याएं होती है। लगभग 60 प्रतिशत मामला इससे जुड़ा होता है। जमीन से संबंधित विवाद खत्म हो, एक-एक चीज तय हो जाए, कि यह जमीन किसकी है,इसके लिए बिहार में भूमि सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है। वर्ष 2013 में ऐरियल फोटोग्राफी का काम शुरू किया गया था। जमीन विवाद समाप्त करने के लिए नवनियुक्त कर्मी मन लगाकर सर्वेक्षण कार्य को तेजी से पूर्ण करें। जिला पदाधिकारी द्वारा भी अभ्यर्थियों को शुभकामना दिया गया तथा नवनियुक्त अभ्यर्थियों से उम्मीद है कि मन लगाकर सर्वेक्षण कार्य को तेजी से पूर्ण करेंगे। उन्होंने नवनियुक्त कर्मियों को अपने कार्यो का निष्पादन बेहतर ढंग से करते हुए तेजी के साथ पूर्ण करने का अपील किया। उक्त अवसर पर मंत्री समेत जिले के कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

एक नजर

पुलिस ने काटा 31 हजार रुपये का चालान

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में वाहन चालकों से काटा ऑनलाइन चालान। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के थाना चौक एवं नटवार रोड में पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में सघन रूप से तलाशी ली । ललन कुमार ने कहा कि वाहन जांच के क्रम में पुलिस पदाधिकारी के द्वारा करीब 31 हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटा गया। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, ऑनर बुक सहित अन्य बिंदुओं पर जांच की गई। उन्होंने बताया कि वाहन जांच की प्रक्रिया निरंतर चलते रहेगा ।

उत्तर प्रदेश का वारंटी गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि साकिम व थाना दिनारा निवासी नीरज कुमार सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय वाराणसी उत्तर प्रदेश से वारंट निर्गत था।

अलग-अलग कांडों के दो अभियुक्त गिरफ्तार

काराकाट। काराकाट पुलिस ने अलग-अलग कांडों के दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के पड़सर निवासी बिंटू सिंह उर्फ त्रिलोकी सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने थाना क्षेत्र के नाद गांव निवासी नवीन कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में मामला दर्ज था ।

मंत्री जयंत कुशवाहा ने बांटा नियोजन पत्र

सासाराम। सासाराम मल्टीपरपस हॉल में जिला प्रभारी मंत्री जयंत कुमार कुशवाहा ने 478 लोगों को नियोजन पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि विशेष सर्वेक्षण सहायक पदाधिकारी, विशेष सर्वेक्षण लिपिक तथा विशेष सर्वेक्षण अमीन के पद के लिए यह नियोजन पत्र सौंपा गया।उन्होंने बताया कि इससे भूमि संबंधित मामले निपटने में तेजी होगी। बताया गया कि सासाराम मल्टीपरपस हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन कर 478 लोगों को नियोजन पत्र राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के बैनर तले दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिला प्रभारी मंत्री जयंत कुमार कुशवाहा ने की। नियोजन पत्र वितरण के बाद प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों को नौकरी देने का वादा किया है। वह नौकरी दिया जा रहा है। आगे भी नौकरी देने का प्रक्रिया जारी है। रोहतास में भू-सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त संबंधित कार्य हेतु कर्मियों के सहायक बन्दोबस्त पदाधिकारी-कानूनगों-लिपिक एवं अमीन की कुल संख्या 478 कुल 478 कर्मियों के विरूद्ध 429 कर्मी द्वारा योगदान किया गया। सहायक बन्दोबस्त पदाधिकारी कुल 14 में 11 योगदान दिये है। कानूनगो कुल 29 में 25 योगदान दिये है। लिपिक कुल 33 में 30 योगदान दिये है। अमीन कुल 402 में 363 योगदान दिये है।

हमें पर्यावरण को बचाना होगा, तभी जीवन बचेगा: पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह

आरा। पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री सह पूर्व सांसद आरके सिंह बुधवार को आरा पहुंचे। यहां विभिन्न कार्यक्रमों में वह शामिल हुए। सबसे पहले उन्होंने ऐतिहासिक पतालेश्वर मंदिर में जाकर दर्शन पूजन किया। इसके बाद जेल रोड स्थित जोड़ा मंदिर परिसर में पांच पेड़ लगाए साथ ही रमना मैदान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। उक्त अवसर पर पूर्व मंत्री ने कहा कि आज विश्व ग्लोबल वार्मिग से जूझ रहा है। विगत महीने में पड़ी भीषण गर्मी उसी का परिणाम था। हमें पर्यावरण को बचाना होगा, तभी जीवन बचेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान चल रहा है। उस अभियान से जुड़कर समस्त लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए आगे आना होगा। पर्यावरण की रक्षा तभी होगी जब पेड़ बचेंगे। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना होगा। उन्होने आगे कहा कि भोजपुर की जनता से हमें बहुत प्रेम है। मैं हमेशा यहां अपनों के बीच रहूंगा। जो विकास कार्य रूका है, उसे पूर्ण करने की कोशिश करूंगा और जनता के सुख-दुख मे भागी बनूंगा।पूर्व केन्द्रीय मंत्री संदेश प्रखंड के नसरतपुर में विगत दिन हुए संजय सिंह के पुत्र की हत्या पर शोक संतृप्त परिवार से मिलकर सांत्वना दी है।

पानी की कमी से सिंचाई की व्यवस्था हो रही धूमिल: भाकपा

डेहरी। भाकपा माले जिला सचिव अशोक बैठा द्वारा एक आवेदन जिला अधिकारी और अनुमंडल अधिकारी को कार्यालय में सूचनार्थ दिया गया। जो कैमूर पहाड़ी वन क्षेत्र में रहने वाले जीव जंतु जानवर और पंछियों को इस भीषण गर्मी में वन विभाग द्वारा पानी की व्यवस्था सीमेंट टंकी कहीं नहीं बनाया गया न उसमें पानी की व्यवस्था किया गया। जिसके चलते बहुत सारे पंछी और वन जीव जानवर पानी के अभाव में मर गए । कुछ पहाड़ और जंगल से नीचे गांव के तरफ आकर किसानों की फसल को नुकसान कर रहे हैं। वन विभाग अपने वन के छोटे पौधों को भी इस भीषण गर्मी में पानी से सिंचाई की व्यवस्था नहीं किया जिसके चलते लाखों पेड़ छोटे पौधे सूख गए वन विभाग और वन पुलिस के मात्र एक ही कार्य है वन मेरा रहे आदिवासियों को तंग करना और उस पर झूठे मुकदमा लाद कर जेल भेजना उसकी तंगी साइकिल छीनकर मारपीट करना वन अधिनियम 2006 कानून के तहत आदिवासियों को वन में रहने वाले अधिकार प्राप्त है। महुआ प्यार और वन उत्पाद चुन कर बेचने का अधिकार प्राप्त है। उसके बावजूद भी वन अधिकारी और पुलिस द्वारा आदिवासियों के साथ मारपीट और मुकदमा लाद कर जेल भेजने की घटनाएं बढ़ रही है। इस पर रोक लगाने के लिए और वन उत्पाद को बेच देने की छूट देने की मांग तथा इस भीषण गर्मी में वन क्षेत्र में पानी की व्यवस्था और सिंचाई की व्यवस्था नहीं किए जाने के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने की मांग मुख्यमंत्री बिहार सरकार और वन मंत्री सहित कई अधिकारियों को आवेदन जून महीना में दिया गया था जिस पर संज्ञान लेते हुए वन मंत्री प्रेम कुमार दोनों जिला का दौरा किए थे।

गोड़ारी में अंग्रेजों के जमाने का बना फॉल तोड़ा गया था एक वर्ष पहले

पहली बारिश में ही सकला रजवाहा फॉल पर बनी दीवार हुई जमींदोज

♦ सकला रजवाहा में अंग्रेजों के जमाने का बना गोड़ारी में फॉल एक वर्ष पूर्व सिचाईं विभाग के एसडीओ ने तोड़वा दिया था

♦ फॉल तोड़े जाने के बाद दर्जनों किसान अपनी खेती की पटवन करने से हो गये थे वंचित

केटी न्यूज/काराकाट

सकला रजवाहा के गोड़ारी में अंग्रेजों के जमाने का बना फॉल एक साल पहले तोड़ दिया गया था। जिससे सैकडों एकड़ खेतिहर जमीन का पटवन से वंचित हो गया था। फिर उसी गोड़ारी स्थित तोड़ा गया फॉल को अस्थाई रूप से किसान दिवाल का निर्माण कराया गया। ताकि पानी का कुछ रुकावट हो सके। कुछ दिन पहले किसानों ने कुछ पल के लिए राहत की सांस तो ली लेकिन किसने की परेशानी मानों जैसे रुकने का नाम नहीं ले रहा है। तेज रफ्तार की 2 घंटे की वर्षा ने दूसरी तरफ का 25 इंच की दीवाल को जमींदोज कर दिया। एक बार फिर से पूर्व पटवन समस्या गोड़ारी, बुढ़वल, देनरी, कंचनटोला, तेनुआ, कायस्थ बहुआरा सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों के किसानों के सामने आई थी। इस वर्ष भी वहीं समस्या सामने आकर खड़ी हो गई है सकला रजवाहा में अंग्रेजों के जमाने का बना गोड़ारी में फॉल एक वर्ष पूर्व सिचाईं विभाग के एसडीओ ने बिना सोचे समझे जेसीबी से तोड़ दिया गया था। फॉल तोड़े जाने के बाद गोड़ारी गांव के आस-पास दर्जनों गांवों के किसानों की भूमि पटवन से वंचित हो गये थे। फॉल तोड़े जाने के बाद भारी बवाल हुआ था। किसानों ने सड़क जाम कर फॉल बनाने की मांग किया था। काराकाट बीडीओ ने वरीय अधिकारियों से बात कर किसानों को आश्वासन दिया था कि खरीफ व रबी फसल कट जाने के बाद रजवाहा सुख जाने पर फॉल का पुनः निर्माण कराया जाएगा। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद फॉल का निर्माण नहीं किया गया।

किसानों ने बनाया था अस्थायी दीवार

विभागीय उदासीनता को देखते हुये किसान स्वंय खर्च से अस्थाई रूप से पानी के रोक के लिए एक दीवार बनाया। ताकि पटवन की सुविधा मिल सके। किंतु यह भी गवारा नहीं किसानों को मानें तो फिर से फॉल टूट जाने कि समस्या इस कनाल विभाग के एसडीओ का ही है। जिसने एक साल पूर्व किसानों को सैकड़ों एकड़ खेतिहर जमीन का पटवन से वंचित रखने प्रयास में सफलतापूर्वक फॉल पर दोनों तरफ लगे दीवाल को तोड़ कर जमींदोज किया। पहली वर्षा में फॉल टूट जाने से किसानों ने कनाल विभाग के एसडीओ पर क्रोध करते हुए कहा कि सकला राजवाहा पर इस फॉल का महत्व को एसडीओ ने नहीं समझा। कहा कि गोड़ारी मौजा में चार सौ एक-दो, बुढ़वल मौजा में तीन सौ एकड़, देनरी मौजा तीन सौ एकड़, कंचन टोला में डेढ़ सौ एकड़, कायस्थ बहुआरा मौजा में एक सौ , तेनुआ मौजा में 75 एकड़ के करीब खेत पटवन से वंचित होते रहेंगे। गोड़ारी गांव के ऊपरी भाग में जो सिंचिंत भूमि थी फॉल तोड़े जाने से असिंचित हो गई है । किसान सतनारायण तिवारी, अनत तिवारी, प्रभु नारायण उपाध्याय, लालबिहारी तिवारी, वकील मियां, महमजान मियां, मुस्तकीम अंसारी, रामकिशोर ठाकुर, कपूरी ठाकुर व अन्य।

झमाझम बारिश से लोगों को मिली गर्मी से राहत

बिक्रमगंज। झमाझम बारिश से सभी प्रखंडों के लोगों को जहां गर्मी से राहत मिली वहीं प्रचुर मात्रा में बारिश होने से किसानों के चेहरे खिल उठे। मालूम हो कि बारिश नहीं होने की वजह से एक तो गर्मी से लोग परेशान थे तो वहीं दूसरी ओर किसानों का कृषि कार्य बाधित हो गया था। खेत में नमी नहीं रहने की वजह से किसान उसकी जुताई नहीं कर पा रहे थे। लेकिन सोमवार को हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है तो वही खेतों में पानी भरने से किसानों को कृषि कार्य करने में सहूलियत होगी। बारिश होने के बाद किसान अपने धान के बिचड़ा में उर्वरक का छिड़काव कर रहे हैं ताकि उनका धान का बिचड़ा जल्द से जल्द तैयार हो सके।

नए कानून से देश में कहीं भी दर्ज करा सकेंगे एफआइआर

रोहतास। सत्र 2024 के 1 जुलाई से विभिन्न थानों में नए कानून प्रभावशील हो जाएंगे। घटित अपराधों में नवीन धाराओं के तहत एफआईआर लिखी जाएगी। सुविधा यह दी गई है कि अब कोई भी व्यक्ति देश के किसी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज करा सकेगा। गैंगरेप के अपराध में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान किया है। नए कानून को लेकर थाना प्रभारी से लेकर डीएसपी को बदलाव के संबंध में विस्तार से समझाया गया। अपराधी को समाज सेवा से जुड़ी सजा सुना सकता है कोर्ट इस संबंध में एसडीपीओ कंचन राज ने बैठक के दौरान जागरुक करते हुए शहर के गणमान्य लोगों को बताया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम-1872 की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 नया कानून होगा। नए कानून में 170 धाराएं हैं जबकि 1872 के कानून में 167 धाराएं थीं। इस कानून के तहत अब अदालत में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल साक्ष्य पेश किए जा सकेंगे। साफ-सफाई वृद्धाश्रम और अस्पताल में सेवा कार्य और पौधारोपण जैसे काम सजा के तौर पर सुनाने का प्रावधान किया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े हिट एंड रन मामले में अब दोषी को 10 साल तक की सजा भुगतनी होगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह लाए जा रहे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43 (3) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा है।

शॉट सर्किट से अगलगी में हजारों की संपत्ति राख

केटी न्यूज/संझौली

संझौली अंचल के चांदी इंग्लिश गांव में बुधवार को दोपहर में शॉर्ट सर्किट से एक खपड़ैल मकान में आग लगने से उसमें रखे अनाज, कपड़ा सहित हजारों रुपये के सामान जलकर राख हो गई। आग लगने की जैसे ही ग्रामीणों को भनक मिली तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। गृह स्वामी किसान सरोज यादव ने बताया कि घर में खेती बाड़ी के लिए रखे नगद रुपये, अनाज व कपड़ा सहित अन्य कई सामान जलकर राख हो गए। पीड़ित की माने तो लाखों रुपए के सामानों की क्षति हुई है । इस संबंध में सीओ किशोर पासवान ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आग लगने की सूचना मिली है । उन्होंने कहा कि आवेदक के द्वारा अंचल कार्यलय में दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर जांच के उपरांत उचित मुआवजा के लिए आपदा विभाग को भेजा जाएगा।

नीतू हत्याकांड का जल्द होगा पदार्फाश, हत्यारे जायेंगे जेल : प्रभारी मंत्री जयंत

केटी न्यूज/सासाराम

रोहतास जिले के इंद्रपुरी थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय नीतू की मौत की गुत्थी अभी सुलझ नहीं पाई है। इधर सासाराम पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री व रोहतास जिला के प्रभारी मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने कहा कि पुलिस हत्या की जल्द पदार्फाश करेगी। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर रोहतास एसपी से बात हुई है और पुलिस जांच में जुटी हुई है और पुलिस जल्द ही इसका पदार्फाश करेगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल सभी अपराधियों को पकड़ा जाएगा। प्रभारी मंत्री जयंत राज ने कहा कि नीतीश कुमार की अगुवाई में सभी को न्याय मिल रहा है और अपराध करने वाले अपराधी पकड़े जा रहे हैं। मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की राज है और यह कानून की राज है। उन्होंने कहा कि अपराध करने वाले अपराधी पकड़े जा रहे हैं और उन पर कार्रवाई भी हो रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के राज में अभी तक कोई ऐसा अपराधी नहीं है जिसने अपराध किया हो और उस पर कार्रवाई नहीं हुई है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रहे हैं और अपराध करने वाले अपराधियों को उनके किए की सजा मिल रही है। इधर संझौली में पुलिस कर्मियों द्वारा डॉक्टर की पिटाई के सवाल को लेकर भी उन्होंने कहा कि इसकी भी जांच की जा रही है।

पुरुष नसबंदी महिला बंध्याकरण से सरल व आसान

ग्रामीण क्षेत्रों के पुरुष नसबंदी करा दे रहे हैं सकारात्मक संदेश

केटी न्यूज/सासाराम

जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर सरकार द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मिशन परिवार विकास अभियान के तहत 27 जून से जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की शुरुआत कर दी गई है। पखवाड़ा की शुरुआत परिवार दंपति संपर्क और जागरूकता रथ के साथ किया गया है। पखवाड़ा के दौरान पुरुष नसबंदी को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए विशेष बल दिया जा रहा है। डीपीसी संजीवी मधुकर ने बताया कि इस परिवार नियोजन पखवाड़ा में महिला बंध्याकरण के साथ पुरुष संबंधी पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला बंध्याकरण की अपेक्षा पुरूष नसबंदी काफी सरल और आसान होता है। इस प्रक्रिया में आधे घंटे का समय लगता है और पुरुष नसबंदी के बाद लाभार्थी को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाती है। उन्होंने बताया कि 4 से 5 दिनों के आराम के बाद पुरुष सामान्य जिंदगी जी सकते हैं। पुरुष नसबंदी में किसी प्रकार का चीड़ फाड़ नहीं होता है, इसलिए पुरुष नसबंदी प्रक्रिया काफी सरल है। संजीव मधुकर ने बताया की पुरुष नसबंदी कराने वाले व्यक्ति को सरकार तीन हजार का प्रोत्साहन राशि भी प्रदान करती है। स्थाई परिवार नियोजन को लेकर पुरुषों में भ्रम देखा जाता है। इस वजह से पुरुष नसबंदी

के लिए आगे नहीं आते हैं और महिलाओं को ही बंध्याकरण के लिए आगे कर देते हैं। परंतु अब पुरुषों की भी धीरे-धीरे सोच बदलती जा रही है। पुरुष भी स्थाई परिवार नियोजन के लिए आगे आ रहे हैं और अपना नसबंदी करवा रहे हैं। वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार रोहतास जिले में 7129 महिलाओं ने बंध्याकरण करवाया तो वही 249 पुरुषों ने नसबंदी करा कर परिवार नियोजन का स्थाई साधन अपनाया। वहीं वर्ष 2023- 24 की आंकड़ों पर नजर डालें तो 6533 महिलाओं ने बंध्याकरण करवाया जबकि 335 पुरुषों ने नसबंदी करवाया। इस तरह से वर्ष 2023- 24 में महिला बंध्याकरण का आंकड़ा घटा है जबकि पुरुष नसबंदी के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पुरुष नसबंदी में कुछ ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है, फिर भी माना जा रहा है कि स्थाई परिवार नियोजन को लेकर पुरुषों में अब जागरूकता आ रही है और पुरुष अपना नसबंदी के लिए आगे आ रहे हैं।

पुरुष नसबंदी में ग्रामीण क्षेत्र आगेः पिछले साल की आंकड़ों की बात करें तो नोखा प्रखंड में पिछले 1 साल में 33 पुरुषों ने अपना नसबंदी करवाया, जबकि बिक्रमगंज में 25, अकोढीगोला में 20, चेनारी में 20, कोचस में 19, रोहतास में 19, सासाराम में 48, नासरीगंज में 15, तिलौथू में 15, नौहट्टा में 13, शिवसागर में 26, सूर्यपुरा में 11, काराकाट में 21, दिनारा में 18, दावथ में 8, डेहरी में 13, राजपुर में 4 तथा करगहर में 7 पुरुषों ने नसबंदी करा कर अन्य पुरुषों को सकारात्मक संदेश दे रहें है। यह परिवार नियोजन के लिए बेहतर संकेत है।

सक्सेस स्टोरी: तमाम मुफलिसी के बावजूद बना अफसर, संभाल रहे बड़ी जिम्मेदारी

♦ कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती आबकारी इंस्पेक्टर विनय कुमार राय पर बैठ रही सटीक

केटी न्यूज/ बलिया

दो-तीन बार असफल होने के बाद निराश और मायूस होकर कुछ युवा सब कुछ छोड़कर हार मान घर बैठ जाते हैं। शायद उनको पता नहीं होता कि अगले पायदान पर सफलता उनका टकटकी लगाए इंतजार कर रही है। बहुत पुरानी लाइन कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती आबकारी इंस्पेक्टर विनय कुमार राय पर सटीक बैठ रही है। किसान के घर में जन्मे विनय अपने परिश्रम और मेहनत के बल पर तमाम असफलताएं मिलने के बावजूद भी हिम्मत न हारते हुए अपने सपने को साकार करते हुए बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। इंस्पेक्टर विनय कुमार राय की कहानी बड़ी रोचक और आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। आबकारी निरीक्षक सदर बलिया विनय कुमार राय ने बताया कि वह

बिहार राज्य के रोहतास जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पिता ने उन्हें पढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया और उन्होंने भी कभी हिम्मत नहीं हारी। इस वजह से आज

पढ़ाई के प्रति जुनून को देख आगे आए चाचा

उन्होंने बताया कि पिता ने मुझे पढ़ाने के लिए अपने क्षमता से अधिक प्रयास किया। अब वह इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन आज भी सफलता के बारे में जब उनसे कोई चर्चा करता है। तो एक बार पिता का चेहरा जेहन में उतर जाता है। पांचवीं के बाद घर परिवार की दयनीय स्थिति के बीच मैं चाचा के साथ आजमगढ़ चला गया। उनके चाचा आजमगढ़ में इंटर कॉलेज में प्रवक्ता थे। चाचा के साथ रहकर 10 वीं तक की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद बनारस में इंटरमीडिएट करके पटना से ग्रेजुएशन किया।

गांव के प्राथमिक विद्यालय से शुरू हुई पढ़ाई

केशव टाइम्स खास बातचीत के दौरान आबकारी निरीक्षक ने बताया कि स्कूली शिक्षा कक्षा 5 तक गांव के प्राथमिक विद्यालय में हुई। पापा किसानी करते थे, खेती-बाड़ी से ही जीविका चलती थी। परिवार की स्थिति काफी सही नहीं थी। पांचवीं के बाद गांव के आसपास में कोई हायर एजुकेशन की व्यवस्था नहीं थी।

चौथी बार में मिली सफलता

यूपीएससी के दो अटेम्प्ट देने के बाद उन्होंने पीसीएस देना शुरू किया। इसमें तीन बार तो प्री निकाल दिया, लेकिन मेन्स नहीं निकल पाए। यह असफलता कहीं न कहीं निराश और मायूसी का कारण बनने लगी, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। चौथी बार में फिर यूपीपीसीएस में अप्लाई किया। आगे उन्होंने बताया कि सन 2018 उनके लिए सौभाग्यशाली रहा। उनका चयन आबकारी निरीक्षक के पद पर हो गया। सन 2018 में आबकारी निरीक्षक बनने के बाद शुरूआत हेडक्वार्टर में दो-तीन हफ्ते की ट्रेनिंग दी गई। फिर दो-तीन महीने की ट्रेनिंग मेरठ में हुई। उसके बाद बनारस में ट्रेनिंग हुई। अंततः बलिया में स्थाई आबकारी निरीक्षक के पद पर पोस्टिंग हो गई।

अपर जिलाधिकारी ने डिप्टी कलेक्टरों को सौंपा कार्य

केटी न्यूज/ बलिया

जनपद में तैनात डिप्टी कलेक्टर अखिलेश कुमार यादव व शैलेन्द्र चैधरी को आदेशित करते हुए अपर जिलाधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया है कि आईजीआरएस से सम्बन्धित प्रकरणों की मानीटरिंग करेंगे एवं डिफाल्टर होने वाले प्रकरणों को नियत तिथि से तीन दिन पूर्व ही सम्बन्धित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए उसकी गुणवत्तापूरक निस्तारण कराते हुए पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करेंगे। कृष्णकान्त विश्वकर्मा डिप्टी कलेक्टर प्रशिक्षु प्रतिदिन समाचार पत्रों में आने वाली महत्वपूर्ण प्रकरणों की कटिंग जिलाधिकारी महोदय को प्रतिदिन प्रातः 10 बजे प्रस्तुत करेंगे और सोशल मीडिया पर जो समस्या आयेगी, उन्हें तत्काल जिलाधिकारी महोदय के संज्ञान में लाकर आधिकारिक मन्तव्य अपलोड करायेगें ।

खबरें फटाफट

वोट सब्सिडी के लिए 21 जुलाई तक करें आवेदन

बलिया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मत्स्य पालन विभाग में संचालित निषाद वोट सब्सिडी योजना अन्तर्गत मछुआरो को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने व उनके जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से निषाद राज वोट सब्सिडी योजना शुरू की गयी है। जन सामान्य को आच्छादित करने के लिए आनलाइन आवेदन प्राप्त करने हेतु विभागीय पो्टल आगामी 21 जुलाई तक खोला गया है। इसके तहत पात्र आवेदकों को नाव खरीदने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। नाव के कुल मूल्य 67000 में से 40 प्रतिशत अनुदान के रूप में लाभार्थियों को मिलेगी जिन मछूआरों के पास पट्टे या निजी तालाब 0.400 हेक्टेयर का उपलब्ध हो वह भी योजना हेतु पात्र है। योजनांतर्गत परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत आवेदन करने की प्रक्रिया आवेदन के साथ संलग्नक किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण विभागीय पोर्टल पर देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण बलिया मुहल्ला बनकटा से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाने के भरौलीकला गांव के पास रेल पटरी

पर बुधवार को एक अधेड़ की लाश देख ग्रामीणों ने पुलिस को बुलाया। मौके पर पंहुची पुलिस ने लाश कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने भरौलीकला गांव के ग्रामीणों से कटे युवक की पहचान कराई। कटा युवक मोहन डोम - 42 थाना रेवती बलिया का निवासी है, जो पिछले सप्ताह अपनी समधीन के घर आया था। ग्रामीणों के अनुसार कटा युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त लगता था। रेलवे को दिए गए मेमो के मुताबिक पुलिस ने बताया कि डाउन वाराणसी पैसेंजर ट्रेन से कटा अधेड़ बलिया जा रहा था। उसकी ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की लाश कब्जे में ले ली गई है। उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बिरनो थाना अंतर्गत फोरलेन स्थित डांड़ी टोल प्लाजा का मामला

फर्जी क्राइम ब्रांच कर्मी बनकर हाईवे पर टोल कर्मियों से की मारपीट, दो गंभीर

♦ चालक दो कर्मचारियों को धक्का मारते हुए वाहन लेकर फरार

केटी न्यूज / गाजीपुर

बिरनो थाना अंतर्गत फोरलेन हाई-वे पर स्थित डांड़ी टोल प्लाजा पर कथित क्राइम ब्रांच के युवकों व टोल कर्मी के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमें दो टोल कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित टोल कर्मियों की तहरीर पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। बता दें कि बीती रात मऊ की तरफ से आ रहे चार पहिया वाहन सवार युवक टोल प्लाजा कर्मी को बोले की हम क्राइम ब्रांच के हैं। बैरीकेडिंग हटा लो, तो कर्मचारियों ने बोला कि आप नौ नंबर लेने पर जाकर एंट्री करा दीजिए।

टोल प्लाजा कर्मी के द्वारा युवकों से आई कार्ड दिखाने को बोला गया, लेकिन वह नहीं दिखाए। बाद में कहा जल्दी है और फास्ट टैग में बैलेंस नहीं है। इसके बाद टोलकर्मियों को यह समझते देर नहीं लगा कि यह फर्जी क्राइम

ब्रांच वाले हैं। एक कर्मचारी ने गाड़ी को पीछे ले जाने को कहा तो युवक टोल कर्मियों से गाली गलौज करते हुए अपने और साथियों को मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में मारपीट शुरू कर दिए। अज्ञात युवकों द्वारा टोल कर्मियों को मारने-पीटने व जान से मारने की धमकी दे दबंग युवक मौके से फरार हो गए। जबकि चालक अपनी स्कॉर्पियो में बैठकर गाड़ी बैक कर तेज रफ्तार से टोल कर्मी रवींद्र यादव व पंकज कुमार को धक्का मारते हुए फरार हो गया। गाड़ी से गंभीर चोट लगने के कारण दो कर्मचारी घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनो लाया गया, जहां पर गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। टोल कर्मी शैलेंद्र कुशवाहा की तहरीर पर अज्ञात 15 लोगों के खिलाफ बिरनो थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

इस संबंध में बिरनो थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिली है। 15 लोगों पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खड़े डंफर से टकराई बाइक, युवक गंभीर रूप से घायल

केटी न्यूज / गाजीपुर करीमुद्दीनपुर थाने के पिहुली गांव के पास मंगलवार की शाम खड़े डंफर से एक बाइक टकरा गई। हादसे में नकुल ठाकुर- 24 गंभीर रूप से घायल हो गए। बलिया के गड़वार थाने के बेरूआरबारी निवासी नकुल ठाकुर-24 पुत्र सूबेदार ठाकुर बाइक से अपनी बहन के घर कठवा मोड़ जा रहा था। पिहुली गांव के सामने मुहम्मदाबाद- चितबडागांव मार्ग अंतर्गत एक्सप्रेस-वे पर मिट्टी लदे खड़े डंफर वाहन से टकराकर सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। सड़क पर टहल रहे ग्रामिणों ने बीच सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसे निजी वाहन के द्वारा ताजपुर के निजी चिकित्सक से इलाज कराया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के परिजनों को मौके पर बुला उनके हवाले कर दिया। परिजन घायल को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बलिया ले गए।

आठ जुलाई से बनेगा हर पंचायत में किसान कार्ड

केटी न्यूज / मऊ

किसान भाइयों के लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त किसानों का आधार कार्ड की तर्ज पर किसान रजिस्ट्री की शुरूआत कर किसान कार्ड तैयार किया जायेगा। इसके लिए हर पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन 08 जुलाई से किया जाएगा। इस शिविर में ग्राम पंचायत से संबंधित किसान रजिस्ट्रेशन के लिए आधार, अपने खेत का सम्पूर्ण खतौनी एवं मोबाइल नं० आदि का विवरण दर्ज करायेंगे। इसके बाद संबंधित किसान को एक यूनीक नम्बर प्राप्त होगा। कृषक रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त किसान कार्ड बनाया जायेगा।

किसान कार्ड बनने से ये होगा फायदाः

किसान कार्ड तैयार हो जाने पर योजनाओं का नियोजन, लाभार्थियों का सत्यापन, कृषि उत्पादों के विपणन आदि में सुविधा होगी। कृषकों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सुगम एवं पारदर्शी तथा समयबद्ध उपलब्ध होगा। कृषि ऋण, वित्त और अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए कृषि सेवाओं की उपलब्धता में सुगमता होगी। पीएम किसान योजनान्तर्गत किस्त प्राप्त करने हेतु अनिवार्यता की शर्त पूर्ण करने में लाभ प्राप्त होगा। फसली ऋण हेतु किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत कृषको को क्षतिपूर्ती हेतु कृषको के चिन्हाकन, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीफ में कृषकों का पंजीकरण तथा कृषकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कृषि एवं सम्बद्ध विभागों को फार्मर रजिस्ट्री के उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर योजनाओं का लाभ वितरण करने में सुगमता होगी और लाभार्थी के बार-बार सत्यापन आवश्यक नहीं होगा।

कृषि यंत्रों के लिए 16 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

बलिया। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेजिड्यू योजनान्तर्गत कृषि यंत्रों-सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम, हैप्पी सीडर, पैडी स्ट्राचॉपर, श्रेडर मल्चर, श्रब मास्टर रोटरी स्लेशर, सरफेस सीडर, हाइड्रोलिक रिवर्सिबुल एमबी प्लाऊ, बेलिंग मशीन, स्ट्रा रेक, जीरो टिल सीड कम फटीर्लाइजर ड्रिल, क्रॉप रीपर ट्रैक्टर माउंटेड, सेल्फ प्रोपेल्ड, सेल्फ प्रोपेल्ड रीपर कम बाइंडर एवं कस्टम हायरिंग सेंटर के आवेदन हेतु दो जुलाई को मध्यान्ह 12 बजे से 16 जुलाई रात्रि 12 बजे तक की जाएगी। इच्छुक कृषक विभागीय दर्शन पोर्टल पर अनुदान हेतु टोकन निकाले। लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन किया जा सकता है। कृषि यंत्रों के आवेदन हेतु बुकिंग किये जाने के लिए विभागीय पोर्टल पर पूर्व से उपलब्ध मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त करने का विकल्प होगा। यदि पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल नम्बर अक्रियाशील होगा तो आवेदक द्वारा अपने नये मोबाइल नंबर अथवा अपने परिवार के ब्लड रिलेशन सदस्य (माता, पिता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री एवं पुत्र वधु) से ही आवेदन किया जा सकेगा। सत्यापन के समय इसकी पुष्टि भी की जायेगी। बुकिंग के समय कृषक को रुपए एक लाख तक अनुदान के यंत्र के लिए 2500 रूपए एवं 100001 रूपए से अधिक अनुदान के लिए 5000 रूपए बुकिंग राशि जमा करनी होगी।

मृतकों के परिवारों को दिया जाए 50 लाख रूपए मुआवजा: शमीम खान

बलिया। हाथरस जिले के रतिभानपुर में भोले बाबा के सत्संग के दौरान मची भगदड़ में मृत लोगों की गतात्मा की शांति के लिए एआईएमआईएम के बहेरी स्थित कैंप कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान 2 मिनट का मन रखकर अल्लाह से उनकी रूह की शांति के लिए दुआ मांगी गई।

पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान ने हादसे के पीछे सरकार के रवैए को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए सरकार को जमकर आड़ेहाथ लिया। कहा कि इतने बड़े आयोजन के दौरान जहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होना चाहिए था, वहां शासन व जिला प्रशासन के ढीलेपन से इतना बड़ा हादसा हो गया। बताया कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि मृतको के परिवार को 50 लाख रुपए व घायल को 10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। इतने बड़े हादसे के पीछे वजह क्या रही होगी उसकी भी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस अवसर पर पार्टी के जिला संगठन प्रभारी मोहम्मद नसीम खान, दौलत खान, नौशाद खान व मुमताज खान मौजूद रहे।

एक से सात तक वनों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जायेगा वन महोत्सव

प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को करेंगे जागरूक

केटी न्यूज/गाजीपुर

बिरनो ब्लाक परिसर में बुधवार को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जुलाई के पहला सप्ताह एक से सात जुलाई तक वनों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वन महोत्सव मनाया जाता है। इसके तहत वन विभाग की ओर से हर दिन अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसमें प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन, वाद विवाद प्रतियोगिता और संगोष्ठी कार्यक्रम भी शामिल है। इसी क्रम में वन महोत्सव के तीसरे दिन वन रेंज मरदह के वन कर्मियों की ओर से बिरनो ब्लॉक परिसर में ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य व जन मानस को गोष्ठी में वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया।

इस मौके पर मरदह वन क्षेत्राधिकारी विशाल गुप्ता ने बताया की वन महोत्सव सप्ताह में वन संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया

जायेगा। पारिस्थितियों को संतुलन बनाए रखने और ग्रह पर मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करने में पेड़ और जंगल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वन महोत्सव सप्ताह एक अनुस्मारक है कि हमें वनों की रक्षा करनी चाहिए और वनों की कटाई को रोकना चाहिए। वन महोत्सव सप्ताह में लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। क्योंकि, औद्योगीकरण और शहरीकरण के लिए उन्हें बड़े पैमाने पर काटा जा रहा है। पेड़ खाद्य संसाधनों के उत्पादन में योगदान करते हैं। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। वायु गुणवत्ता में सुधार करते हैं। जलवायु में सुधार करते हैं। पानी का संरक्षण करते हैं। मिट्टी का संरक्षण करते हैं। वन्य जीवन का समर्थन करते हैं। सूखे को कम करते हैं और मिट्टी के कटाव और प्रदूषण को भी रोकते हैं। लेकिन वनों की कटाई अत्यधिक चिंताजनक है। ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन काल में कम-से-कम पांच पौधे लगाना चाहिए जिससे पृथ्वी व धरती का संतुलन बना रहे। मौके पर ब्लाक प्रमुख राजन सिंह, खण्ड विकास अधिकारी कुमारी सीमा पूर्व प्रमुख सुभाषचंद्र गुप्ता,पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 गुरुदेव मौर्य, लल्लन सिंह प्रधान,डा0 एम. एल. निगम. एडीओ कृषि विजय कुमार, विनोद पटेल, धनंजय सिंह, भरत सिंह, अमित सिंह अभिमन्यु सिंह, गुड्डू गुप्ता प्रधान क्षेत्रीय वन अधिकारी विशाल गुप्ता. वन दरोगा विजयशंकर सिंह. आशीष राम, वनरक्षक सुनील राम सहित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

आधार कार्ड बनाने के नाम पर अवैध वसूली से ग्रामीणों में आक्रोश

गाजीपुर। बड़ौदा यूपी बैंक (ग्रामीण बैंक) में आधार कार्ड बनाने और संशोधन के नाम पर लोगों से अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। कई स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि बैंक में बायोमेट्रिक के जरिए नए आधार कार्ड बनाने के लिए 100 से 300 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। जबकि इसके लिए सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क मात्र 100 रुपये है। इतना ही नहीं, आधार कार्ड में संशोधन के लिए केवल 50 रुपये ही निर्धारित किया गया है, लेकिन बैंक में इसके लिए भी 50 रुपये से 150 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। बता दें कि यह लूटपाट बैंक प्रबंधक की मिली भगत से किया जा रहा है। कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की अवैध वसूली से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उनके खिलाफ आवाज उठाएंगे।

एक नजर

कोर्ट के आदेश पर ग्राम पंचायत कारो के ग्राम प्रधान पद के लिए हुई रिकाउंटिंग

रिकाउंटिंग में 23 मत से पुनः जीते संजीव उर्फ चुन्नू

बलिया। कोर्ट के आदेश पर विकास खंड सोहाव के ग्राम पंचायत कारो के ग्राम प्रधान की रिकाउंटिंग बुधवार को तीन साल बाद एसडीएम कोर्ट में सकुशल सम्पन्न हुई। जिसमें पूर्व में निर्वाचित प्रधान संजीव उर्फ चुन्नू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उमाशंकर राम को 23 मत से पुनः पराजित कर दोबारा प्रधान पद पर चुने गए। आपको बता दें कि पूर्व में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विकासखंड सोहाव के कारो ग्राम पंचायत में संजीव उर्फ चुन्नू पुत्र स्वर्गीय जीवित राम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उमाशंकर राम पुत्र स्वर्गीय रामजतन को 14 मत से पराजित कर प्रधान पद पर चुने गए थे। लेकिन उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी उमाशंकर राम इससे संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट में रिकाउंटिंग के लिए वाद दाखिल किया था। जिसकी सुनवाई करते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 30 मई 2024 को रिकाउंटिंग का आदेश पारित किया था।लेकिन लोकसभा चुनाव होने के कारण यह स्थगित रहा। बुधवार को एसडीएम कोर्ट में रिकाउंटिंग एसडीएम सदर की मौजूदगी में आयोजित की गई। जिसमें संजीव उर्फ चुन्नू को 656 मत तथा उमाशंकर राम को 633 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार संजीव उर्फ चुन्नू रिकाउंटिंग में 23 मत से दोबारा विजय घोषित किए गए। वही उमाशंकर राम को रिकाउंटिंग में भी पुनः पराजित होना पड़ा।

बलिया जनपद में छह सीएचसी व पीएचसी के प्रभारियों का बदला कार्य क्षेत्र

आमजन से मिल रही शिकायत पर सीएमओ ने की कार्रवाई

बलिया। स्वास्थ्य व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलिया ने छह सीएचसी प्रभारियों का स्थानांतरण कर नवीन स्थान पर तैनाती कर दिया। आपको बता दे कि स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार डाक्टरों की अनुपस्थिति एवं कमी की शिकायत की जा रही थी। जिसमें रेवती समेत छह सीएचसी के डाक्टरों तबादला किया गया।सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेवती के डॉ दिनेश सिंह को पदमुक्त कर सोनवानी के अधीक्षक डॉक्टर मुक्करम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेवती पर तैनात किया है। इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुबहड़ पर तैनात डॉक्टर वेंकटेश मौआर को बेरुआरबारी, डॉक्टर सत्य प्रकाश कुशवाहा को दुबहड़, डॉक्टर प्रिय दर्शन सिंह को बांसडीह, डॉक्टर वरुण ज्ञानेश्वर को मनियर एवं डॉक्टर प्रवीण यादव को सोनवानी पर तैनात किया है। इस बाबत मुख्य चिकित्साअधिकारी विजयपति द्विवेदी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ड्यूटी से नदारद रहने वाले चिकित्सक और कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी।

सौंदर्य प्रतियोगिता : डॉ. ऋतु श्रीवास्तव को मिसेज इंडिया का खिताब

गाजीपुर। ग्लैमर प्रोडक्शन की ओर से मिस, मिस्टर एंड मिसेज एशिया सीजन चार का वाराणसी में महमूरगंज के माहेश्वरी भवन में आयोजन किया गया। जिसमें गाजीपुर की एक शिक्षिका डॉ. ऋतु श्रीवास्तव को दो टाइटल मिसेज इंडिया फर्स्ट रनर अप 2024 और मिसेज पूर्वांचल 2024 का खिताब मिला। ऑर्गेनाइजर और मॉडल शाहब्रान खान, उमंग श्रीवास्तव, दीक्षिका सिंह और राहुल गुप्ता ने तथा मुख्य जज पीटर इंग्लैंड जितेश सिंह ने डॉ. ऋतु श्रीवास्तव के इंट्रो क्वेश्चन राउंड तथा हुनर और वॉक की बहुत प्रशंसा की। डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने अपना जलवा बिखेरकर सबका दिल जीत लिया और गाजीपुर जिले का नाम रोशन किया।

पीडीए के तहत सपा कार्यकताओं ने दर्जनों गावों में किया पौधरोपण

गाजीपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए पखवाड़ा जखनियां ब्लाक अंतर्गत सपा विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव राजू के नेतृत्व में अलीपुर मदरा गांव में वृहद वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर पूर्व विधायक त्रिवेणी राम ने दर्जनों पौधारोपण कर संकल्प दिलाया कि हर लोग एक वृक्ष लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। ताकि वृक्ष बड़ा हो और लोगों को शुद्ध पर्यावरण तथा भीषण गर्मी में छाया प्रदान करें। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए गर्मी में देखा गया कि जखनियां बाजार सहित ग्रामीण अंचलों में हीट वेव से बिजली की भी समस्या से लोगों को जूझना पड़ा। भीषण गर्मी में बचने का मात्र एक सहारा था तो वृक्ष के नीचे तमाम लोग गर्मी में राहत पाए थे। हर लोगों को कल्पना करना चाहिए कि अगर वृक्ष न हो तो आखिर जीव जंन्तु का जिंदगी क्या होगी ? हर लोगों से अपील है कि एक वृक्ष लगाएं और वृक्ष को बड़ा होने तक देखभाल करें। जखनियां विधानसभा अध्यक्ष अवधेश उर्फ राजू यादव ने ग्राम पंचायत अलीपुर मदरा सहित कई गावों में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया है। इस वर्ष गर्मी रिकॉर्ड तोड़ पड़ी है। सभी लोगों को चाहिए कि इस साल कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएं वृक्षों से ही वातावरण शुद्ध व संतुलित रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हरिकेश सिंह, सतीश गोड , लतीफ मौलवी, सलीम अली, मुन्ना राम, हरिनारायण,अशोक राम, राजेश कुमार, पप्पू राजभर, मेवा लाल कश्यप, ब्लॉक अध्यक्ष वजीर भारती उपस्थित रहे।

लापता युवक का प्रयागराज में रेलवे ट्रेक पर मिला शव, घर में मातम

गाजीपुर। भूडकुडा. कोतवाली अंतर्गत अलीपुर मदरा गांव निवासी आशीष यादव (32) पुत्र सेचन यादव की प्रयागराज के रामबाग स्टेशन पर ट्रेन से कटकर मौत होने की सूचना पर परिजन रोते -बिलखते पहुंचे। बता दें कि सेचन यादव का इकलौता पुत्र आशीष यादव अपनी पत्नी के साथ प्रयागराज में ही रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। बीते 29 जून की रात वह घर से बिना बताए निकल गया था। उसी दिन से परिजन गांव सहित प्रयागराज में ढूंढ रहे थे। तभी एक जुलाई को प्रयागराज की पुलिस द्वारा सूचना मिलने के बाद परिजन प्रयागराज गए और वहां से आशीष के शव को गांव लाया गया। शव गांव पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। आशीष अपने मां-बाप का इकलौता संतान था।

संदिग्ध परिस्थितियों में आवासीय विद्यालय की छात्रा ने लगाई फांसी, मौत

केटी न्यूज /जौनपुर

जलालपुर थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय के हॉस्टल में कक्षा नौ की एक 13 वर्षीय छात्रा ने पंखे से फाँसी लगाकर अपनी जान दे दिया। ऊक्त क्षेत्र के बिशुनपुर मझवारा गांव में छात्रा रूबी निषाद पुत्री दिनेश निषाद का ननिहाल है। रूबी बदलापुर क्षेत्र के जगदीशपुर बहरीपुर बटाऊबीर निवासी दिनेश निषाद की पुत्री है। माँ की मौत के बाद के बाद से ही रूबी के नाना प्यारेलाल ने रूबी निषाद को अपने पास ही रख कर उसका पालन पोषण किया। मामा गोविंद निषाद ने इस वर्ष अप्रैल में रूबी का उक्त विद्यालय में कक्षा नौ में एडमिशन कराया। 20 मई को विद्यालय की छुट्टी होने के बाद रूबी घर गयी थी।जुलाई में स्कूल शुरू हो गया।मंगलवार को ही शाम को साढ़े चार बजे वह अपने मामा गोविंद के साथ विद्यालय आयी। एक डेढ़ घण्टे तक वह विद्यालय में मौजूद अन्य 15 छात्राओं के साथ अनमने मन से खेलती रही।उसके बाद वह हॉस्टल के एक कमरे में गयी।वहां एक तख्ते पर बाल्टी रखकर अपनी ओढ़नी से पंखे के सहारे फाँसी लगा लिया। थोड़ी देर बाद उसके साथ कि लड़कियों ने उसको फाँसी से लटका देख कर बाहर मौजूद हॉस्टल इंचार्ज रीता श्रीवास्तव को बताया। वार्डन ने कुछ छात्राओं की मदद से उसे नीचे उतारा। हालांकि तब तक उसकी मौत हो गयी थी। घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।उसके बाद एस पी सिटी बृजेश कुमार,सीओ केराकत प्रतिमा वर्मा,सीडीओ साई सीलम तेजा, समाज कल्याण अधिकारी नीरज कुमार, बीडीओ सिरकोनी रेनू चौधरी व फॉरेंसिक टीम भी पहुंच कर जांच पड़ताल में लगी रही।घटना से वहां पर मौजूद छात्राओं में दहशत का माहौल बन गया।

माहौल को देखते हुए सीडीओ ने बीडीओ को रात में छात्राओं व वार्डन आदि के साथ विद्यालय में रुकने को कहा।जिससे उन्हें भय न रहे। एसपी सिटी ब्रजेश कुमार गौतम ने बताया कि छात्रा मंगलवार को शाम लगभग साढ़े चार बजे के लगभग स्कूल परिसर में आई थी।उसके साथ के लड़कियों ने बताया कि जब से छात्रा रूबी आयी थी तभी से कुछ तनाव में दिख रही थी।उसने आत्महत्या का कदम क्यो उठाया इसकी जांच की जा रही है।

यात्रियों से भरी बस पलटी, बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में गांव कोदहूं नहर के पास मंगलवार रात रोडवेज बस पलट जाने से एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे 108 एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताते चलें कि प्रयागराज डिपो से गोरखपुर को जाने वाली रोडवेज बस (यूपी 70 एळ 9333) मुंगराबादशाहपुर थाना अंतर्गत ग्राम कोदहूं नहर में अनियंत्रित होकर पलट गयी। जिसमें कई यात्रियों को हल्की चोटें आई है।मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र से करीब पांच किलो मीटर दूर पहले रुकी तो शिवम गुप्ता, जुनैद, अमन सिंह व अन्य यात्रियों ने कंडक्टर और ड्राइवर दारू पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है।

एक नजर

शराब की दुकान को अतिशीघ्र अन्यत्र स्थानान्तरित करने का डीएम ने दिया निर्देश

गाजीपुर। जिला उद्योग बंधु, व्यापार बंधु व निवेशकों की बैठक बुधवार को राइफल क्लब में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं निर्णय लिया गया। सचिव व उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गाजीपुर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि अध्यक्ष व जिलाधिकारी द्वारा उद्यमियों के अनुरोध पर राजकीय औद्योगिक आस्थान नंदगंज गाजीपुर के गेट के सामने शराब की दुकान को जिला आबकारी अधिकारी को अतिशीघ्र अन्यत्र स्थानान्तरित करने का निर्देश दिया गया। जून 2024 तक निवेश मित्र वेबसाइट पर निस्तारणोंपरांत समय-सीमा के अन्तर्गत श्रम विभाग में-13, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन में-08, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में-02, आबकारी विभाग में-07, अग्निशमन विभाग में-04, पावर कार्पोरेशन लि0 में-05,` विद्युत सुरक्षा निदेशालय में-01, इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी में-03, बोर्ड आफ रेवन्यू में-11 प्रकरण पोर्टल पर लम्बित है तथा समय-सीमा पश्चात श्रम विभाग में-01, आबकारी विभाग में-09, पावर कार्पोरेशन लि0 में-01, इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी में-07, राजस्व विभाग में-02, ग्राउण्ड वाटर विभाग में-01, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा में-01 एवं फिल्म बन्धु में-01 प्रकरण पोर्टल पर लम्बित है। जिसपर अध्यक्ष/जिलाधिकारी द्वारा संबन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय-सीमा के अन्तर्गत सभी प्रकरण को निस्तारित कराना सुनिश्चित करेंगे। औद्योगिक पार्को के विकास योजना पर चर्चा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया गया कि प्लेज पार्क विकसित करने के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कराएं।

छत पर कूदकर युवती से की छेड़खानी, केस दर्ज, चालान

गाजीपुर। भूड़कुडा. कोतवाली अंतर्गत अंगूरपुर गांव की एक युवती ने गांव के ही युवक पर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कराया है। युवती का कहना था कि वह छत पर अपने बच्चों के साथ सोई थी कि गांव का ही एक युवक रात में छत पर चढ़कर उसके साथ छेड़खानी करने लगा। इसका विरोध करते हुए शोर मचाई तब आवाज सुनकर जबतक लोग पहुंचते युवक मौके से फरार हो गया। जिस पर युवती ने घर वालों को युवक के बारे में बताया मंगलवार की देर शाम युवती के परिजनों ने थाने जाकर उक्त युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक तारावती यादव से पूछने पर उन्होंने बताया कि छेड़खानी करने वाले युवक के खिलाफ नाम से तहरीर दी गई थी, जिस पर उसको गिरफ्तार कर धारा 75, 76, 352 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत गिरफ्तार कर चालान किया गया है। कोतवाली भूड़कुड़ा में नए कानून के तहत यह पहला मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

जिले के टॉपर छात्रा का नि:शुल्क नामांकन, पाठ्य पुस्तक भी दिया गया

गाजीपुर। हाई स्कूल की परीक्षा में जनपद में प्रथम स्थान एवं प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा तनु कुमारी का नामांकन क्षेत्र के शहीद इंटर कॉलेज में निःशुल्क किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य लाल बहादुर पांडेय ने बताया कि जिले की टॉपर छात्रा का विद्यालय में नामांकन करने पर उसे विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा निःशुल्क शिक्षा के साथ पाठ्य पुस्तक निःशुल्क भेंट की गई। विद्यालय के संस्थापक डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि जिले की टॉपर छात्रा के नामांकन से विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में रुचि लेते हुए वह भी टॉप करने की कोशिश करेंगे।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे लगन शील होकर पढ़ाई में रुचि ले और भविष्य को उज्जवल बनाएं। इस अवसर पर कैलाश वर्मा, विजय यादव,सोनवाला गिरी,मनोज मिश्रा,पवन पांडे सहित विद्यालय के सभी लोग उपस्थित रहे।

सतर्कता व स्वच्छता से खुद को संचारी रोगों से बचाएं

चंदौली। कंपोजिट विद्यालय हथियानी पर बुधवार को स्कूल मैनेजमेंट कमेटी की बैठक हुई। इस दौरान जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मोहम्मद सुराका ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों व अभिभावकों को संचारी रोगों से बचने के लिए स्वच्छता को अपना कर व सतर्कता बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में जल जनित और गंदगी के कारण बहुत सी संक्रामक बीमारियां फैलती है, जिससे बचने के लिए सतर्कता बहुत जरूरी है। इसके अलावा घर के अंदर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान दें।

खबरें फटाफट

दो बार से फरार, तीसरी बार में पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

चंदौली । मुगलसराय कोतवाली पुलिस ने बुधवार को शातिर चोर को बेचूपुर कैलाशपुरी मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। शातिर चोर घरों से घुसकर कीमती सामान चोरी करता था और गर्ल फ्रेंड को गिफ्ट कर देता था। उससे पूछताछ के साथ ही विधिक कार्रवाई में जुटी रही। पुलिस इस समय अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में सूचना मिली कि पटेल नगर में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देने वाला शातिर चोर बेचूपुर कैलाशपुरी मोड़ के पास मौजूद है। इस पर पुलिस एक्टिव हो गई। पुलिस ने घेरेबंदी कर शातिर चोर को धर-दबोचा। कैलाशपुरी निवासी सूरज कुमार ने पिछले दिनों पटेल नगर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। ऋषि (प्रीतपाल सिंह) पुत्र स्व. भूपेन्द्र सिंह निवासी पटेल नगर के घर से वादी की पत्नी की मोबाइल व 33,570 रुपये चोरी हो गया था। इसके अलावा चोरी की अन्य घटनाएं हुई थीं।

पत्र वितरकों ने दी संपादक को श्रद्धांजलि

पीडीडीयू नगर। भारतीय समाचार पत्र विक्रेता संघ की शोक सभा अखबार सेंटर पर जिला अध्यक्ष विजय जायसवाल के अध्यक्षता में हुई। शोक सभा में वितरक आवाज के संपादक राकेश पांडे 80 वर्षीय निवासी निरहाना रोड कानपुर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। संघ के प्रदेश महामंत्री भागवत नारायण चौरसिया ने कहा कि राकेश पांडेय ने 22 राज्य 300 शहरों पूरे देश के अखबार वितरक समाज को संगठित व उत्थान के लिए बुलंद आवाज में संघर्ष किया था। वितरकों का स्वागत समारोह में माला नहीं पहनते थे पहनने वालों को ही पहना देते थे, उनका प्रण था कि जब वितरक समाज को सरकारी सुविधा दिलवा दूंगा तभी माला गले में पहन लूंगा।

भगदड़ में मौत: सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाथरस पहुंचकर खुद संभाला मोर्चा

सर्किट हाउस में की घटना की समीक्षा, अस्पताल जाकर जाना घायलों का हाल

- एक-एक बेड पर जाकर सीएम ने घायलों के स्वास्थ्य की ली जानकारी, परिजनों से भी की बातचीत
- डॉक्टरों को घायलों के समुचित इलाज के दिए निर्देश, मृतकों के परिजनों को दी सांत्वना

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को स्वयं हाथरस पहुंचे और यहां उन्होंने अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और फिर सीएम योगी सीधे हाथरस जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों का हाल चाल जानना और डॉक्टरों को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। यही नहीं बरसते पानी के बीच सीएम घटनास्थल पर भी पहुंचे, जहां उन्हें अधिकारियों ने पूरा घटना का ब्यौरा दिया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ में भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। सीएम योगी ने तुरंत एक्शन लेते हुए तीन मंत्रियों की टीम और मुख्य सचिव व डीजीपी को तत्काल हाथरस के लिए रवाना किया था। यही नहीं, सीएम ने घटना की जांच के लिए एडिशनल डीजी आगरा और मंडलायुक्त अलीगढ़ को नियुक्त किया और 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएम ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का भी ऐलान किया। हादसे के एक दिन बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हाथरस पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी हासिल की और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी प्रदान किए। इसके बाद सीएम योगी हाथरस जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से बात की। वो हर एक बेड पर जाकर घायलों से मिले और पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने घायलों से उनकी तबीयत के बारे में पूछा और इलाज के संबंध में भी चर्चा की। सीएम ने घायलों के परिजनों से भी विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से भी घायलों की स्थिति के विषय में जाना और समुचित उपचार के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान सीएम योगी मृतकों के परिजनों से भी मिले और उनके साथ हुए हादसे के बारे में जानकारी ली और साथ ही अपनी ओर से सांत्वना और संवेदना भी प्रकट की।

एसडीएम ने डीएम हाथरस को सौंपी अपनी रिपोर्ट

इस बीच, हाथरस हादसे पर एसडीएम सिकंदराराऊ ने हाथरस के डीएम को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सत्संग के दौरान पांडाल में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। सत्संग खत्म होने के बाद नारायण साकार हरि (भोले बाबा) के दर्शन व चरण स्पर्श एवं आशीर्वाद स्वरूप उनकी चरण रज अपने माथे पर लगाने के लिए लोग आगे बढ़े। श्रद्धालु उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे तो बाबा के साथ उनके निजी सुरक्षाकर्मी (ब्लैक कमांडो) एवं सेवादारों ने भीड़ के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इससे कुछ लोग नीचे गिर गए। यहां से भीड़ कार्यक्रम स्थल के सामने खुले खेत की तरफ भागी जहां सड़क से खेत की ओर उतरने के दौरान ढालनुमा जगह होने के कारण लोग फिसलकर गिर पड़े। इसके बाद वो पुन: उठ नहीं सके और भीड़ उनके ऊपर से होकर इधर-उधर भागने लगी। इसमें कई महिलाएं व पुरुष और बच्चे हताहत व गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल पुलिस सुरक्षा कर्मियों द्वारा हताहत लोगों को एंबुलेंस व अन्य उपस्थित साधनों से घटनास्थल के आसपास स्थित अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया गया।

सीएम को प्रत्यक्षदर्शी महिला कांस्टेबल ने बताया कैसे हुई घटना

इससे पूर्व सीएम योगी ने पुलिस लाइन में घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भी मुलाकात कर हादसे के विषय में जानकारी ली। घटना की प्रत्यक्षदर्शी और ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल ने सीएम को पूरी घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि भगदड़ मचने के बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। खासतौर पर बड़ी संख्या में महिलाएं भगदड़ का शिकार बनीं। वो उठना चाह रही थीं, लेकिन उठ नहीं सकीं, क्योंकि एक के बाद एक महिलाएं उनके ऊपर गिरती चली गईं। सीएम योगी के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सरकार में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, असीम अरुण और संदीप सिंह के साथ ही स्थानीय विधायक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

बरसते पानी के बीच घटनास्थल पहुंचे सीएम

घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी हाथरस के सिकंदराराऊ में उस स्थान पर भी पहुंचे, जहां मंगलवार को भगदड़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। सीएम योगी के साथ तीनों मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी व स्थानीय विधायक भी मौजूद थे। अलीगढ़ की मंडलायुक्त ने सीएम योगी को हादसे से जुड़ी एक-एक घटना के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बरसते पानी के बीच सीएम योगी ने भगदड़ वाले स्थल का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

पांच कंट्री मेड पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, असलहों की वाराणसी में होनी थी सप्लाई

केटी न्यूज / चंदौली। सदर कोतवाली पुलिस व स्वाट टीम को बुधवार को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक असलहा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पांच अवैध पिस्टल व पांच कारतूस बरामद हुए हैं।उसे जगदीशसराय ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया गया। तस्कर असलहों की खेप को मध्य प्रदेश से वाराणसी ले जा रहा था। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।इससे पहले भी वह कई बार तस्करी की घटना को अंजाम दे चुका है।

गौरतलब है कि चंदौली पुलिस व सर्विलांस/स्वाट टीम को मुखविर से सूचना मिली कि जगदीशसराय ओवर ब्रिज के पास में एक व्यक्ति एक काले पिट्ठू बैग के साथ खड़ा है, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु हो सकती है?। सूचना पर इंस्पेक्टर गगनराज सिंह व हरिनारायण पटेल प्रभारी निरीक्षक सर्विलांस/स्वाट मय हमराह द्वारा जगदीशसराय ओवर ब्रिज की ओर आगे बढ़े । संदिग्थ व्यक्ति पुलिस टीम को अपनी तरफ आता देख भागने का प्रयास करने लगा। इस बीच वहां मौजूद पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी करके तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान राजू यादव निवासी गाजीपुर के रूप में हुई. जिसके कब्जे से 5 पिस्टल व 5 जिन्दा कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि उसके कब्जे से बरामद पिस्टल खंडवा,मध्य प्रदेश से कम मूल्य पर खरीद कर वाराणसी, चंदौली व आसपास के जनपदों में अधिक मूल्य पर बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जाता है। आज भी चंदौली में किसी व्यक्ति को तमंचा बेचने के लिए इंतजार ही कर रहा था कि पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया. जिसके खिलाफ 3/25 आर्म्स एक्ट थाना व जिला चंदौली पंजीकृत कर आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुरातन छात्रों का किया जाएगा समागम, किया जाएगा सम्मानित

विद्यालय का सर्वांगीण विकास करना पहली प्राथमिकता: डॉ प्रमोद कुमार

- कॉलेज को हर क्षेत्र में शिक्षा खेलकूद डिबेट स्वास्थ्य में भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जोरदार होंगे प्रयास

केटी न्यूज / जौनपुर

जिले के प्राचीनतम और प्रतिष्ठित विधालय बीआरपी इंटर कॉलेज के नवागत प्रधानाचार्य के रूप में कुलभास्कर आश्रम कृषि इंटर कॉलेज प्रयागराज से स्थानांतरित होकर आए डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने आज बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने पत्रकारों से बातचीत किया। इस दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए कहा कि इस सत्र में पठान-पाटन की व्यवस्था को सही करना विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण को कॉन्वेंट स्कूल के बराबर करना कॉलेज और ऊंचाई पर ले जाना मेरी प्राथमिकता है। साथ ही कॉलेज कॉलेज को हर क्षेत्र में शिक्षा खेलकूद डिबेट स्वास्थ्य में भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जोरदार प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास के लिए कॉलेज के पुरातन छात्रों का भी सहयोग लिया जाएगा। कॉलेज में पुरातन छात्र समागम कराकर उनको सम्मानित भी किया जाएगा साथ ही विद्यालय को किस तरह से और ऊंचाई पर ले जाएं उनका सहयोग और सुझाव लिया जाएगा। विद्यालय के विकास में समाज के विभिन्न वर्गों का भी सहयोग लिया जाएगा। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि बीआरपी इंटर कॉलेज का 1959 से लेकर 1980 तक इस कॉलेज का स्वर्णिम काल था उसे दौर के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय बाबू श्री रघुवीर प्रसाद वर्मा, स्वर्गीय मदन मोहन वर्मा स्वर्गीय डॉक्टर कमल कांत वर्मा बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हुआ करते थे।

मेरा इस विद्यालय से गहरा लगाव है जिस कारण में प्रयागराज को छोड़कर पुनः विद्यालय में एक नए विजन के साथ आया हूं। आशा करता हूं कि आप सभी का पूरा सहयोग कॉलेज को उच्च शिखर तक पहुंचने में प्राप्त होता रहेगा।

मैं पूर्व में भी इस विद्यालय में 22 वर्ष तक रसायन विज्ञान के प्रवक्ता पद पर भी अपनी सेवा दे चुका हूं। वहीं कॉलेज का पदभार ग्रहण करते ही विभिन्न शिक्षक संगठनों के नेताओं ने पहुंचकर उन्हें बधाई दिया। इस क्रम में माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड के पूर्व सदस्य ललित श्रीवास्तव माध्यमिक शिक्षक संघ ठाकुरई गुट के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह, राकेश सिंह, दिलीप सिंह, अनिल सिंह, अतुल सिंह ,जिला अध्यक्ष तेरस यादव शशि प्रकाश शुक्ला सुनील कुमार सिंह व प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमित सिंह ,राजेश सिंह, संतोष सिंह, सहित विद्यालय के अजय वर्मा, दीपक श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव मनोज मिश्र, प्रकाश यादव, ओम प्रकाश ,धर्मेंद्र यादव, विमल श्रीवास्तव ,संजीव सिंह, गुलराज यादव ,जगत प्रकाश श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव आदि ने बुक देकर जोरदार स्वागत किया।उक्त जानकारी कॉलेज के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

सुभाषितम्

मैं कर सकता हूँ, यह विश्वाश है. केवल मैं ही कर सकता हूँ, यह अंधविश्वास है। -अज्ञात

जिला और पुलिस प्रशासन की लापरवाही से हाथरस में मौत का तांडव

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के पुलराई गांव में नारायण साकार हरि,उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ मे 116 लोगों की मौत हो जाने की अधिकृत जानकारी है। घटनास्थल से जो जानकारी मिल रही है। उसके अनुसार सैकड़ों लोग अभी भी अपने परिजनों को सत्संग स्थल ओर अस्पतालों के आसपास खोज रहे हैं। सत्संग में जो लोग आए थे। हजारों लोगों के बारे में कोई जानकारी अभी भी नहीं मिल पा रही है। मृतकों की संख्या अभी कई गुना बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सत्संग में करीब ढाई लाख लोग शामिल हुए। आयोजकों को जिला प्रशासन ने अनुमति दी थी। अनुमति के अनुसार करीब 80000 श्रद्धालुओं के आने का अनुमान जताया गया था। बड़े पैमाने पर सत्संग की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन और पुलिस जब इस तरह के आयोजनों को परमिशन देती है। परमीशन देने के बाद जिला प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। वह स्थल का निरीक्षण करे। आयोजकों द्वारा जितनी संख्या में अनुमति मांगी गई है। उसके अनुसार व्यवस्था की गई है, या नहीं। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम के लिए कौन से इंतजाम किए गए हैं। इंतजाम को देखते हुए जिला प्रशासन परमिशन देता है। उसके बाद जिला प्रशासन अपने स्तर पर कानून व्यवस्था की स्थिति बनाने के साथ-साथ बाहर से आने वाले लोगों के लिए यातायात व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, के इंतजाम करती है। आयोजन बड़ा होता है, तो जिले के अन्य थानों तथा अन्य जिलों से पुलिस फोर्स बुलाई जाती है। जो सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम को देखते हैं। इस तरीके के आयोजन में जिला प्रशासन के अधिकारी श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आयोजक और जिला प्रशासन संयुक्त जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार समारोह स्थल पर उपस्थित रहते हैं। निश्चित रूप से जब सत्संग की अनुमति दी गई थी। तब यह माना जाना चाहिए, जिला प्रशासन ने भी अपने स्तर पर सारे इंतजाम किए होंगे। जिला प्रशासन की उपस्थिति में अनुमति से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा था। उसको रोकने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने क्या प्रयास किये? दुर्घटना होने के पहले जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही की गई हो, ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिलता है। घटनास्थल से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस फोर्स बहुत कम संख्या में आयोजन स्थल के पास उपस्थित थी। वह 5000 की भीड़ को भी नहीं संभाल सकती थी। जिले का पुलिस बल,पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं था। प्रशासन के अधिकारी भी वहां पर उपलब्ध नहीं थे। जब लाखों श्रद्धालु वहां पहुंच रहे थे। उस समय भी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई प्रयास नहीं किये। जिसके कारण सैकड़ो लोगों की मौत भगदड़ में हुई। आयोजकों से बड़ी जिम्मेदारी जिला प्रशासन के अधिकारियों की है। उसके बाद सरकार की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन और सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे हैं। आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। नारायण साकार उर्फ भोले बाबा का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं है। बाबा फरार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना के दूसरे दिन सत्संग स्थल पर पहुंचे। उन्होंने साजिश की बात कहकर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। घायलों का उपचार नहीं हो पा रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर नर्स और दवाइयां नहीं है। घायलों को बचाने के लिए एंबुलेंस नहीं है। घायलों को अस्पताल में देखने के लिए मुख्यमंत्री जरूर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद भी घायलों और उनके परिजनों को कोई सहायता नहीं मिल पा रही है। जिनके परिजन भीड़ में दबकर मर गए हैं। उनका पोस्टमार्टम नहीं हुआ उन्हें शव नहीं दिए जा सके हैं। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। उनकी देखरेख नहीं हो पा रही है। जिनके परिजन अभी भी परिजनों को खोज रहे हैं।

नारायण की चरण रज बन गई मौत का तांडव!

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एटा को जोड़ने वाले नेशनल हाइवे 34 पर सिकन्द्राराऊ कस्बे से करीब चार किलोमीटर दूर है फुलराई गांव ।इसी गांव की सैकड़ों बीघा जमीन में नारायण साकार उर्फ भोले बाबा के प्रवचनों के लिए टेंट लगाया गया था ।निर्धारित समय पर प्रवचन शुरू हुआ और जब बाबा प्रवचन करके जाने लगे तो उनकी चरण रज पाने के लिए अचानक उनकी तरफ भीड़ उमड़ पड़ी ।दोपहर ढाई बजे भीड़ के बीच मची भगदड़ में बच्चे, महिला,बुजुर्ग व युवा भी एक दूसरे के नीचे दबकर कुचले जाते रहे और देखते ही देखते 122 बाबा भक्तों की जान चली गई जबकि बाबा भीड़ में कुचले अपने भक्तों की जान बचाने के बजाए बेरहमी के साथ वहां से भाग निकले और अभी तक फरार है ।इस हादसे में अधिकतर लोगों की मौत, आयोजन स्थल के उस पार हाइवे किनारे हुई है ।चश्मदीदों के मुताबिक, जो इस भगदड़ में गिरा वो उठ नहीं सका। दिन में हुई बारिश की वजह से भी मिट्टी गीली थी और फिसलन थी, इससे भी हालात और मुश्किल होते चले गए ।प्रवचन स्थल पर नारायण साकार विश्व हरि उर्फ. भोले बाबा के निकलने के लिए अलग से रास्ता बनाया गया था। बहुत सी महिलाएं बाबा के करीब से दर्शन पाने के लिए खड़ी थीं। जैसे ही सत्संग समाप्त हुआ, हाइवे पर भीड़ बढ़ गई,नारायण साकार जब अपने वाहन की तरफ जा रहे थे, उसी समय भगदड़ मची ।नारायण साकार के भक्त जब भगदड़ में फँसे थे, वो वहां रुके बिना बाबा आगे बढ़ गए। घायलों को आनन-फानन में सिकनद्राराऊ सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी के ट्रामा सेंटर के आंगन में लाशों का ढेर लग गया था। हाथरस में पत्रकारिता कर रहे बीएन शर्मा बताते हैं, ‟मैं चार बजे यहां पहुंचा. हर जगह लाशें पड़ी हुई थीं। एक लड़की की सांस चल रही थी। उसे इलाज नहीं मिल सका और मेरे सामने ही उसने दम तोड़ दिया। सिकन्द्राराऊ का यह सबसे बड़ा अस्पताल है लेकिन इसकी क्षमता इतनी बड़ी संख्या में हताहतों को संभालने के लिए काफी नहीं थी ।नारायण साकार के सत्संग में आने वाले अधिकतर लोग कमजोर आर्थिक वर्ग और पिछड़ी जातियों से हैं ।एक दूसरे के संपर्क में आने से ये अपने आप को बाकी सत्संगियों के करीब पाते हैं और जीवन में आ रही चुनौतियों के समाधान के लिए नारायण साकार का सहारा लेते हैं ।नारायण साकार हाथरस में पिछले कुछ सालों में कई बार सत्संग कर चुके हैं और हर बार पिछली बार से अधिक भीड़ होती है जो इस बात का इशारा है कि सत्संग से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ‟बाबा के सत्संग में मीडिया की एंट्री नहीं होती है, वीडियो बनाने पर रोक रहती है। सत्संग स्थल की साफ-सफाई भक्तगण खुद करते हैं और बाकी ज़िम्मेदारियां भी स्वयं ही संभालते हैं। भीड़ के प्रबंधन से लेकर ट्रैफिक के प्रबंधन तक का काम सत्संगियों के ही जिम्मे होता है। नारायण साकार की सुरक्षा में सत्संगियों का भारी दस्ता रहता है जो उनके इर्द-गिर्द चलता है, जिसकी वजह से नारायण साकार के करीब तक पहुंचना मुश्किल है। सत्संग के दौरान बाबा के पैरों और शरीर को धोने वाले जल जिसे ये भक्त चरणामृत कहते है, इस चरणामृत को लेने की होड़ भी भक्तों में मची रहती है ।भक्त बाबा के चरणों की धूल को आशीर्वाद समझते हैं और बाबा जहां से गुजरते हैं, वहां की मिट्टी को उठाकर ले जाते हैं। जब भगदड़ मची, बहुत सी महिलाएं इसी धूल को उठाने के लिए नीचे झुकी हुईं थीं। यही वजह है कि जब भगदड़ मची, बहुत से लोगों को उठने का मौका ही नहीं मिल पाया ।हाथरस हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जारी सूची के मुताबिक मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. इनमें से कई लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। हाथरस भगदड़ में अब तक 122 की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में बाबा भोले के सत्संग में मची भगदड़ के बाद अब अस्पताल में अपनों की तलाश में लोग भटक रहे हैं। हादसे में घायल और मृतकों को अलग-अलग अस्पताल में ले जाया गया है ।ऐसे में उनकी तलाश और बढ़ गई है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 122 तक पहुंच गई है। इनमें से कईयों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है ।इसके लिए प्रशासन की ओर मृतकों की सूची जारी की गई है। डीजीपी प्रशांत कुमार भी घटना स्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया ।डीजीपी ने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है। साथ ही एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य सचिव ने भी घटना स्थल का दौरा किया व घायलों से मिले ।उत्तर प्रदेश सरकार ने मृतको के परिजनों को 2 -2 लाख रुपये व घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। अधिकांश अनुयायियों की मौत दम घुटने के कारण हुई। हाल के वर्षों में हुई यह सबसे बड़ी त्रासदी है। कुछ लोगों का कहना है कि लोग प्रवचनकर्ता की कार के पीछे भागते समय कीचड़ में फिसल गए, जिससे भगदड़ मच गई। हाथरस जिले के फुलरई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग में शामिल होने के लिए लाखों अनुयायी पहुंचे हुए थे ।बाबा नारायण हरि, साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से चर्चित हैं। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं और लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं ।हाथरस के सिंकदराराऊ ट्रॉमा सेंटर के बाहर दिल दहला देने वाला मंजर था। भगदड़ में जान गंवाने वालों और बेहोश लोगों को एंबुलेंस में भरकर लाया गया, एंबुलेंस कम पड़ गईं तो लोग शवों को कार में भरकर अस्पताल लाने लगे, कार कम पड़ गई तो ऑटो में घायलों और दम तोड़ चुके लोगों को लाया जाने लगा। ऑटो कम पड़ गया तो टैंपों में भरकर उन लोगों को अस्पताल लाया गया ।सत्संग कराने वाला बाबा जो खुद को नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा कहता है, वो अंडरग्राउंड है। उसका कुछ पता नहीं चला है। देर रात यूपी पुलिस ने भोले बाबा की तलाश में मैनपुरी जिले के राम कुटीर चैरिटेबल ट्रस्ट में सर्च ऑपरेशन चलाया. वहीं आईजी शलभ माथुर ने कहा कि सत्संग आयोजकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घटना का दोषी कोई भी हो, वो बचेगा नहीं, उस पर कठोर कार्रवाई होगी ।सत्संग में करीब 1 से डेढ़ लाख लोग शामिल हुए थे। करीब 50 से 60 बीघा खेत में पंडाल लगाया गया था। सत्संग खत्म होने के बाद लोग अचानक बाहर की ओर निकले, लेकिन एग्जिट गेट बेहद संकरा था और रास्ते में नाला था। आसपास कीचड़ थी। इसी दौरान भगदड़ मची और लोग एक के ऊपर एक नाले में गिर गए और वहां करीब डेढ़-2 घंटे तक दबे रहे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि खेत में सत्संग का पंडाल लगा हुआ था। सत्संग का समापन होने के बाद गुरुजी की कार निकली। उनके चरण छूने के लिए लोग दौड़ पड़े और भगदड़ मच गई। कई लोग एक के ऊपर एक गिरते गए ।साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा का असली नाम सूरज पाल सिंह है। बाबा कासगंज के पटयाली के रहने वाले हैं। करीब 17 साल पहले पुलिस कांस्टेबल की नौकरी छोड़कर सत्संग करने लगे। नौकरी छोड़ने के बाद सूरज पाल नाम बदलकर साकार हरि बन गए। अनुयायी उन्हें भोले बाबा कहते हैं ।सत्संग में लोगों से बाबा कहते हैं कि मानव की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। सत्संग में आने से रोग मिट जाते हैं, मन शुद्ध होता है, यहां पर कोई भेदभाव नहीं, कोई दान नहीं और कोई पाखंड नहीं। दावा करते हैं यहीं सर्व समभाव है यहीं ब्रह्मलोक है, यहीं स्वर्ग लोक है।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था।

बदलाव के कानून, न्याय की ओर

-ललित गर्ग

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां को दूर करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना नये भारत की अपेक्षा है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, कानूनी प्रावधान न्यायसंगत एवं अपराध-नियंत्रण का माध्यम हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। 1 जुलाई, 2024 से भारत आपराधिक न्याय के एक नए युग की शुरूआत होने जा रही है। न्याय का एक नया सूरज उदित हो रहा है, जब पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरेंगे। इस दृष्टि से यह कानून से जुड़ी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी और नया परिवेश देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि कानूनी बदलाव से जुड़े ये तीनों विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। अंग्रेजों के बनाये कानून क्या स्वतंत्र भारत में साढे.सात दशक बाद भी लागू रहने चाहिए, यह लम्बे समय से विमर्श का विषय बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये, अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने का साहसिक एवं प्रासंगिक कदम उठाते हुए नए कानून लाने एवं उन्हें लागे करने का बड़ा कदम उठाया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य है। विपक्षी दलों ने सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को भले ही व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाने की अपेक्षा व्यक्त की हो, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। इन कानूनों को बनाने का मूल उद्देश्य अपराधमुक्त समाज की संरचना करना है। इसीलिये अपराधियों को कड़े दण्ड देने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी। अंततः अब पुलिस को अनुशासित बनाने के साथ-साथ कारगर बनाने की ओर देश ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस प्रशासन की सफलता इसी में है कि तमाम लोगों को यह महसूस हो कि कानून न्यायपूर्ण ढंग से लागू किया जा रहा है। एक पहलू यह भी है कि पुलिस प्रशासन को कुशल और सक्षम बनाने के लिए संसाधनों की कमी आड़े नहीं आए। जिस स्तर की सेवा की उम्मीद लोग पुलिस से कर रहे हैं, उसके लिए सरकारों को पुलिस पर व्यय बढ़ाना होगा। सक्षम और सहयोगी पुलिस हमारे तेज विकास में कारगर होगी। पुलिस को प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाने के तंत्र भी नये तरीके से विकसित करने होंगे। एक तरह से इन कानूनी प्रावधानों को सहज एवं सरल बनाने के प्रयास किये गये हैं। ध्यान रहे, पिछले कानूनों में यह बड़ी कमी थी कि वे गरीबों को न्याय दिलाने में असमानता के द्योतक थे। उन कानूनों का इस्तेमाल गरीबों के खिलाफ जितनी आसानी से होता था, उससे कहीं ज्यादा कठिनाई से अमीरों के खिलाफ मामले दर्ज होते थे। आरोप सिद्ध होने या सजा के मामले में भी गरीबों को ही ज्यादा भुगतना पड़ता था। औपनिवेशिक युग के निर्मम या गरीब विरोधी कानूनों को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी। अब इन नये तीन कानूनों ने ब्रिटिश काल के तीन कानूनों की जगह ले ली है, इसका एहसास कराना होगा कि ब्रिटिश हिसाब से बने कानून अब देश में नहीं चल रहे हैं। नए कानूनों में यह ताकत है कि इनसे अपने यहां संपूर्ण न्याय प्रणाली में आम नागरिकों के अनुरूप आधुनिक बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने अपना काम कर दिया है और अब राज्यों को अपने स्तर पर इन अच्छे एवं प्रभावी कानूनों को लागू करने की पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और देश के ज्यादातर राज्यों में पुलिस जिस तरह से प्रशिक्षित हो रही है, इससे जुड़ी खबरों का सामने आना भी सुखद है। सक्षम और सहयोगी पुलिस नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत में कारगर होगी। सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच-पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। निश्चित ही जहां सरकार वर्तमान संदर्भ के अनुरूप कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है वहीं उसे कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं पुलिस-व्यवस्था को सुधारने एवं सक्षम बनाने के लिये साधन-सुविधाओं को सुलभ कराने के लिये तत्पर होना होगा। नये कानून एवं नयी आधुनिक अदालते कल के भारत को और मजबूत करेगी। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने में इनकी सर्वाधिक सार्थक भूमिका होगी। सरकार अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में न्याय-प्रक्रिया को संचालित करने के लिये भी प्रतिबद्ध है।

नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर तारीख के दिन लद जाएंगे। एक जुलाई से लागू हो रहे आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नये कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआइआर से लेकर फैसले तक को समय सीमा में बांधा गया है। आपराधिक ट्रायल को गति देने के लिए नये कानून में 35 जगह टाइम लाइन जोड़ी गई है। शिकायत मिलने पर एफआइआर दर्ज करने, जांच पूरी करने, अदालत के संज्ञान लेने, दस्तावेज दाखिल करने और ट्रायल पूरा होने के बाद फैसला सुनाने तक की समय सीमा तय है।

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

- ललित गर्ग

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है। भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन शुभ है और आज आपको हर मामले में जीवनसाथी का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

तुला आपको सफलता प्राप्त होगी। आपके सभी कार्य बिना किसी बाधा के आराम से पूर्ण हो जाएंगे।

वृषभ आज आप पूरे उत्साह से जो भी काम करेंगे उसमें निश्चित रूप से कामयाबी मिलेगी।

वृश्चिक आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको नई योजनाओं पर काम करने में मजा आएगा।

मिथुन फाइनेंस से जुड़े फैसले आज ले लें। आगे के दो तीन दिनों में आपके पास समय की कमी रहेगी।

धनु आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आज आपको कुछ मामलों में काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी।

कर्क दिन करियर के मामले में सफलता से भरा होगा। दिन कोई पुराना रुका कार्य करने में बीतेगा।

मकर भाग्य का साथ मिलेगा और आपके दिन का अधिकांश हिस्सा मेहनत और भागदौड़ में बीतेगा।

सिंह दिन लाभ से भरा होगा ऑफिस में कलीग्स आपके टीमवर्क के जज्बे को अच्छी तरह समझेंगे।

कुंभ अनुकूलता में बीतेगा। आज सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार रहेगा।

कन्या बातों पर ध्यान देने की बजाए हॉबी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचेंगे तो आपको फायदा होगा।

मीन आज का दिन परेशानियों वाला होगा। सुबह आप जिन बातों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

विशेष

राहुल के हिंदू वाले बयान पर विवाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदू और हिंदुत्व को भाजपा की हिंसा से जोड़कर एक नया विवाद पैदा कर दिया है। राहुल गांधी ने सदन में कहा जो लोग 24 घंटे हिंसा और नफरत की बात करते हैं। वह हिंदू नहीं हो सकते हैं। हिंदू अहिंसक है। भगवान शिव और गुरु नानक देव की तस्वीर सदन में दिखाते हुए उन्होंने अहिंसा की याद भाजपा को दिलाई। इससे भाजपा बिफर गई है। भाजपा ने राहुल गांधी को हिंदुत्व के मुद्दे में घेरना शुरू कर दिया है। डर-भय, अहिंसा बाटों और राज करो पर राहुल गांधी का अभी तक का सबसे बड़ा तगड़ा हमला है। राजनीति अब नए रूप में उभर रही हैं। आने वाले समय में भारतीय राजनीति में मंडल- कमंडल के बाद अब एक नये राजनीतिक परिवर्तन की शुरूआत होने जा रही है। राजनीतिक विचारधारा पिछले 30 वर्षों से तीन भागों में बंट गई थी।

कांग्रेस की गुटबाजी कैसे रुकेगी

2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को,पार्टी नई दिशा में ले जाने के लिए सफलता मिली है। कांग्रेसजनों में उत्साह और विश्वास बढ़ा है। चुनाव के पहले कांग्रेस नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में जा रहे थे। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद राहुल गांधी की पार्टी में पकड़ बढ़ गई है। लेकिन गुटबंदी नीचे के नेताओं में बढ़ती जा रही है। इस गुटबंदी को कैसे नियंत्रित करेंगे। इसकी चचाएँ होने लगी हैं। गुटबाजी नहीं रुकी, तो आगे का सफर कांग्रेस के लिए मुश्किल होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1528: इंग्लैंड में प्लेग महामारी के रूप में फैला, 1700: रूस और तुर्की युद्ध में संधि 1760: मीर जाफर का बेटा मीरान गंगा नदी के किनारे पटना में मारा गया. 1779: फ्रांसिसी फौज ने ग्रेनाडा पर कब्जा किया. 1789: ईस्ट इंडिया कंपनी ने टीपू के खिलाफ निजाम और पेशवा से संधि की. 1798: नेपोलियन बोनापार्ट ने सिकंदरिया पर कब्जा किया. 1884: सिलीगुड़ी और दार्जीलिंग के बीच खिलौना गाड़ी का चलना शुरू हुआ. 1887: ब्रिटेन और रूस ने अफगानिस्तान के बरे में समझौता किया. 1902: स्वामी विवेकानंद का निधन. 1946: अमरीका के 47 वर्ष के शासन के बाद फिलीपींस गणराज्य की स्थापना हुई. 1957: सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति वी. मलातोव, डी. जेशेपिलोव और जी.एम मालेनकोव को हटा दिया गया.

दैनिक पंचांग

4 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.16 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	08.32 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.44 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.55 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.09 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	17.25 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.30 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.17 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.50 बजे से
राहुकाल		मेष	00.20 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	02.00 बजे से
		मिथुन	03.59 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 186 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 05.55 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 04.58 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 03.55 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 07.00 बजे तदनन्तर वृद्धि 05.14 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** वणिज 05.55 बजे, विष्टि 17.24 बजे तदनन्तर शकुनि 04.58 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 51'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872030
जूलियन दिन 2460495.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445**महीना** जिल्हेज **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

पारियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

संक्षिप्त समाचार

पहले ही दिन बंपर मुनाफा, 100 रुपये का शेयर 250 रुपये के पार पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी डिफ्नेस्टेन टेक ने शेयर बाजार में उतरते ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। डिफ्नेस्टेन टेक के शेयर 140 पर्सेंट के जबरदस्त फायदे के साथ 240 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 100 रुपये था। डिफ्नेस्टेन टेक का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 जून 2024 को खुला था और यह 28 जून तक ओपन रहा। डिफ्नेस्टेन टेक के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 22.08 करोड़ रुपये का था। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में स्स्थ प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं।जबरदस्त लिस्टिंग के बाद डिफ्नेस्टेन टेक के शेयरों में अपर सर्किट लग गया है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 252 रुपये पर पहुंच गए हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 95.50 पर्सेंट थी, जो कि अब 69.97 पर्सेंट रह गई है। कंपनी के प्रमोटर जे के ट्रेडर्स लिमिटेड, अभिषेक सिंघानिया, विपुल प्रकाश और टीना प्रकाश हैं। डिफ्नेस्टेन टेक का आईपीओ टोटल 53.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 35.87 गुना दांव लगा। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 154.99 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 9.60 गुना दांव लगा। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 120000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

बाजार में उतरते ही लगा अपर सर्किट, आयरन कंपनी के शेयरों की जबरदस्त लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। व्रज आयरन एंड स्टील की शेयर बाजार में शानदार शुरुआत हुई है। व्रज आयरन एंड स्टील के शेयर करीब 16 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 240 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भी 240 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में व्रज आयरन एंड स्टील के शेयर का दाम 207 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 जून को खुला था और यह 28 जून तक ओपन रहा। व्रज आयरन के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 171 करोड़ रुपये का था। व्रज आयरन एंड स्टील के शेयर शानदार लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट में पहुंच गए हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 252 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 251.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी बिलासपुर प्लांट में एक्सपैंशन प्रोजेक्ट में करेगी। साथ लोन रिपेमेंट और जनरल कॉरपोरेट पर्पज में इस फंड का उपयोग करेगी। व्रज आयरन एंड स्टील का आईपीओ टोटल 126.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 58.31 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 221.66 गुना दांव लगा। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 173.99 गुना सब्सक्राइब हुआ है।

महंगााई की पिच पर टमाटर का शतक, आलू का अर्धशतक और प्याज नर्वस 90 पर

नईदिल्ली, एजेंसी। लगभग पूरे देश में मानसून के छा गया है। झमाझम बारिश के बीच आलू, टमाटर और प्याज के भाव आसमान छूने लगे हैं। खुदरा मार्केट में महंगाई की पिच पर टमाटर शतक लगा चुका है। प्याज नर्वस 90 पर है और आलू अर्धशतक की ओर बढ़ रहा है। मंगलवार को देश में टमाटर का अधिकतम मूल्य 130 रुपये रहा। जबकि, प्याज 90 और आलू 80 रुपये पर पहुंच गया। ये आंकड़े उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट से लिए गए हैं।

मानसून से प्रभावित अधिकतर शहरों में टमाटर के भाव 100 रुपये के पार पहुंच गए हैं। हालांकि, सबसे कम रेट 18 रुपये किलो और औसत रेट 54.42 रुपये है। मंगलवार को सबसे महंगा टमाटर 116.67 रुपये किलो अंडमान निकोबार में रहा। यहां प्याज 60 और आलू 61.67 रुपये किलो बिका।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मंगलावर को यूपी में टमाटर का औसत रेट 46.47 रुपये किलो रहा। जबकि, हकीकत में छोटे-बड़े कस्बों में यह 25 रुपये के 250 ग्राम यानी 100 रुपये किलो बिका। यहां प्याज 41 और आलू 30 रुपये किलो बिका। बिहार की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के मुताबिक टमाटर 40.19 रुपये, प्याज 35.89 रुपये और आलू 30.23 रुपये किलो बिका। दिल्ली में प्याल 50, टमाटर 40 और आलू 40 रुपये किलो रहा।

मेघालय में आूल का फुटकर रेट 37.4 रुपये, प्याज 48.1 रुपये और टमाटर 81.5 रुपये किलो रहा। मिजोरम में आलू 43.45 रुपये, प्याज 57.09 रुपये और टमाटर 81.36 रुपये किलो बिका। वहीं, नगालैंड में मंगलवार को आलू 33.38 रुपये, प्याज 59.38 रुपये और टमाटर 76.56 रुपये किलो रहा। सिक्किम में आलू 36.6, प्याज 56 और टमाटर 71.2 रुपये प्रति किलो के औसत रेट से बिका। अरुणाचल प्रदेश में आलू 38.33, प्याज 46.67 और 70 रुपये किलो बिका। त्रिपुरा में आलू 34.25, प्याज 46.75 और टमाटर 65.25 रुपये पर पहुंच गया। आसाम में आलू 32.21, प्याज 42.54 और टमाटर 61.3 रुपये किलो बिका।

सिर्फ 25 हजार से शुरू किया था काम, आज 7,000 करोड़ का महासाम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। शशि किरण शेट्टी कर्नाटक के रहने वाले जाने-माने उद्यमी हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से विशाल कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया है। 25 साल की उम्र में सिर्फ 25,000 रुपये से शुरू हुआ उनका व्यवसाय आज ऑलकार्गो ग्रुप के रूप में जाना जाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा एलसीएल कंसोलिडेटर है। इस कंपनी की कीमत लगभग 7,000 करोड़ रुपये है।

नौकरी की तलाश में आए मुंबई

कर्नाटक में जन्मे शशि किरण शेट्टी ने सिर्फ 25 साल की उम्र में 25,000 रुपये से अपना बिजनेस शुरू किया था। आज उनकी कंपनी ऑलकार्गो ग्रुप दुनिया की सबसे बड़ी एलसीएल कंसोलिडेटर है, जिसकी कीमत लगभग 7,000 करोड़ रुपये है। शेट्टी का जन्म 7 जून 1957 को हुआ था। उन्होंने श्री वेंकटरामन स्वामी कॉलेज से कॉमर्स की पढ़ाई की। नौकरी की तलाश में 1978 में वह मुंबई आ गए थे।

कई कंपनियों में नौकरी के बाद अपना कारोबार

मुंबई आकर शशि किरण शेट्टी ने इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट एंड ट्रेडिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड में नौकरी शुरू की। फिर फोर्ब्स गोकाक में काम किया। सिर्फ 25 साल की उम्र में उन्होंने ट्रांस इंडिया फ्रेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नाम से अपना बिजनेस शुरू किया। 1994 में उन्होंने ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड की शुरुआत की।

आज 180 देशों में ऑफिस

आज ऑलकार्गो ग्रुप में 4,500 से ज्यादा कर्मचारी हैं। 180 देशों में इसके कार्यालय हैं। कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी एलसीएल कंसोलिडेटर है। एलसीएल का मतलब है लेस दैन कंटेनर लोड यानी जब सामान पूरे कंटेनर को भरने के लिए पर्याप्त नहीं होता है। शेट्टी की कंपनी की मार्केट वैल्यू लगभग 7,000 करोड़ रुपये है।

सफलता के मूल मंत्र

शशि की सफलता के मूल मंत्र- कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, दूरदर्शिता और इनोवेशन हैं। वह न केवल एक सफल उद्यमी हैं, बल्कि एक परोपकारी व्यक्ति भी हैं। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शशि किरण शेट्टी उन युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो जीवन में बड़ा सपना देखते हैं और उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं।

एलन मस्क पर डॉलर की बारिश, टॉप लूजर से गेनर की लिस्ट में हुए शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे रईस अरबपति एलन मस्क पर पिछले दो-तीन दिन में डॉलर की खूब बारिश हुई है। ऐसी बारिश से इस साल की कमाई में टॉप लूजर रहे मस्क अब टॉप गेनर की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। दो दिन में इनकी संपत्ति करीब 24 अरब डॉलर बढ़ी है। साल 2024 की कमाई के मामले में अभी भी टॉप पर हैं। इनका नेटवर्थ इस साल 63.7 अरब डॉलर बढ़कर 108 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर पिछले 5 दिन में 24 प्रतिशत से अधिक उछल चुके हैं। इसका असर मस्क की दौलत पर भी पड़ा। इससे मस्क ने मंगलवार को एक ही दिन में 15.3 अरब डॉलर कमाया। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में मस्क अब 241 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ टॉप पर हैं। दूसरे नंबर पर अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस हैं। इनकी कुल संपत्ति 222 अरब डॉलर है।

एशिया के दूसरे नंबर के रईस गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में जेनसेन हुआंग से पिछड़ गए हैं। हुआंग अब 108 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ 13वें स्थान पर हैं। अडानी 104 अरब डॉलर के साथ 14वें पोजीशन पर हैं। मुकेश अंबानी 118 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ 11वें स्थान पर काबिज हैं।

एलन मस्क से ठीक पीछे सावित्रि जिंदल

इस कमाई के मामले में एलन मस्क 17वें स्थान पर हैं। इनके ठीक पीछे भारत की सावित्रि जिंदल हैं। जिंदल दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 44वें पोजीशन पर हैं। उनकी संपत्ति इस साल 11.4 अरब डॉलर बढ़कर 36.1 अरब डॉलर हो गई है। मस्क ने अपने नेटवर्थ में इस साल 12.4 अरब डॉलर जोड़ा है।

अनएकेडमी में एक बार फिर छंटनी, 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। एडुटेक स्टार्टअप अनएकेडमी ने कंपनी में एक बार फिर छंटनी की है। इस बार कंपनी ने 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। सॉफ्टबैंक के सपोर्ट वाले एडुटेक स्टार्टअप अनएकेडमी ने डिस्ट्रिब्यूशन समेत अन्य डिपार्टमेंट से लगभग 100 लोगों को निकाला है जबकि अन्य छंटनी सेल्स डिपार्टमेंट से हुई है। बता दें कि अनएकेडमी ने छंटनी की पुष्टि की है। इकोनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक छंटनी की पुष्टि करते हुए अनएकेडमी ने कहा- परिचालन को सुव्यवस्थित करने और व्यावसायिक स्किल बढ़ाने के हमारे चल रहे प्रयासों के तहत हमने एक फैसला लिया है। यह कंपनी के लक्ष्यों और आउटलुक को ध्यान में रखते हुए जरूरी था। हम अपने सभी प्रयासों को स्थायी विकास और मुनाफे पर केंद्रित करते हैं। इस वजह से कुछ भूमिकाएं प्रभावित हुई हैं। बता दें कि मार्च 2023 में अनएकेडमी ने छंटनी की थी। इससे कंपनी के वर्कफोर्स में 12 प्रतिशत की कमी आई। कंपनी ने अप्रैल 2022 में लगभग 1,000 संविदा और पूर्णकालिक कर्मचारियों को निकाल दिया था। अनएकेडमी के मैनेजमेंट में भी उथल-पुथल का माहौल है। पिछले महीने कंपनी के सह-संस्थापक हेमेश सिंह ने मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में पद छोड़ दिया और अब वह एडवाइजर की भूमिका में हैं।

एनबीएफसी बिजनेस से जोमैटो ने बनाई दूरी, कंपनी के शेयर ने रच दिया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली लीडिंग कंपनी जोमैटो ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया है। कंपनी ने 2 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि आवेदन वापस लेने का निर्णय पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जोमैटो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के बोर्ड द्वारा लिया गया था। जोमैटो ने कहा कि इससे कंपनी के राजस्व/संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हाल ही में मनीकंट्रोल ने बताया कि फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो अपने पार्टनर रेस्तरां को वर्किंग कैपिटल लोन प्रोवाइड करने के लिए कई एनबीएफसी के साथ बातचीत कर रही थी। कंपनी ने साल 2020 में अपने पार्टनर रेस्तरां को कोविड महामारी के दौरान मदद करने के लिए लोन देने के कारोबार में प्रवेश किया। जोमैटो ने पेमेंट एग्रीगेटर प्राधिकरण (पीए) के लिए आवेदन करने के लिए अगस्त 2021 में जोमैटो पेमेंट प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया और फरवरी 2022 में जोमैटो फाइनेंशियल सर्विसेज को रजिस्टर्ड किया, लेकिन अपना एनबीएफसी लाइसेंस प्राप्त करने में विफल रही। कंपनी ने अपना पीए/पीजी लाइसेंस सरेंडर कर दिया।

इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वाली कंपनियों का वारंटी के नाम पर भरमाने का बंद होगा खेल

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वाली कंपनियों पर सख्त रुख अख्तियार किया है। सरकार का कहना है कि वॉरंटी के नाम पर उपभोक्ताओं को धोखा देने की कोशिश न की जाए। सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनियां वॉरंटी को लेकर ग्राहकों को साफ-साफ जानकारी मुहैया करवाएं। कंपनियां उत्पाद खरीदने वालों को उत्पाद की वॉरंटी अवधि के बारे में सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

केंद्र सरकार ने कहा कि किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद की वारंटी उसकी बिक्री की तारीख से होती है न कि मैन्युफैक्चरिंग डेट से। इस तरह की शर्त रखने उत्पाद की वारंटी कम हो जाता है। रिपोर्ट की मानें, तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 2(9) के तहत ग्राहक को किसी भी उत्पाद की सर्विस, गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक और कीमत के बारे में बिक्री से पहले सूचना पाने का अधिकार है।

असली वारंटी काफी कम समय की

अक्सर देखने में आता है कि उपभोक्ता को उत्पाद की वारंटी के बारे में काफी घुमा-फिराकर बताया जाता है, जिसमें कई शर्तें छुपी होती हैं। सामान पर 5 से 10 साल की वॉरंटी की बात कही जाती है, जबकि उसके विवरणों का बारीकी से अध्ययन करने पर असली वारंटी काफी कम समय की होती है। उसमें भी तमाम तरह की शर्तें भी जोड़ी गई होती हैं। या फिर वारंटी किसी एक पुर्जे पर ही होती है जिसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।

भ्रामक विज्ञापनों पर सख्ती की तैयारी

केंद्र सरकार जल्द ही उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए 125-दिवसीय योजना के तहत आईएएस कोचिंग संस्थानों के लिए भ्रामक विज्ञापनों, सरोगेट विज्ञापनों, ग्रीनवाशिंग और अनचाहे कॉल पर दिशा-निर्देश जारी करेगी। भ्रामक विज्ञापनों और लोगों को खरीदारी के लिए लुभाने वाली अनैतिक भ्रामक प्रथाओं के माध्यम से उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन के बढ़ते मामलों के कारण यह कदम उठाया जाएगा। मामले से जुड़े दो सूत्रों ने कहा, हम उपभोक्ता से संबंधित अधिकांश मुद्दों के लिए दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में सभी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी कर दिया जाएगा। दिशा-निर्देश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाएंगे। मसौदा नियमों के अनुसार, सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों को उनकी सहमति के बिना अपने विज्ञापनों में टॉपर्स के व्यक्तिगत विवरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। ये दिशा-निर्देश भ्रामक और भ्रामक व्यापार प्रथाओं पर लगाम लगाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं।

सेबी ने बढ़ा दी डीमैट खाते की लिमिट

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में छोटे निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने और उन पर पड़ने वाले बोझ को कम करने के लिए सेबी ने बेसिक सर्विस डीमैट अकाउंट में न्यूनतम राशि की सीमा को दो लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है। यह नई लिमिट 1 सितंबर, 2024 से लागू होगी।

कई मायनों में अहम है यह फैसला

सेबी का यह फैसला कई मायनों में काफी अहम है। सेबी के इस कदम से बेसिक सर्विसेज डीमैट अकाउंट में रखी जानी वाली संपत्ति की सीमा बढ़ने से छोटे निवेशकों का शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ेगा, उनकी वित्तीय पहुंच बढ़ेगी।

इस खाते में पोर्टफोलियो का मूल्य अगर चार लाख रुपये तक है, तो सालाना शुल्क शून्य होगा। चार लाख से 10 लाख रुपये के बीच सिर्फ 100 रुपये का सालाना शुल्क लगेगा। अगर पोर्टफोलियो का मूल्य 10 लाख रुपये से ज्यादा होता है तो बीएसडीए खाता अपने आप ही नियमित डीमैट खाते में तब्दील हो जाएगा। खाताधारक को इलेक्ट्रॉनिक स्टेटमेंट के लिए कोई चार्ज नहीं देना होगा, फिजिकल स्टेटमेंट के लिए 25 रुपये/स्टेटमेंट देने होंगे।

बता दें सेबी ने साल 2012 में बीएसडीए खाता लॉन्च किया था। यह स्टैंडर्ड डीमैट खाते का एक सरल प्रारूप है, इसका मकसद छोटे-छोटे निवेशकों के पोर्टफोलियो पर लगने वाले डीमैट शुल्कों को कम करना था। डिपॉजिटरी और म्यूचुअल फंड-आरटीए को डिफॉल्ट रूप में ईमेल के जरिये कंसॉलिडेटेड एकाउंट स्टेटमेंट भेजना होगा। बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को कहा कि अनिवार्य रूप से ऐसा करना होगा। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने एक सर्कुलर में कहा कि नया ढांचा एक सितंबर से लागू होगा। कंसॉलिडेटेड एकाउंट स्टेटमेंट एक एकल या संयुक्त खाता विवरण है, जिसमें एक महीने के दौरान सभी म्यूचुअल फंड और डीमैट तरीके से रखी गई अन्य प्रतिभूतियों में निवेशक के वित्तीय लेनदेन का विवरण रहता है।

डॉ. देवी शेट्टी ने किया है कमाल, एक करोड़ रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा

महज 10 हजार रुपये के सालाना प्रीमियम में

बेंगलुरु, एजेंसी। इस समय जिस तरह से हॉस्पिटल में इलाज महंगा हो रहा है, अच्छे-अच्छे की हालत एक ही बीमारी में खस्ता हो जाती है। इसलिए, मध्यम वर्ग ही नहीं, निम्न मध्यम वर्ग में भी हेल्थ इंश्योरेंस की एक पॉलिसी अवश्य लेने लगे हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम बहुत ज्यादा बढ़ गया है। कोरोना काल के बाद तो इसमें खूब बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में नारायण हेल्थ वाले डा. देवी शेट्टी उम्मीद की एक किरण बन कर उभरे हैं। जी हां, उन्होंने एक ऐसा इंश्योरेंस प्रोडक्ट लॉन्च करने की घोषणा की है, जिसमें महज 10 हजार रुपये के सालाना प्रीमियम पर एक करोड़ रुपये का इंश्योरेंस मिलेगा।

डॉ देवी शेट्टी की नारायण हेल्थ भारत का पहला ऐसा हॉस्पिटल चेन बन गया है, जिसके पास एक बीमा कंपनी भी है। मतलब कि इसने इंश्योरेंस इकोसिस्टम से एक बिचौलिये को हटा दिया है। अस्पताल के इंश्योरेंस प्रोडक्ट का नाम अदिति है। इसमें 10,000 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर व्यापक पारिवारिक कवरेज प्रदान करने की बात है। इस पॉलिसी में सर्जरी के लिए 1 करोड़ रुपये की बीमा राशि और नारायण हेल्थ नेटवर्क अस्पतालों में इलाज की लागत का 5 लाख रुपये शामिल है।

कैसे अफोर्डेबल हुई पॉलिसी

हेल्थ इंश्योरेंस में आमतौर पर एक बीमा कंपनी, एक अस्पताल और एक मरीज शामिल होता है। डॉ शेट्टी का कहना है कि अस्पताल और बीमा कंपनी को मिलाकर वह दो संस्थाओं में मुनाफा सुनिश्चित करने की आवश्यकता को खत्म कर रहे हैं, जिससे बीमा अधिक किफायती हो जाएगा। चूंकि दावा निपटान प्रक्रिया नारायण हेल्थ नेटवर्क के भीतर होगी, इसलिए इससे परेशानी मुक्त होने की भी उम्मीद है, जिससे मरीज अपने स्वास्थ्य और रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

नारायण हेल्थ ने अदिति पॉलिसी को फिलहाल एक पायलट प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में मैसूर के आसपास के चार जिलों में लॉन्च करने की योजना बनाई है। इसके बाद इसे कर्नाटक के शेष जिलों में विस्तार किया जाएगा। डा. शेट्टी ने बेंगलुरु में पिछले दिनों कहा नारायण अदिति को परिवारों को चिकित्सा खर्चों के वित्तीय बोझ से बचाने और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान मानसिक शांति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अदिति के लॉन्च के साथ, हम हर भारतीय के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा पर निकल पड़े हैं।

उन्होंने कहा, प्राथमिक लक्ष्य प्रीवेंटिव हेल्थ चेकअप को बढ़ावा देना है। डा. शेट्टी का कहना है इस योजना के तहत बीमाकृत लोगों के लिए सभी प्रकार के टेस्ट नारायण हेल्थ पर रियायती दरों पर उपलब्ध होंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई डायबिटिक का शुगर पेशेंट है, तो हमारी 24-घंटे की हेल्पलाइन उस व्यक्ति के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को ट्रैक करेगी। यदि उन्होंने अपने ब्लड शुगर के लेवल की जांच नहीं की है, तो हम उन्हें ऐसा करने के लिए कहेंगे। और, जैसे-जैसे यह योजना आगे बढ़ेगी, हम नमूने लेने के लिए उनके घर भी जा सकते हैं।

डॉ. शेट्टी ने कहा कि विकासशील देशों ने अपनी सरकारी स्वास्थ्य नीतियों में मलेरिया, तपेदिक और एचआईवी को प्राथमिकता देकर गलती की है। उन्होंने कहा कि जहां इन बीमारियों के कारण सालाना 12 लाख से 20 लाख मौतें होती हैं, वहीं सुरक्षित सर्जरी तक पहुंच की कमी के कारण दुनिया भर में 1.70 करोड़ लोग काल के गाल में समा जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत, रूस का पुराना मित्र... रूसी दूत ने पीएम मोदी की संभावित यात्रा पर कही ये बात

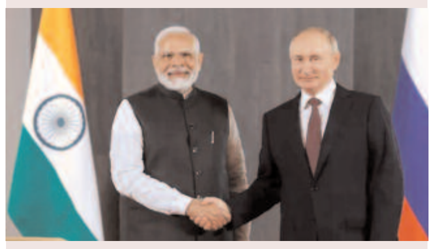

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में रूस के दूत ने भारत को अपने देश का पुराना मित्र करार दिया है। उन्होंने कहा कि रूस के भारत के साथ विशेष रणनीतिक साझेदारी के संबंध हैं और उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित रूस यात्रा से द्विपक्षीय संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वेसीली नेबेंजिया ने सोमवार को यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान पीएम मोदी की संभावित मास्को यात्रा के बारे में पूछे गए प्रश्न पर यह बात कही। यह संवाददाता सम्मेलन रूस द्वारा जुलाई के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करने के अवसर पर आयोजित किया गया था। नेबेंजिया ने कहा, भारत के साथ हमारे विशेष रणनीतिक साझेदारी संबंध हैं। भारत, रूस का पुराना मित्र है। हम कई क्षेत्रों में सहयोग करते हैं। मुझे लगता है कि इन सभी सहयोग के क्षेत्रों पर एक ठोस बातचीत होगी। भारत और रूस अगले सप्ताह मोदी की मास्को की संक्षिप्त यात्रा की संभावना पर विचार कर रहे हैं। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच व्यापक बातचीत होगी। अगर यह यात्रा होती है तो पीएम मोदी का करीब पांच वर्ष बाद यह पहला रूस दौरा होगा। उन्होंने अंतिम बार 2019 में रूस की यात्रा की थी।

सीरियल किलर नर्स पर फिर लगा नवजात को मारने का आरोप, ब्रिटेन की अदालत ने हत्या के प्रयास का पाया दोषी

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में नर्स लुसी लेटबी पर बच्चों को मारने के आरोप में कोर्ट ने सुनवाई किया है। यू.के. की एक जूरी ने मंगलवार को बच्चों के एक सीरियल किलर लूसी लेटबी को अस्पताल के नवजात शिशु इकाई में एक और बच्ची की हत्या के प्रयास का दोषी ठहराया है। इससे पहले वह सात नवजात शिशुओं की हत्या और छह अन्य को मारने का प्रयास करने के आरोप में पहले ही दोषी साबित हो चुकी हैं। इस नए मामले में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए बताया कि यह घटना लगभग एक साल पहले हुई है, जब एक अलग जूरी ने पूर्व नर्स को सात नवजात शिशुओं की हत्या और छह अन्य को मारने का प्रयास करने का दोषी ठहराया था। लुसी इस हत्या के आरोप के बाद आधुनिक इतिहास में ब्रिटेन की सबसे कुख्यात बच्चों को मारने वाली सीरियल किलर बन गई। पिछले साल उसके मूल मुकदमे में जूरी सदस्य नर्स पर लगे आरोप पर फैसला सुनाने में विफल रहे। हालांकि, इस बार मामले की सुनवाई करने वाली जूरी को सर्वसम्मति से दोषी करार देने में तीन घंटे से ज़्यादा का समय लगा। लेटबी, जो पहले से ही आजीवन कारावास की सजा काट रही है और उनपर शुक्रवार को नवीनतम अपराध के लिए सजा सुनाई जाएगी। पुनः सुनवाई के दौरान, जूरी सदस्यों ने सुना कि पूर्व नर्स को एक वरिष्ठ सलाहकार ने लगभग रंगे हाथों पकड़ा था, जब उसने चाइल्ड के की श्वास नली को हटा दिया था।

भारत ने किया दखल तो इटली प्रशासन ने की कार्रवाई, भारतीय मजदूर सतनाम की मौत का जिम्मेदार मालिक गिरफ्तार

रोम एजेंसी। इटली की पुलिस ने कृषि उपकरण से हाथ कटने के कारण हुई एक 31 वर्षीय भारतीय श्रमिक की मौत के मामले में एक खेत के मालिक को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजकों ने यह जानकारी दी। एएनएसए समाचार एजेंसी के अनुसार, खेत के मालिक ने खून से लथपथ श्रमिक को ऐसे ही छोड़ दिया था और एम्बुलेंस तक को फोन नहीं किया तथा अत्यधिक खून बहने के कारण श्रमिक की मौत हो गई थी। यह घटना तब घटी थी जब श्रमिक पिछले महीने रोम के निकट लाजियो में स्ट्रॉबेरी को मशीन से तोड़ रहा था। मजदूर की दो दिन बाद रोम के एक अस्पताल में मौत हो गई, जहां उसे एयरलिफ्ट किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने मंगलवार को कथित गैंगमास्टर एंटोनेलो लोवाटो को सिंह की हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया।

कैरेबियाई द्वीप समूह में तबाही के बाद मैका की ओर बढ़ा 'बेरिल, 6 लोगों की मौत

कैरेबियाई द्वीप, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी कैरेबियाई द्वीप समूह में तबाही मचाने के बाद तूफान 'बेरिल अब जमैका की ओर बढ़ रहा है तथा इसके कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, जमैका, ग्रांड केमैन, लिटल केमैन और केमैन ब्राक में तूफान की चेतावनी दी गई है। बेरिल की तीव्रता कम हो रही है लेकिन पूर्वानुमान है कि जब यह तूफान बुधवार तड़के जमैका के पास, बृहस्पतिवार को केमैन द्वीप के पास और शुक्रवार को मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के पास से गुजरेगा तब भी यह शक्तिशाली रहेगा। सोमवार देर शाम को बेरिल श्रेणी-पांच के तूफान के रूप में मजबूत हो गया था जिसके कारण 270 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके बाद यह श्रेणी-चार के तूफान के रूप में थोड़ा कमजोर हो गया लेकिन अब भी ताकतवर है। मंगलवार रात को तूफान जमैका के किंगस्टन से करीब 480 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में था। बेरिल से जमैका में खतरनाक गति से हवा चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है और अधिकारियों ने बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में रह रहे लोगों को मकान खाली करने की चेतावनी दी।

फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर कार्लसन का दावा- ओबामा का बाइडन को समर्थन केवल छल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले हालिया बहस में रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से राष्ट्रपति जो बाइडन के पिछड़ने के बाद मजबूत प्रत्याशी उतारने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी में उनकी जगह किसी और को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाने पर चर्चा चल रही है। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं ने बाइडन के स्थान पर किसी दूसरे के नाम पर विचार करने की संभावना से साफ इनकार किया है।

ओबामा को बाइडन का समर्थन केवल छल : फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर टकर कार्लसन ने दावा किया कि कई प्रमुख डेमाक्रेटिक नेताओं ने सलाह दी है कि बाइडन का दिमाग खराब हो गया है और केवल समय की बात है कि उन्हें इस पद की दौड़ से हटा दिया जाएगा। कार्लसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बराक ओबामा का बाइडन को समर्थन करना केवल छल है। वह निजी तौर पर डेमोक्रेटिक नेताओं को बता रहे हैं कि बाइडन दोबारा राष्ट्रपति चुनाव जीत नहीं सकते हैं।

इधर, बहस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने अपने दैनिक कामकाज पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वह चुनाव में अपने संभावित प्रतिद्वंद्वी ट्रंप पर भी ध्यान दे रहे हैं।

उनकी प्रचार अभियान टीम ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अभियान आगे बढ़ेगा। कोई नया कार्यक्रम घोषित नहीं किया जाएगा। जबकि डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने बताया कि वर्ष की दूसरी तिमाही में 26.4 करोड़ डालर चंदे के तौर पर जुटाए गए हैं।

चुनाव से पहले अपने ही बाइडन के साथ नहीं, अब डेमोक्रेट सांसद ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने को कहा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। चुनाव से पहले बाइडन के ही पार्टी के सांसद उन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर अपना नाम वापस लेने का आग्रह कर रहे हैं। हाउस डेमोक्रेटिक सांसद लॉयड डोगेट ने राष्ट्रपति जो बाइडन को सार्वजनिक तौर पर अपना नाम वापस लेने के लिए कहा। उन्होंने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि जो बाइडन को अपना नाम वापस लेने का कठिन निर्णय लेना चाहिए। डोगेट ने कहा कि वह बाइडन से ऐसा करने के लिए आग्रह कर रहे हैं। लॉयड डोगेट ने कहा, मेरे आपत्तियों को सार्वजनिक करने का निर्णय हल्के में नहीं लिया गया और न ही यह राष्ट्रपति बाइडन द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के प्रति मेरे सम्मान को कम करता है। उन्होंने आगे कहा, पूर्व रष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विपरीत बाइडन ने खुद को पहले न रखकर देश को पहले रखा। मैं आशा कर रहा हूं कि वह अपने नाम को वापस लेने का कठिन निर्णय लेंगे। व्हाइट हाउस के अलावा दोनों सदनों का नियंत्रण अधर पर लटका हुआ है। रिपब्लिकन की तुलना में डेमोक्रेटिक पार्टी को अपनी सीटें बचाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बाइडन पर उठ रहे सवाल : लॉयड डोगेड कांग्रेस में अपना 15वां कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। वह ऑस्टिन जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। डोगेट अपनी पार्टी के पहले मौजूदा विधायक हैं जिन्होंने सार्वजनिक रूप से यह बात कही। राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान बाइडन के खराब प्रदर्शन ने उनके समर्थकों के बीच घबराहट पैदा कर दी। इसे लेकर कई लोगों ने सवाल उटाया कि क्या 81 वर्षीय बाइडन रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप को टक्कर देने के लिए सबसे मजबूत डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैं डोगेट का यह बयान पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने मंगलवार को दिए बयान के बाद आया। पेलोसी ने कहा कि यह एक वैध सवाल है कि क्या बाइडन का रूका हुआ प्रदर्शन सिर्फ एक एपिसोड है या एक स्थिति है। जनता जब सवाल करती है तो यह दोनों उम्मीदवारों के लिए वैध है। पूर्व हाउस स्पीकर ने बताया कि उन्होंने डिबेट के बाद से राष्ट्रपति बाइडन से बात नहीं की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाइडन इस खेल में शीर्ष पर हैं।

भारतीय सीमा पर लंबे समय तक चीनी सैनिक रहेंगे तैनात, युद्ध का खतरा बरकरार; अमेरिकी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

हांगकांग एजेंसी। यूक्रेन और गाजा में हो रहे युद्ध और दक्षिण चीन सागर में बढ़ता तनाव सुर्खियों में छाए रहते हैं, लेकिन इस बात को भुला दिया जाता है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) भारत के साथ लगती सीमा पर अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। यहां तक कि इस साल की शुरुआत में प्रकाशित अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी के वार्षिक खतरा आकलन में चीन और भारत के बीच सीमा पर तनाव को दुनिया में अन्य मौजूदा सभी संघर्षों, खतरों और तनावों के बीच केवल एक पैराग्राफ में समेट दिया गया था। रिपोर्ट का आकलन था कि भारत और चीन के बीच विवादित सीमा उनके द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की वजह बनी रहेगी। हालांकि दोनों पक्षों के बीच 2020 के बाद से सीमा पर कोई बड़ी झड़प नहीं हुई है, लेकिन वे बड़ी संख्या में सैन्य तैनाती बनाए हुए हैं। दोनों सैन्य बलों के बीच छिटपुट मुठभेड़ों से गलतफहमी और सशस्त्र संघर्ष में वृद्धि का जोखिम है। इस वर्ष अप्रैल में यूएस आर्मी वॉर कालेज के स्ट्रैटेजिक स्टडीज इंस्टीट्यूट ने 2020-21 में अक्साई चिन में पर्वतीय सीमा पर पीएलए की गतिविधियों की गहन जांच की एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसके लेखक डेनिस ब्लास्को ने मुख्य रूप से इस बात पर विचार किया कि कैसे पीएलए ने 15-16 जून, 2020 को गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हिंसा भड़कने के बाद तेजी से सैनिकों को इस क्षेत्र में भेजा था। बीजिंग और हांगकांग में पूर्व अमेरिकी रक्षा अताशे ब्लास्को का आकलन था कि क्षेत्र से बाहर के सैनिकों को वापस बुलाने के लिए भारतीय सेना और सरकार के साथ बातचीत को छोड़ दें तो पीएलए अक्साई चिन में एलएसी के पास और डोकलाम में सीमा पर अनिश्चितकाल तक तैनाती बनाए रखने को तैयार है।

ऑनलाइन एडल्ट वेबसाइटों पर उम्र सत्यापन के कानून को चुनौती, याचिका में तर्क- यह संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राज्य टेक्सास में एडल्ट वेबसाइट्स पर उम्र सत्यापन की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग की गई है। इसे लेकर अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है और कोर्ट 7 अक्तूबर से इस याचिका पर सुनवाई शुरू करेगा। अमेरिका में बीते साल ही ऐसा कानून लागू किया गया था, जिसके तहत व्यस्क वेबसाइटों पर जाने से पहले यूजर्स को अपनी उम्र का सत्यापन देना जरूरी था। यह कानून बच्चों के लिए व्यस्क वेबसाइटों के इस्तेमाल को रोकने के लिए बनाया गया था। अब इस कानून को चुनौती देते हुए जो याचिका दायर हुई है, उसमें तर्क दिया गया है कि यह कानून अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन बोलने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन करता है। टेक्सास के फ्री स्पीच नामक व्यापार संघ ने मार्च में निचली अदालत में कानून के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन निचली अदालत ने कानून को बरकार रखा, जिसके बाद व्यापार संघ ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। याचिका में कहा गया है कि एडल्ट वेबसाइट्स पर उम्र सत्यापन के नियम से सरकार को लोगों को निजी जीवन में झांकने की अनुमति मिल जाएगी। टेक्सास के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन ने इस याचिका का विरोध किया है। उनका कहना है कि इस कानून में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है।

उइगरों ने चीन के नरसंहार को समाप्त करने के लिए की कार्रवाई की मांग, व्हाइट हाउस से विदेश विभाग तक निकालेंगे रैली

वाशिंगटन , एजेंसी। । पूर्वी तुर्किस्तान निर्वासित सरकार (ईटीजीई) ने पूर्वी तुर्किस्तान राष्ट्रीय आंदोलन और पूर्वी तुर्किस्तान राष्ट्रीय कोष के सहयोग से शुक्रवार को व्हाइट हाउस से वाशिंगटन डीसी स्थित विदेश विभाग तक मार्च निकालने की घोषणा की है।

मार्च का उद्देश्य 2009 के उरुमची नरसंहार की याद दिलाना और पूर्वी तुर्किस्तान (वर्तमान में चीन का झिंजियांग प्रांत) में चीन द्वारा चल रहे उपनिवेशीकरण अभियान, उइगर नरसंहार और कब्जे के खिलाफ सार्थक कार्रवाई का आह्वान करना है।

यह मार्च व्हाइट हाउस, 1600 पेन्सिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू, वाशिंगटन, डीसी से शुरू होगा और स्टेट डिपार्टमेंट, 2201 सी सेंट एनडब्ल्यू, वाशिंगटन, डीसी तक जाएगा। एक्स पर पोस्ट किया, मार्च का उद्देश्य पूर्वी तुर्किस्तान में उइगर आबादी और अन्य जातीय समूहों द्वारा सामना किए जा रहे उपनिवेशीकरण, नरसंहार और कब्जे के मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करना है।

उनकी मांगों का मुख्य बिंदु विदेश विभाग में पूर्वी तुर्किस्तान/उइगर मुद्दों के लिए एक विशेष समन्वयक की नियुक्ति है। पूर्वी तुर्किस्तान में नरसंहार जारी यह आयोजन अमेरिकी सरकार से यह आह्वान है कि वह चीन द्वारा अधिकृत पूर्वी तुर्किस्तान में जारी नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों को रोकने और दंडित करने के लिए अपने नैतिक और कानूनी दायित्वों को बनाए रखे।

आयोजक पूर्वी तुर्किस्तान को तिब्बत की तरह ही एक अधिकृत क्षेत्र के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की वकालत कर रहे हैं। वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पूर्वी तुर्किस्तान में चीन के कथित नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों को संबोधित करने में अमेरिका को अपनी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की आवश्यकता है। उइगर समिति ने की चीन की निंदा सोमवार को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की 103वीं वर्षगांठ पर, पार्टी को शिनजियांग, जिसे पूर्वी तुर्किस्तान के नाम से भी जाना जाता है, में कथित मानवाधिकार उल्लंघन के लिए मानवाधिकार संगठनों और जातीय समूहों से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। स्वीडिश उइगर समिति ने सोशल मीडिया पर सीसीपी की भयावह विरासत को उजागर किया तथा पूर्वी तुर्किस्तान पर पार्टी के निर्मम आक्रमण, कब्जे और उपनिवेशीकरण की निंदा की। पोस्ट में चीनी सरकार पर उइगरों सहित लाखों पूर्वी तुर्किस्तानी लोगों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया गया है।

ज्वालामुखी के पास बदमाशों ने की लूट, जान बचाकर भागे तो ड्रोन से किया पीछा; दंपती ने सुनाई आपबीती

कैलिफोर्निया एजेंसी। कैलिफोर्निया के एक जोड़े जस्टिना और एलेक्स लुसेरो को हवाई के हेलेकाला ज्वालामुखी के पास लूटे जाने के बाद बाल-बाल बचा लिया गया। सांता क्रूज के संगीतकार जोड़ा काम के लिए माउई जा रहा था। उसके बाद उन्होंने घूमने का मन बनाया। इस यात्रा के दौरान, उन्हें एक नकाबपोश हमलावर ने लूट लिया। उसके बाद करीब एक दिन तक ड्रोन और बंदूकों से उनका पीछा किया।

अब जोड़े ने अपनी दर्दनाक कहानी साझा की है। उन्हें पिछले महीने अपनी जान बचान के लिए ज्वालामुखी के पास छिपना पड़ा था। जस्टिना और एलेक्स लुसेरो ने बताया कि जून की शुरुआत में काम के लिए माउई जाते समय बंदूक की नोक पर उनका कीमती सामान और कार लूट ली गई थी। अपनी जान बचाने के लिए उन्हें छिपने और हेलेकाला नेशनल पार्क में पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

जोड़े ने हेलेकाला जाने के लिए किराए की सिल्वर मस्टैंग ली थी। हेलेकाला, माउई द्वीप पर एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है।

उनकी परेशानी काली रेत वाले समुद्र तट के घुमने से शुरू हुई। एलेक्स ने बताया, हर कोई अच्छा था। सभी स्थानीय लोग और सभी पर्यटक जिनसे हम मिले, वे बहुत अच्छे थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने काली रेत वाले समुद्र को घूमने का सुझाव दिया। जीपीएस की मदद से हम तट देखने निकल गए। हालांकि, जीपीएस ने एक सड़क दिखाई, जिसके किनारे पर बंद सड़क का चिह्न लगा था। जस्टिना ने कहा, वहां एक आदमी मिला उसने कहा कि आप इसी रास्ते से जा सकते हो। पहले बंद हुआ करता था, लेकिन अब बंद नहीं है। वह शख्स स्थानीय था, इसलिए हमें कोई संदेह नहीं हुआ। उस इंसान ने यह भी बताया था कि स्थानीय लोग इसी सड़क से जाते हैं, तो अगर कोई आपके पीछे आता है, तो बस किनारे पर रुक जाना और उन्हें जाने देना।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाने की बंधी उम्मीद, अमेरिकी वकील का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को भारत लाने की उम्मीद बढ़ गई है। दरअसल अमेरिका के सहायक अटॉर्नी ब्रैम एल्डेन ने अमेरिका के अपीलीय न्यायालय को बताया है कि भारत-अमेरिका की प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। तहव्वुर राणा पर साल 2008 में हुए मुंबई हमले में शामिल होने का आरोप है। तहव्वुर राणा ने कैलिफोर्निया की एक जिला अदालत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की है।

तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के भारत सरकार के अनुरोध को अमेरिकी सरकार ने मंजूर कर लिया था, लेकिन इसके खिलाफ तहव्वुर राणा ने अमेरिका की जिला अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर दी, जिससे राणा का भारत प्रत्यर्पण अटक गया था। अब याचिका पर सुनवाई के दौरान अमेरिकी वकील एल्डेन ने कोर्ट को बताया कि राणा को संधि के प्रावधानों के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। भारत ने मुंबई हमले में उसकी भूमिका के लिए मुकदमा चलाने का संभावित कारण भी साबित किए हैं।

वर्तमान में लॉस एंजिल्स की जेल में बंद तहव्वुर राणा पर मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से

एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से तहव्वुर राणा का नाम जुड़ा है। राणा कई बार हेडली से मिला। हेडली ने अपने बयान में इसे स्वीकार भी किया था। हेडली ही मुंबई हमले की रेकी करने के लिए मुंबई आया था। मुंबई हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी और 239 लोग घायल हुए थे। आतंकियों ने मुंबई स्थित ताज होटल, कई बार, रेस्तरां और चबाड हाउस पर हमला किया था। मरने वालों में छह अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे। पाकिस्तान के 10 आतंकियों ने मुंबई में कई घंटे तक लोगों को निशाना बनाया था। इस हमले में ही आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी दे दी गई थी।

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने की मतदाताओं से अपील, बोले- ऐसा कुछ न करें जिसका आपको पछतावा हो

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 4 जुलाई को वोटिंग से पहले ही सुनक को झटका लगा है। अब उनके ऊपर हार का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसके पीछे का बड़ा कारण भी भारतीय हैं। सर्वे में खुलासा हुआ है कि 65 प्रतिशत भारतीय ऋषि सुनक की पार्टी को वोट देना नहीं चाहते हैं। यूगो की रिपोर्ट के मुताबिक, 65 प्रतिशत भारतीय वोटर सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी के खिलाफ हो चुके हैं।

वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने गुरुवार को होने वाले मतदान से पहले मंगलवार को चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की। उन्होंने मतदाताओं से ऐसा कुछ न करने का आग्रह किया जिसका उन्हें पछतावा हो और विपक्ष को उनसे अधिक वोट मिलें। ऋषि सुनक 2022 में पहली बार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन इस बार उनके लिए ये रहा आसान नहीं दिखाई दे रही है। मंगलवार को चुनाव प्रचार का अंतिम दिन था। इस दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने पूर्वी इंग्लैंड में एक वितरण केंद्र का दौरा किया। यहां उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे ऐसा कुछ न करने करें जिसका उन्हें पछतावा हो। चुनाव-पूर्व सभी जनमत सर्वेक्षणों में विपक्षी लेबर पार्टी के लिए मजबूत बहुमत का संकेत मिला है। जिससे मौजूदा सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को पीछे हटकर मतदाताओं को कीर स्टारमर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी को सुपरमैजोरिटी देने के खिलाफ चेतावनी देनी पड़ रही है। दोनों मुख्य पार्टी के नेता चुनाव प्रचार के अंतिम दो दिनों में यूनाइटेड किंगडम के अधिक से अधिक भागों में जाने की कोशिश कर रहे हैं, खासतौर पर उन क्षेत्रों में जहां उन्हें जीतने की उम्मीद ज्यादा है। इस बीच ऋषि सुनक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट

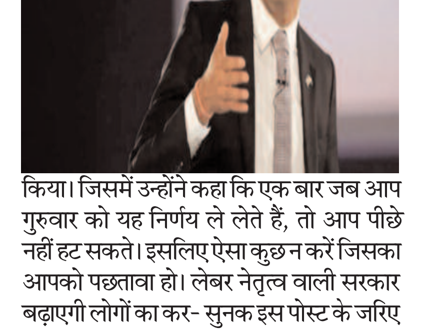

किया। जिसमें उन्होंने कहा कि एक बार जब आप गुरुवार को यह निर्णय ले लेते हैं, तो आप पीछे नहीं हट सकते। इसलिए ऐसा कुछ न करें जिसका आपको पछतावा हो। लेबर नेतृत्व वाली सरकार बढ़ाएगी लोगों का कर- सुनक इस पोस्ट के जरिए उन्होंने संदेश दिया कि लेबर के नेतृत्व वाली सरकार देश में सभी के लिए कर बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, आपके पास लेबर के सुपरमैजोरिटी पर ब्रेक लगाने के लिए 48 घंटे हैं जो आपके करों को बढ़ा देगा।

वहीं, उन्होंने बीबीसी के पोलिंग विशेषज्ञ सर जॉन कर्टिस से बात करते हुए कहा कि मैं नहीं चाहता कि लोग इस मामले में ढील दें। इसलिए, मैं हर वोट के लिए बहुत मेहनत कर रहा हूँ। मैं इस पद पर बने रहना चाहता हूँ ताकि मैं लोगों के करों में कटौती कर सकूँ, उनकी पेंशन की रक्षा कर सकूँ और हमारी सीमाओं को सुरक्षित कर सकूँ। ऋषि सुनक ने कहा, यह उनका दृष्टिकोण है, यह मुझे इन अंतिम कुछ दिनों में जितना संभव हो सके उतना कठिन परिश्रम करने से नहीं रोकेगा। मैं इस अभियान के अंतिम क्षण तक बाहर रहूंगा। द टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में, लेबर नेता ने लेबर सुपरमैजोरिटी के बारे में टोरी की चेतावनियों को एक अच्छाई के रूप में पेश करने का प्रयास किया, क्योंकि उन्होंने देश को गंभीर रूप से बदलने के लिए एक मजबूत जनादेश की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लोगों के पास अपनी जेबों में अधिक पैसा हो। लेबर पार्टी ने लगे आरोप किए खारिज कीर स्टारमर, जो शुक्रवार शाम तक 10 डाउनिंग स्ट्रीट में पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं, ने जोर देकर कहा कि अधिक बहुमत का मतलब है कि हम अपनी जरूरत के अनुसार बदलाव ला सकते हैं। लेबर पार्टी ने अपना दृष्टिकोण प्रमुख योजना सुधारों और कौशल सुधारों के माध्यम से अधिक विकास पर केंद्रित बताया है तथा सभी क्षेत्रों में कर बढ़ाने की योजनाओं को खारिज कर दिया है।

फैंस का दिल टूट गया... लियोनेल मेसी ओलिंपिक नहीं खेल पाएंगे, अर्जेंटीना टीम में हो गया खेल!

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलिंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलिंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी। ओलिंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलिंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

रोनाल्डो ने अपने रिटायरमेंट को लेकर किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। बात अगर फुटबॉल की हो, और रोनाल्डो का नाम न आए ऐसा हो नहीं सकता। फुटबॉल के मैदान में अपना जादू बिखेरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किसी न किसी खबर से घिरे ही रहते हैं। लेकिन इस बार उनकी चर्चा होने की वजह उनका फुटबाल से संन्यास है। जी हां, पुर्तगाल के फुटबॉल जांबाज क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूरो कप से सन्यास ले रहे हैं और उन्होंने इस बात का ऐलान कर दिया है। रोनालडो ने कहा है कि इस बार वो अपना आखिरी यूरो कप खेल रहे हैं और फिर इसके बाद वो यूरोपियन चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगे। आपको बता दें कि 2024 का यूरो कप जर्मनी में खेला जाने वाला है। जिसमें रोनाल्डो की टीम (पुर्तगाल) ने स्लोवेनिया को हरा दिया है। ऐसे में अब टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और अब उनका मुकाबला फ्रांस की टीम के साथ होने वाला है। इस मैच में रोनाल्डो की आंखों से तब आंसू टपक गए, जब उन्होंने स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी मिस कर दी। उनको भावुक होता देख उनकी मां की आंखों से भी आंसू छलक गए। इस मैच के बाद ही रोनाल्डो ने इस बात की जानकारी एक पुर्तगाली चैनल के माध्यम से दी कि ये उनका आखिरी यूरो मैच है। उन्होंने ये भी कहा कि वे बिल्कुल भी भावुक नहीं है क्योंकि अपने इस फुटबाल के कॅरियर में उन्होंने हर लम्हे को जिया है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने अपनी खेल के हर पहलू का भरपूर आनंद लिया है। 20 साल से खेलने पर उन्हें जो खुशियां मिली है

टोक्यो ओलंपिक समाप्त होते ही मैंने पेरिस 2024 के लिए तैयारी शुरू कर दी थी: निखत

नई दिल्ली, एजेंसी। निखत जरीन पेरिस 2024 में अपने प्रभावशाली पदक संग्रह को बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक पर नजर रख रही हैं। छह भारतीय मुक्केबाज, चार महिलाएं और दो पुरुष, ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और उनमें से पांच खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी जाने से पहले 22 जुलाई तक जर्मनी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। टीम में निखत ज़रीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा), टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन (महिला 75 किग्रा), निशांत देव (पुरुष 71 किग्रा) और अमित पंघल (पुरुष 51 किग्रा) शामिल हैं। टोक्यो 2020 में भारत का अभियान समाप्त होने के बाद से, ज़रीन का ध्यान पेरिस 2024 पर केंद्रित है, उन्हें विश्वास है कि यह उनके लिए अपनी चमक दिखाने का क्षण है। जरीन ने जियोसिनेमा से कहा कि जब टोक्यो ओलंपिक में भारत का अभियान समाप्त हुआ, तो उस दिन मैंने अपना ध्यान पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगाने का फैसला किया। मैंने पेरिस की उलटी गिनती के बारे में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी पोस्ट की। मुझे लगता है कि हर किसी का अपना एक पल होता है, और यह मेरा पल है। जिसने भी कहा था कि मैं पेरिस नहीं पहुंच पाउंगी, मैंने आखिरकार इसे हासिल कर लिया। मैं अपने आस-पास की सभी नकारात्मकता और सकारात्मकता को सकारात्मक रूप से लूंगी और पेरिस में रिंग के अंदर एक अलग फाइटर के रूप में बेहतर होने की कोशिश करूंगी।

अपनी सफलता की राह पर विचार करते हुए, ज़रीन अपने समुदाय में सामाजिक मानदंडों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के अटूट समर्थन को देती हैं। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है, मैं एक ऐसे समुदाय से आती हूं जहां महिलाओं को समर्थन की कमी है। लेकिन मेरे पिता, जो खुद एक एथलीट हैं, जानते थे कि एक चैंपियन बनने के लिए क्या करना पड़ता है। उन्होंने हमेशा मेरी यात्रा में मेरा समर्थन किया। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे अपना ध्यान बॉक्सिंग पर केंद्रित करना चाहिए। जब आप देश के लिए मेडल जीतने का सपना पूरा कर लेंगे, उस दिन ये लोग आपको बधाई देने आएंगे और सेल्फी लेंगे।

ज़रीन ओलंपिक चैंपियन बनने की अनूठी चुनौती को रेखांकित करते हुए, अपने खेल के शिखर तक पहुंचने के लिए आवश्यक बलिदानों पर जोर देती हैं। मैंने विश्व चैंपियन बनने के लिए कई चीजों का त्याग किया है, लेकिन ओलंपिक चैंपियन बनना अलग बात है। जब भी मैं प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही होती हूं, मैं सोशल मीडिया से दूर रहती हूं। मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ ज्यादा बात नहीं करती हूं। मैं उनके साथ समय बिताती हूं। इस बार, पेरिस 2024 की तैयारी में, मैं इन सभी विकर्षणों से दूर रहने की कोशिश करूंगी, और जितना संभव हो सके सकारात्मक रहने की कोशिश करूंगी और पेरिस के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। पदक से पहले की हर जंग से पहले की अपनी मानसिकता की झलक दिखाते हुए ज़रीन ने हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के महत्व पर जोर दिया। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के मकसद से उतरती हूं ताकि रिंग के अंदर चाहे कुछ भी हो, परिणाम कुछ भी हो, मुझे इस बात का अफसोस नहीं होना चाहिए कि अगर मैंने 10 प्रतिशत और दिया होता तो मैं मुकाबला जीत सकती थी। मैं वह पछतावा नहीं चाहती, इसलिए मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देने की मानसिकता के साथ उतरती हूं। निखत ज़रीन के शानदार करियर में दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में एक स्वर्ण और 2022 एशियाई खेलों में एक कांस्य पदक शामिल हैं। वह उन छह भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई किया है।

डीएफसी ने कासा बड़वानी एफसी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

चंडीगढ़, एजेंसी। कौशल और दृढ़ संकल्प के शानदार प्रदर्शन के साथ पहले चैंपियन डीएफसी ने एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में मध्य प्रदेश के चैंपियन कासा बड़वानी एफसी पर 13-2 की शानदार जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की। मैच की शुरुआत पोई के शानदार प्रदर्शन से हुई, जिनकी व्यक्तिगत प्रतिभा ने डीएफसी को शुरुआत में ही स्कोरबोर्ड पर पहुंचा दिया। किपगेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को बड़ा करते हुए दबाव में अपनी सटीकता और धैर्य का परिचय दिया। कासा बरवानी के अबुजाफर ने एक गोल करके वापसी की और पहले हाफ का अंत 2-1 स्कोर से किया। हालांकि, दूसरे हाफ में डीएफसी के युवा सवॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले मिनट से ही मैदान पर अपना दबदबा बना लिया। थियाम और लुंकिम ने दो तेज गोल करके बढ़त को और आगे बढ़ाया। आक्रमण जारी रहा क्योंकि अजलान और महेश ने हैट्रिक हासिल की और अपने उल्लेखनीय आक्रामक कौशल का प्रदर्शन किया। योहेनबा और डेनिश ने एक-एक गोल करके स्कोर को बढ़ाया और स्कोर 13-1 कर दिया। रीगन के अंतिम प्रयास के बावजूद, जिन्होंने कासा बरवानी एफसी के लिए एक और गोल किया, मैच दिल्ली एफसी के लिए 13-2 की शानदार जीत के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत के साथ, डीएफसी ने तीन मैचों में छह अंक लेकर ग्रुप चरण का समापन किया, जिसमें उसने कुल सत्रह गोल किए। यह प्रभावशाली प्रदर्शन न केवल उनकी आक्रमण क्षमताओं को उजागर करता है, बल्कि आगामी नॉकआउट चरणों के लिए एक उच्च बेंचमार्क भी स्थापित करता है। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में दिल्ली एफसी का सामना कॉर्बेट एफसी से होगा। टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ ही टीम खिताब वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्पित और केंद्रित है।

पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है। टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।

विमलडन

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार हुई, इस गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से मिली हार

लंदन, एजेंसी। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजां भूलें की। हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं। मैं अपने प्रदर्शन से आश्चर्यचकित थी और शुरुआत में थोड़ी नर्वस भी थी, पहले गेम के बाद यहां का माहौल काफी अच्छा लगा और लग रहा था कि मैं घर में खेल रही हूं।

मैच के दौरान बैडममिंटन खिलाड़ी की मौत

इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान आया हार्ट अटैक

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर गिरने से 17 वर्षीय चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत हो गई। खिलाड़ी का नाम झांग झिजी है जिसकी बैडममिंटन कोर्ट में हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं इस घटना पर भारतीय बैडममिंटन स्टार पीवी सिंधु ने भी सोशल मीडिया भी दुखी नजर आई। यह घटना रविवार देर रात की है। झांग झिजी ने किंडरगार्टन में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और पिछले साल उन्हें चीन की नेशनल यूथ टीम में शामिल किया गया। इंडोनेशिया (जकार्ता) में एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी पहले बेहोश हुआ और फिर उसे हार्ट अटैक आया जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में झांग झिजी को वेन्यू पर ही इलाज दिया गया लेकिन हलचल न दिखते हुए फिर उनको एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रात में उनकी मौत हो गई।

पीवी सिंधु ने जताया शोक

इस खिलाड़ी की मौत के बाद भारतीय बैडममिंटन स्टार पीवी सिंधु ने एक पोस्ट लिखा है। संधू ने पर लिखा- जूनियर एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप से युवा बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी के निधन की खबर बेहद दुख है, मैं इस दुखद समय में झांग के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। आज दुनिया ने एक असाधारण प्रतिभा खो दी है।

शेर-ए-पंजाब टी-20 कप का दूसरा सीजन सफल

बल्लेबाजों ने लगाए 868 चौके और 460 छक्के

मोहाली, एजेंसी। शेर-ए-पंजाब टी-20 कप के दूसरे सीजन में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, जिसने घरेलू सीजन की शानदार शुरुआत की। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) द्वारा आयोजित टी-20 लीग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें रोमांचक अंत देखने को मिला। बीएलवी ब्लास्टर्स और ट्राइडेंट स्टैलियंस के बीच खेला गया फाइनल इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच रहा, जिसमें नमन धीर की अगुआई वाली टीम ब्लास्टर्स ने मोहाली के आईएस बिंद्रा पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में लगातार दूसरे सीजन का खिताब अपने नाम किया।

बीएलवी ब्लास्टर्स के ओपनिंग बल्लेबाज हरनूर पन्नू ने शेर-ए-पंजाब टी 20 कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 21 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने न केवल 52 गेंदों में 83 रनों की मैच विजयी पारी खेली और अपनी टीम को खिताब दिलाया। 12 मैचों में 578 रन बनाकर प्लेयर

ऑफ द टूर्नामेंट भी बने, जिसमें उन्होंने कुल 33 मैचों के टूर्नामेंट में 33 छक्के लगाए। यह हरनूर के लिए एक आदर्श घर वापसी साबित हुई, जिन्होंने पंजाब के लिए अपना अंडर-14 और अंडर-16 क्रिकेट खेला, लेकिन 2019 में चंडीगढ़ यूनिट को बीसीसीआई से संबद्धता मिलने पर वे यूटी क्रिकेट एसोसिएशन में चले गए। पहले एशिया कप और फिर 2022 में वेस्टइंडीज में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे हरनूर अपने करियर को पुनर्जीवित करने के लिए 2024 में फिर से पंजाब लौट आए। 2021 में अंडर-19 एशिया कप के दौरान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे हरनूर ही नहीं, कार्तिक शर्मा (457 रन), प्रभसिमरन सिंह(454 रन), अभय चौधरी (445 रन), पुखराज मान (334 रन) जैसे अन्य बल्लेबाजों ने भी अपनी बल्लेबाजी प्रतिभा से प्रभावित किया। अनुभवी मंदीप सिंह ने भी एग्री किंग्स नाइट्स के लिए खेलते हुए 349 रन बनाए। गेंदबाजी में, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने गेंद के साथ अपनी क्लास और आक्रामकता दिखाई। ट्राइडेंट स्टैलियंस के लिए खेलते हुए 11 मैचों में उनके 22 विकेट के साथ उनके कौशल को दर्शाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में 2 मध्यम गति के गेंदबाज और 3 स्पिनर शामिल हैं। इसमें से एक हरप्रीत बरार ने फाइनल में आखिरी ओवर में 4 गेंदों पर 12 रन बनाकर ब्लास्टर्स को जीत दिलाई। मध्यम गति के गेंदबाज आराध्य शुक्ला, जो 2023 में भारत की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, उन्होंने भी ब्लास्टर्स के लिए 16 विकेट लेकर गेंद से प्रभावित किया। मोहाली के पीसीए स्टेडियम की पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए बहुत ही शानदार थीं। इसी बीच साहिल (17 विकेट), हरप्रीत बराड़ (16 विकेट), ईमानजोत (14 विकेट) ने भी गेंदबाजी में अपनी क्लास दिखाई। हरनूर ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीतकर ट्रैक्टर भी जीता। ब्लास्टर्स के कप्तान नमन धीर ने विजेता ट्रॉफी जीती और

शाहरुख खान को पार्डो ला कैरियरासे किया जाएगा सम्मानित !

लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में, भारतीय सुपरस्टार और वैश्विक इकन शाहरुख खान को फेस्टिवल के करियर चीवमेंट वार्ड, प्रतिष्ठित पार्डो ला कैरियरा सकोना-लोकार्नो टूरिज्म से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय करियर को एक ट्रिब्यूट देगा, जिसमें विभिन्न विधाओं की 100 से धिक फिल्में शामिल हैं। भारत में किंग खान - बॉलीवुड के बादशाह - के नाम से मशहूर शाहरुख खान भारतीय सिनेमा की जीवंतता को दर्शाने वाले एक नोखे प्रतीक बन गए हैं। अभिनेता को शनिवार, 10 गस्त की शाम को पियाजा ग्रांडे में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लावा, खान के करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म - देवदास (संजय लीला भंसाली, 2002) को फेस्टिवल के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा, और शाहरुख रविवार, 11 गस्त को फोरम सिनेमा में जनता के लिए बातचीत के लिए उपस्थित होंगे। शाहरुख खान की कई फिल्मों को वैश्विक स्तर पर पसंद किया जाता है और इसने उन्हें दुनिया भर के दर्शकों के बीच एक बेहद लोकप्रिय नाम बना दिया है, जिसके कारण उन्हें दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में पने देश ेर पनी कई फिल्मों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

भारतीय सिनेमा में उनके 30 साल से अधिक के सफर में उनकी सबसे प्रशंसित और ब्रेकआउट फिल्मों में से कुछ रोमांटिक थ्रिलर बाज़ीगर (1993) रही है, जिसमें खान ने बदला लेने की तलाश में एक हत्यारे लेकिन सहानुभूतिपूर्ण एंटी-हीरो की भूमिका निभाई थी। कुछ साल बाद उन्हें एक रोमांटिक ड्रामा, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) ेर समय-सीमाओं के पार प्रेम-कहानी, कुछ कुछ होता है (1998) के दम पर सुपरस्टार का दर्जा दिया गया। साथ ही, इस नई प्रसिद्धि की विशालता ने खान को लग और पने समय से बहुत आगे की भूमिकाएँ निभाने से नहीं रोका, जैसे कि यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित रोमांटिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर डर (1993) में राहुल, मणिरत्नम द्वारा महाकाव्य दिल से.. (1998) में एक पत्रकार जो एक आतंकवादी से प्यार करता है।

गले दो दशकों में, खान के करियर में भारत के कुछ सबसे प्रमुख निर्देशकों और सितारों के साथ हाई-प्रोफाइल सहयोग शामिल होंगे, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जबरदस्त पहचान मिली। खान को 2007 में ऑर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस और 2014 में फ्रांस सरकार द्वारा लीजन डीऑनर से सम्मानित किया गया था। शाहरुख खान की हालिया रिलीज़ में 2023 में रिलीज़ होने वाली तीन फ़िल्में शामिल हैं, पठान (2023), जवान (2023) और डंकी (2023), जिनमें से सभी बड़ी व्यावसायिक सफलताएँ थीं और वैश्विक दर्शकों से पार सराहना प्राप्त की। खान के पने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित जवान (2023) ने ब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया है, जिससे भिनेता की पनी पीढ़ी के सबसे प्रिय भारतीय सितारों में से एक के रूप में स्थिति की पुष्टि होती है।

जिोना ए. नाज़ारो, कलात्मक निर्देशक लोकार्नो में शाहरुख खान जैसे दिग्गज का स्वागत करना एक सपने के सच होने जैसा है! भारतीय सिनेमा में उनके योगदान की समृद्धि और व्यापकता भूतपूर्व है। खान एक ऐसे किंग हैं जिन्होंने अपने दर्शकों से कभी संपर्क नहीं खोया। यह साहसी और साहसी कलाकार हमेशा खुद को चुनौती देने के लिए तैयार रहा है, जबकि दुनिया भर में उसके प्रशंसक उसकी फिल्मों से जो उम्मीद करते हैं, उसके प्रति सच्चा बना रहा है। एक सच्चे लोगों के नायक, परिष्कृत ेर जमीन से जुड़े शाहरुख खान हमारे समय के एक दिग्गज हैं।

शाहरुख खान शनिवार, 10 गस्त की शाम को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पियाज़ा ग्रांडे में होंगे। लोकार्नो77 के दौरान उनके करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म दिखाई जाएगी.

पार्डो ला कैरियरा को सकोना-लोकार्नो टूरिज्म के सहयोग से संभव बनाया गया है, जो लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल का गंतव्य भागीदार है, जिसका काम लेक मैगीगोर और लोकार्नो के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता में पर्यटन के विकास और प्रचार को बढ़ावा देना है। झील और पहाड़ों के बीच बसा, लोकार्नो पने फिल्म फेस्टिवल के लिए एक लुभावनी पृष्ठभूमि के रूप में कार्य करता है, जहाँ प्राकृतिक परिदृश्य और सांस्कृतिक उत्सव का तर्संबंध एक शानदार नुभव बनाता है। प्रकृति में स्थापित एकमात्र प्रमुख फिल्म फेस्टिवल के रूप में, दर्शक सकोना-लोकार्नो क्षेत्र के सुंदर परिवेश के खिलाफ 360 ए सिनेमाई नुभव का आनंद ले सकते हैं।

बतौर बाल कलाकार फिल्मी दुनिया में रखे थे कदम

बाराती बनकर पहुंचे कार्तिक आर्यन

फिल्म इंडस्ट्री में हाल ही में एक और हस्ती शादी के बंधन में बंध गई है। फेमस डायरेक्टर समीर विद्वांस ने भी अपनी सपनों की राजकुमारी संग सात फेरे ले लिए हैं। उनकी शादी 29 जून को हुई है, जिसका खुलासा हाल ही में एक्टर कार्तिक आर्यन ने किया है। साथ ही उन्होंने समीर की वेडिंग फोटोज भी शेयर की हैं। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस डायरेक्टर को खूब बधाइयां दे रहे हैं। दरअसल, समीर विद्वांस ने कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का डायरेक्शन किया था। इस फिल्म में उनकी सिस्टेंट डायरेक्टर जुली सोनलकर थी, जिनके साथ ब समीर ने शादी कर ली है। दोनों की शादी 29 जून, 2024 को हुई है और इसी दिन एक साल पहले 'सत्यप्रेम की कथा' फिल्म भी रिलीज हुई थी। ऐसे में कार्तिक आर्यन ने इस दिन की कई खूबसूरत यादें शेयर करते हुए समीर विद्वांस की शादी का भी खुलासा किया। समीर और जुली की शादी में चंदू चैंपियन एक्टर कार्तिक आर्यन बराती बनकर पहुंचे और काफी हैंडसम लगे। शादी ही नहीं, कार्तिक ने कपल की रिसेप्शन पार्टी भी टैंड की, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों देखा जा सकता है समीर और जुली दूल्हा-दुल्हन बने बेहद खूबसूरत लग रही हैं। रिसेप्शन पार्टी में भी कपल बेहद प्यारा लग रहा है।

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद खूब चर्चा में आई थीं। उन पर एक्टर की मौत का आरोप लगा था और मामले में उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी थी। इतना ही नहीं, उन्हें लोगों की ट्रोलिंग का भी खूब सामना करना पड़ा था। गोल्ड डिगर तक के ताने सुनने पड़े थे। वहीं ब हाल ही रिया ने खुद को ही सबसे बड़ी गोल्ड डिगर बताया है। उनकी ये बात सुन एक्ट्रेस सुष्मिता सेन भी हैरान रह गईं। दरसल, रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में पना चैट शो चैप्टर 2 शुरू किया है, जहां सुष्मिता सेन उनके शो की पहली मेहमान बनी। रिया ने पने इस शो का एक प्रोमो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें वह कह रही हैं- आपको पता है कि इस इंडस्ट्री में आपसे बड़ी गोल्ड डिगर है जब सुष्मिता सेन हैरानगी में पूछती हैं, सच इस पर रिया चक्रवर्ती ने खुद का नाम लिया। उन्होंने खुद को सबसे बड़ी गोल्ड डिगर कहा है। वीडियो को शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती ने कैप्शन में लिखा, मैं कल ही 32 साल का हुई हूं और यह बहुत शानदार सफर रहा है।

शादी के लिए तैयार हैं सुष्मिता बोलीं...